Ranchi • Sunday, 10 May 2026 • Year : 05 • Issue : 114 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
मदर्स डे आज...
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

कब हालात बदल जाएं, पता नहीं। कब तकदीर पलट जाए, भरोसा नहीं। कभी परिस्थितियां सब तय कर देती हैं, कभी मजबूरियां। कम ही लोग ऐसे हैं, जो हर देश, काल और परिस्थिति में समान भाव से रहते हैं। वनांचल में एक हाकिम के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है। इन दिनों नौकरशाही के गलियारे में इसकी बड़ी चर्चा है। मौजूदा माहौल पर व्यंग्य किए जा रहे हैं। शेर पढ़े जा रहे हैं- 'कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता।' आखिर क्या चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

चंदन पर विष

'जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग। चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग'। बचपन से अब तक कई बार यह दोहा पढ़ा-सुना। कई बार मायने-मतलब गुना। कभी लगा नहीं कि कोई प्रश्न बाकी रह गया। अचानक एक रात बिस्तर पर पड़े-पड़े याद आया। अरे! यह तो उलट गया। बिल्कुल बदल गया। हां वही, जिसके पूर्ण होने पर कभी कोई भ्रम नहीं रहा। वह मौजूदा वक्त में वैसा नहीं रहा, जैसा कहा गया था। कहने का मतलब सीधा-सीधा था। 'चंदन' पर विष का प्रभाव दिख गया। रात जैसे-तैसे गुजरी। सुबह-सवेरे जिज्ञासा लिए गुरु की चौखट पर पहुंच गया। गुरु कुछ झल्लाए बैठे थे। देखते ही बरस पड़े। बोले- और महोदय! लिखना-पढ़ना छोड़ दिए क्या? आपको भी सिस्टम का दबाव

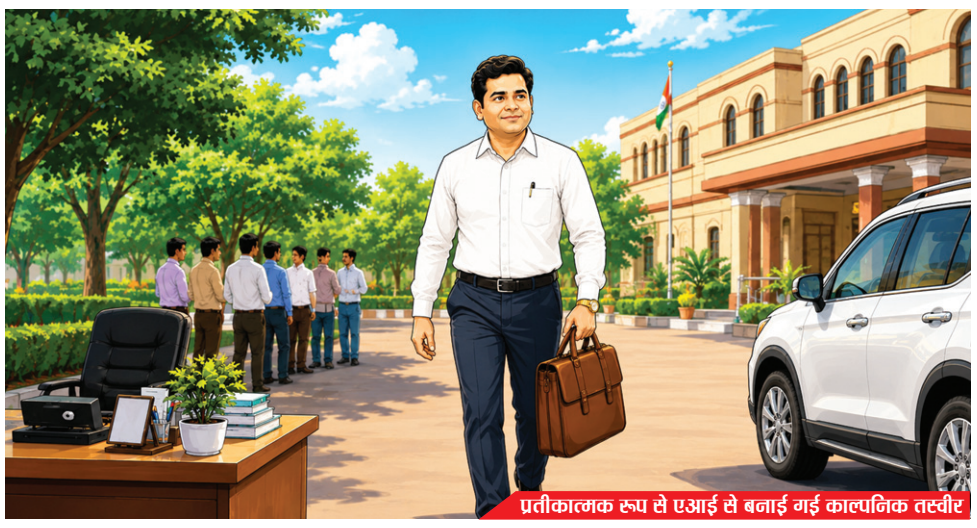

प्रतीकात्मक रूप से एआई से बनाई गई काल्पनिक तस्वीर

महसूस होने लगा? गुरु के अंदर की पीड़ा साफ झलक रही थी। शायद कोई जानी दुश्मन गुरु के वार से बच गया था। पिछले हफ्ते कोई कहानी हाथ लगी होगी। बताने वाला नहीं मिला। सो, छपी नहीं। लिहाजा, अब सामने देख सारी कसर उतार रहे थे। बहरहाल, गुरु का मूड ठीक करना जरूरी था। इसलिए अपनी तरफ से सफाई पेश की। कहा- गुरु ससुराल में कुछ घटित हो गया था, इसलिए नहीं आ सका। गुरु ने पहले ससुराल का ब्योरा लिया, फिर मुद्दे पर लौटे। पूछा- इतनी सुबह-सुबह पहुंच गए। कोई खास काम? बताया- हां गुरु, सोते-सोते एक दोहा दिमाग में फंस गया। सोचा कारण समझ लूं। गुरु ने व्याख्या शुरू की। कहा- जिस 'चंदन' पर विष का प्रभाव देख रहे हो, उनकी जड़ें काफी गहरी थीं। पेड़ में बारहमासा नमी बनी रहती थी। यही वजह थी कि कोयले की खदान पर लहलहाता वृक्ष सुरक्षित शिफ्ट हो गया। लौह अयस्क के भंडार में पर्याप्त उर्वरा मिट्टी मिली। सब कुछ तय गति से चल रहा था। सब कुछ कंट्रोल में था। अचानक एक मुद्दा आया। लोकल वोकल हो गया। बदले हालात में स्थानीय मिट्टी में रासायनिक प्रतिक्रिया हुई। 'चंदन' का पेड़ स्थानीय मौसम के साथ तारतम्य स्थापित नहीं कर सका। नमी घटने से वृक्ष पर विष का प्रभाव बढ़ गया। विकास प्रभावित होने लगा। जड़ें कमजोर हो गईं। यही वजह रही कि हवा का एक तेज झोंका आया और मजबूत पेड़ भरभराकर गिर गया। गुरु ने पूरे दोहे की बड़ी सरल व्याख्या कर दी। सारी शंका निर्मूल साबित हुई। कहने का अर्थ कि जो एक 'चंदन' के साथ हुआ, वह बस अपवाद था। शाश्वत सत्य नहीं। गुरु ने भावार्थ जोड़ा। नौकरशाही भी पेड़ की तरह है। जब तक जड़ को जमीन से नमी मिलती है, हरियाली बनी रहती है। जड़ कमजोर हुई नहीं कि सारी चमक गायब। बस इतनी सी बात सही वक्त पर समझ में आ जाए, फिर मुस्कान बदस्तूर कायम रहती है।

SARAFA

सोना	:	14,115
चांदी	:	280.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अनिल अंबानी समूह के 17 ठिकानों पर सीबीआई की रेड

MUMBAI : शनिवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामलों में मुंबई में 17 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज मामलों में की गई। सीबीआई के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम को हजारों करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़े मामलों की जांच जारी है। यह छापेमारी आठ मई को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने निदेशकों के आवासीय परिसरों के अलावा उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालयों में भी तलाशी ली, जिनके खातों का कथित तौर पर बैंक धनराशि के डायवर्जन और लेन-देन के लिए उपयोग किया गया था।

अमेरिका-ईरान सीजफायर पर गहराया संदेह

NEW DELHI : अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के नजदीक ईरान के दो तेल टैंकर को निशाना बनाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच नाजुक सीजफायर पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इस बीच अमेरिकी नौसेना के क्षेत्रीय मुख्यालय की मेजबानी करने वाले बहरीन ने शनिवार को बताया कि उसने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड से संबंध होने के संदेह में 41 लोगों को हिरासत में लिया है। अमेरिका युद्ध समाप्त करने, जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने से जुड़े समझौते के अपने ताजा प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को कहा था कि उसके बलों ने ईरान के उन दो टैंकर को निष्क्रिय कर दिया, जो ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे।

नई सरकार : गवर्नर ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

बंगाल के नए सीएम बने शुभेंदु

KOLKATA @ PTI : शनिवार को शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने बांग्ला में ईश्वर के नाम के साथ शपथ ग्रहण किया। बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने शुभेंदु के अलावा 5 और विधायकों को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। शपथ के बाद शुभेंदु पीएम के पास गए और उन्हें झुककर प्रणाम किया। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे। कार्यक्रम में सबसे पहले मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पीएम ने भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए।

राज्य में पहली बार बनी भाजपा की सरकार, दिलीप घोष समेत 5 मंत्रियों ने भी लिया ओथ

- शपथ ग्रहण समारोह में पीएम और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा 20 राज्यों के सीम रहे मौजूद
- प्रधानमंत्री ने घुटनों के बल बैठकर जनता को किया प्रणाम
- मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि
- 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार को शॉल ओढ़ाकर पीएम ने छुए पैर

मंत्रिमंडल में सभी क्षेत्रों को मिला प्रतिनिधित्व

शुभेंदु अधिकारी की कैबिनेट में पांच विधायकों को शामिल किया गया है। इनमें उत्तर बंगाल से दो और दक्षिण बंगाल से तीन विधायकों को जगह दी गई है। नए मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजवंशी क्षेत्रों के विधायकों को शामिल कर सबका साथ सबका विकास का संदेश देने की कोशिश की गई है। भवानीपुर और नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी विजयी हुए हैं। खड़गपुर सदर से दिलीप घोष जीते हैं। आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा जीती हैं। बनगांव उत्तर से अशोक कीर्तनिया, बांकुड़ा के रानीबांध केंद्र से क्षुदिराम टुडू और कूचबिहार के माथाभांगा से निशीथ प्रमाणिक विजयी हुए हैं।

सरकार गठन को पीएम ने बताया ऐतिहासिक

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के गठन को मोदी ने ऐतिहासिक दिन बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के गठन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि नौ मई 2026 का दिन इतिहास में नई उम्मीद, सम्मान और सुशासन के अध्याय के रूप में याद रखा जाएगा। मोदी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में सुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात रही।

जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में होगा समारोह

तमिलनाडु के नए सीएम होंगे जोसेफ विजय, आज लेंगे शपथ

AGENCY CHENNAI : शनिवार को तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए टीवीके चीफ सी. जोसेफ विजय ने 121 विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को सौंपा। गवर्नर ने 13 मई तक बहुमत साबित करने को कहा। जानकारी के अनुसार, विजय रविवार को राज्य के 9वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में दोपहर 3:15 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। चुनाव परिणाम में विजय की पार्टी को सबसे ज्यादा

108 सीटें मिली हैं। विजय ने दो सीटों से चुनाव जीता है। टीवीके को कांग्रेस के 5 और कम्युनिस्ट पार्टियों के 4 विधायकों का समर्थन 8 मई तक मिल चुका था। शनिवार को वीसीके और आईयूएमएल के 2-2 विधायकों के समर्थन के बाद टीवीके को अब 121 विधायकों का समर्थन हासिल हो गया।

चंडीगढ़ में सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के ठिकानों पर हुई छापेमारी

पंजाब में ईडी ने मारी ताबड़तोड़ रेड मंत्री संजीव अरोड़ा को किया अरेस्ट

CHANDIGARH @ PTI : शनिवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) की टीम ने ताबड़तोड़ रेड मारी। सूत्रों के अनुसार, रेड के वक्त वह चंडीगढ़ में अपनी सरकारी कोठी पर ही थे, यहां से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के ठिकानों में हुई है। संजीव अरोड़ा पर साल में तीसरी और महीने में दूसरी बार ईडी ने रेड की है।

जीएसटी खरीद दिखाकर बड़े स्तर पर की मनी लॉन्ड्रिंग

- साल में तीसरी व महीने में दूसरी बार छापेमारी
- हैंपटन स्काई रियलिटी लिमिटेड के ऑफिस पर भी रेड

ईडी सोर्सेज के मुताबिक 4 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चला। इसमें सरकारी घर के साथ हैंपटन स्काई रियलिटी लिमिटेड के ऑफिस पर भी रेड हुई है। जांच में सामने आया है कि संजीव अरोड़ा ने अपनी कंपनी के जरिए मोबाइल फोन की 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की फर्जी जीएसटी खरीद दिखाकर बड़े स्तर पर मनी लॉन्ड्रिंग की।

पति के जाने के बाद खुद बनीं सरकारी टीचर, दो बच्चों की संवारी किस्मत

कविता सिंह

- बेटी को बेंगलुरु की क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से कराया बीबीए, आज जर्मनी के डाइट बैंक में लग गई जॉब
- मानगो के पोस्ट ऑफिस रोड की रहने वाली महिला कविता सिंह ने पेश की संघर्ष की मिसाल

PHOTON NEWS JSR : कहते हैं कि किसी परिस्थिति में धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए। यह बात सच साबित करके दिखाई है मानगो के पोस्ट ऑफिस रोड की रहने वाली महिला कविता सिंह ने। कविता सिंह का जब 2013 में उनके पति से अचानक साथ छूटा तो उनके सामने विकट आर्थिक परिस्थितियां खड़ी हो गईं। कविता सिंह पर खुद के अलावा दो बच्चों की भी जिम्मेदारी आ गई। तब कविता सिंह हाउसवाइफ थीं। उनके आगे पीछे कोई नहीं था, जो ऐसी विकट परिस्थिति में उनकी मदद करता। लेकिन कविता सिंह ने हिम्मत नहीं हारी। साल 2000 में जब कविता सिंह की शादी हुई थी तब वह मात्र ग्रेजुएट थीं। पति का साथ छुटने के बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई करने की ठानी और घर में जो बची खुची जमा-पूंजी को अपनी पढ़ाई में लगाया। कविता सिंह ने साल 2014 में बीएड किया। वह आठ-आठ घंटे पढ़ाई करती थीं। इसके बाद उन्होंने यूजीसी-नेट भी निकाल लिया। यूजीसी नेट में उन्हें 70% अंक मिले थे। काफी संघर्ष और मशक्कत के बाद आखिर उन्हें सफलता मिली और वह एक हाईस्कूल में टीचर हो गईं। आज उनकी तैनाती घाटशिला के उत्क्रमित हाई स्कूल बरडी में है। वह यहां की प्रिंसिपल इंचार्ज हैं।

बिजनेस में घाटे के बाद डिप्रेशन में रहते थे पति

अपनी पढ़ाई के साथ ही उन्होंने बच्चों की पढ़ाई पर भी ध्यान दिया। उन्होंने अपनी बेटी आकांक्षा सिंह का दाखिला बेंगलुरु के क्राइस्ट यूनिवर्सिटी में कराया। यहां से आकांक्षा सिंह ने बीबीए की पढ़ाई पूरी की और अब उनकी जर्मनी के एक ग्लोबल बैंक डाइट में जॉब लग गई है। कविता सिंह बताती हैं- जब उनकी बेटी की इस बैंक में जॉब लगी तो उन्हें काफी प्रसन्नता मिली कि उनकी मेहनत रंग लाई है बेटा आयुष राज शेन इंटरनेशनल स्कूल में 12वीं की पढ़ाई कर रहा है। कविता सिंह बताती हैं कि उनके पति का बिजनेस था। बिजनेस में काफी घाटा हो गया था। इसके चलते वह काफी डिप्रेशन में थे। अचानक वह कहां चले गए या उनके साथ क्या घटना घटित हुई, इसका कुछ पता नहीं चल पाया। आज तक उनका कुछ पता नहीं चला कि उनके साथ क्या हुआ था।

हेल्थ अलर्ट नवजात में तेजी से बढ़ सकता है दवाओं के प्रति प्रतिरोध

मां के दूध तक पहुंचा एंटीबायोटिक के अधिक इस्तेमाल का असर

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : चिकित्सा विज्ञानियों के अनुसार, एंटीबायोटिक यानी प्रतिजैविक ऐसी जीवन रक्षक दवाएं होती हैं, जो सूक्ष्मजीव बैक्टीरिया (जीवाणु) से होने वाले संक्रमणों को रोकने या मारने के लिए उपयोग में लाई जाती हैं। जब शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है तो जीवाणुओं के संक्रमण की क्षमता बढ़ जाती है। एंटीबायोटिक दवाएं सामान्य रूप से सर्दी, खांसी या फ्लू जैसे वायरल संक्रमणों पर काम नहीं करती हैं। इन्हें हमेशा डॉक्टर की सलाह पर उचित मात्रा और निर्धारित डोज के अनुरूप ही लेना चाहिए। इनका गलत इस्तेमाल हानिकारक बैक्टीरिया को प्रतिरोधी बना सकता है। हाल में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि एंटीबायोटिक के अधिक इस्तेमाल का असर अब मां के दूध और नवजात तक पहुंच गया है। पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के विशेषज्ञों की टीम के एक ताजा शोध में यह खुलासा हुआ है। रिसर्च टीम के डॉक्टरों ने बताया है कि बिना जरूरत एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल अब एक गंभीर खतरे के रूप में सामने आ रहा है, क्योंकि इसका प्रभाव मां के दूध और शिशुओं में भी परिलक्षित होने लगा है। शोध का नेतृत्व नवजात रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ दत्ता ने किया।

भारतीय विशेषज्ञ डॉक्टरों के लंबे समय तक किए गए रिसर्च में हुआ खुलासा

अंतरराष्ट्रीय जर्नल ब्रेस्टफीडिंग मेडिसिन में विस्तार से प्रकाशित की गई है रिपोर्ट

- 28 से 34 सप्ताह में जन्मे 100 मां-बच्चे के जोड़ों को शोध में किया गया शामिल
- डिलीवरी के 10वें दिन तक मां के दूध और नवजात के मुंह से सैंपल लेकर की गई जांच

कई मामलों में मां-बच्चा दोनों में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जीन की पाई गई मौजूदगी

ईएसबीएल जैसे घातक जीन की उपस्थिति

रिसर्च टीम के अनुसार, प्रैक्टिकल स्टडी के तहत 28 से 34 सप्ताह में जन्मे 100 प्रीटर्म मां-बच्चे के जोड़ों को शामिल किया गया। डिलीवरी के 10वें दिन तक मां के दूध और नवजात के मुंह से सैंपल लेकर जांच की गई। इसमें कई मामलों में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जीन दोनों में पाए गए।

मां का दूध नवजात के लिए सर्वाधिक सुरक्षित

टीम में डॉ. अंबिका शर्मा, मनीष बिस्वाल, अन्वेषा चक्रवर्ती, डॉ. वनिता सूरी और डॉ. राजा राय शामिल रहे। शोध के नतीजों को विस्तार से अंतरराष्ट्रीय जर्नल ब्रेस्टफीडिंग मेडिसिन के 2025वें अंक में प्रकाशित किया गया है। शोध में ईएसबीएल (एक्सटेंडेड स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टामेसेस) और काबार्पेनेमेज जैसे खतरनाक रेजिस्टेंस जीन की मौजूदगी सामने आई। इससे यह संकेत मिलता है कि बैक्टीरिया अब सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति असरहीन होते जा रहे हैं। टीम के हेड डॉ. दत्ता के मुताबिक, डिलीवरी के आसपास एंटीबायोटिक का अधिक उपयोग मां के शरीर में ऐसे बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है, जिनमें दवाओं के प्रति प्रतिरोध होता है। यही बैक्टीरिया स्तनपान के जरिए नवजात तक पहुंच सकते हैं। हालांकि विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि इससे स्तनपान के महत्व को कम नहीं आंका जाना चाहिए।

तारानगर पंचायत के लखीनारायणपुर गांव में हुई घटना

पाकुड़ में 3 माह की बच्ची को सियार ने नोचकर मार डाला, हमले में एक जख्मी

PHOTON NEWS PAKUR : पाकुड़ जिले के लखीनारायणपुर गांव में एक सियार ने तीन माह की एक बच्ची को नोचकर मार डाला। घटना शनिवार सुबह मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तारानगर पंचायत में हुई। सियार के इस हमले में एक तीन साल की बच्ची घायल हो गई, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है। रामचंद्रपुर निवासी मुसफेरा बीबी अपने बच्चों के साथ मायके लखीनारायणपुर आई हुई थीं। रात में बच्ची सो रही थी, तभी एक सियार घर में घुस आया। उसने तीन माह के मासूम बच्ची को उठाकर अपना शिकार बना लिया। जानवर ने बच्ची को बुरी तरह नोच डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सियार ने घर में मौजूद दूसरी बच्ची को भी निशाना बनाने की कोशिश की।

गांव के लोगों में दहशत का माहौल

शोर मचाने पर भाग निकला सियार

करीब तीन वर्षीय बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन जाग गए। उनके शोर मचाने पर सियार वहां से भाग निकला, जिससे दूसरे बच्चे की जान बच गई। घायल बच्ची को तत्काल पाकुड़ सदर अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई है। इस घटना के बाद गांव में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण रात होते ही अपने बच्चों को लेकर सहमे हुए हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि जंगली जानवर दोबारा गांव में प्रवेश कर किसी अन्य बच्चे को निशाना बना सकता है।

हिमालय की नीरव घाटियां

घुमक्कड़ की पाती

दिल्ली से चंडीगढ़ होते हुए जब सड़कें हिमाचल की ओर मुड़ने लगीं, तब मौसम का मिजाज भी बदलने लगा। मैदानों की गर्म हवा धीरे-धीरे ठंडी बयार में बदल गई। रास्ते में छोटे-छोटे ढाबे, पहाड़ी मोड़ों पर बहती नदियां और देवदार के पेड़ सफर को किसी फिल्मी दृश्य जैसा बना रहे थे।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

दिल्ली की गर्मियों में एक अजीब बेचैनी होती है। धूल, ट्रैफिक और भागती हुई ज़िंदगी के बीच मन बार-बार किसी ऐसी जगह की तलाश करता है, जहां शोर कम हो और भीतर की आवाज साफ सुनाई दे। शायद इसी तलाश ने मुझे स्पीति वैली की ओर खींचा- एक ऐसी घाटी, जिसके बारे में अक्सर सुना था कि वहां पहुंचकर इंसान प्रकृति के सामने खुद को बहुत छोटा महसूस करता है। जून की एक सुबह मैं दिल्ली से निकल पड़ा। शहर अभी पूरी तरह जागा भी नहीं था, लेकिन सड़कों पर सफर की शुरूआत का उत्साह साफ महसूस हो रहा था। मेरे बैग में कुछ गर्म कपड़े, कैमरा, एक डायरी और पहाड़ों के लिए मन में भरी उत्सुकता थी।

दिल्ली से चंडीगढ़ होते हुए जब सड़कें हिमाचल की ओर मुड़ने लगीं, तब मौसम का मिजाज भी बदलने लगा। मैदानों की गर्म हवा धीरे-धीरे ठंडी बयार में बदल गई। रास्ते में छोटे-छोटे ढाबे, पहाड़ी मोड़ों पर बहती नदियां और देवदार के पेड़ सफर को किसी फिल्मी दृश्य जैसा बना रहे थे। मैंने स्पीति पहुंचने के लिए शिमलाझकिन्नौर रूट चुना था, क्योंकि यह रास्ता अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है और धीरे-धीरे ऊंचाई बढ़ने के कारण शरीर भी मौसम के अनुकूल हो जाता है। शिमला से आगे बढ़ते ही सड़कें संकरी होने लगीं और पहाड़ों का स्वरूप भी बदलने लगा। हर मोड़ पर ऐसा लगता मानो हिमालय अपना एक नया चेहरा दिखा रहा हो।

किन्नौर की घाटियों से गुजरते हुए सतलुज नदी लंबे समय तक हमारे साथ बहती रही। पहाड़ों को काटकर बनी सड़कें कई जगह इतनी संकरी थीं कि नीचे गहरी खाई देखकर सांसें थम जाएं। लेकिन इन्हीं रास्तों में सफर का असली रोमांच भी छिपा था। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे थे, हरियाली कम होती जा रही थी और उसकी जगह सूखी, भूरे रंग की विशाल पहाड़ियों ने ले ली थी। यही वह क्षण था, जब पहली बार स्पीति की झलक महसूस हुई- एक ऐसी दुनिया, जो हिमालय के बाकी हिस्सों से बिल्कुल अलग है।

काजा पहुंचते-पहुंचते शाम हो चुकी थी। समुद्र तल से लगभग 3,800 मीटर की ऊंचाई पर बसा यह छोटा सा शहर स्पीति का मुख्य केंद्र माना जाता है। यहां की हवा में एक अलग तरह की ठंडक थी-सिर्फ मौसम की नहीं, बल्कि शांति की भी। काजा की गलियों में चलते हुए मैंने देखा कि यहां जिंदगी कितनी धीमी और सरल है। छोटे-छोटे कैफे, मिट्टी और पत्थरों से बने घर, दूर पहाड़ियों पर फहराते रंग-बिरंगे प्रेयर फ्लैग्स और हर चेहरे पर एक सहज मुस्कान- यह सब दिल्ली की तेज रफ्तार जिंदगी से बिल्कुल अलग था। मैं जिस होमस्टे में ठहरा था, वहां की खिड़की से पूरी घाटी दिखाई देती थी। रात के समय जब आसमान में अनगिनत तारे चमकने लगे, तब एहसास हुआ कि शहरों में हम कितना कुछ खो चुके हैं। वहां न कोई ट्रैफिक का शोर था, न मोबाइल नोटिफिकेशन की आवाज- सिर्फ हवा की धीमी सरसराहट और पहाड़ों की नीरवता।

अगली सुबह मेरी यात्रा का पहला पड़ाव था- की मठ। काजा से कुछ दूरी पर पहाड़ी के ऊपर स्थित यह मठ दूर से किसी पुराने किले जैसा दिखाई देता है। जैसे-जैसे मैं ऊपर चढ़ रहा था, वैसे-वैसे नीचे फैली स्पीति घाटी और भी विशाल लगने लगी। मठ के भीतर प्रवेश करते ही वातावरण अचानक बदल गया। बाहर की ठंडी हवा के बीच अंदर घी के दीयों की हल्की रोशनी, प्रार्थनाओं की धीमी ध्वनि और दीवारों पर बने प्राचीन चित्र एक अलग ही दुनिया का एहसास करा रहे थे। कुछ युवा भिक्षु शांत भाव से अध्ययन में लगे थे, जबकि एक वृद्ध लामा प्रार्थना चक्र घुमाते हुए मंत्रों का जाप कर रहे थे। उस पल मुझे महसूस हुआ कि स्पीति केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आत्मा को शांत करने वाली जगह है- जहां प्रकृति और अध्यात्म एक-दूसरे में घुल जाते हैं। की मठ से लौटते समय शाम की धूप धीरे-धीरे पहाड़ों के पीछे उतर रही थी। स्पीति की सूखी पहाड़ियों पर पड़ती सुनहरी रोशनी ऐसा दृश्य बना रही थी, मानो पूरी घाटी किसी विशाल कैनवास में बदल गई हो। हवा में ठंडक बढ़ने लगी थी, लेकिन भीतर एक अजीब सी शांति उतर चुकी थी।

मेरी यात्रा का अगला पड़ाव था- ताबो मठ। काजा से ताबो तक का रास्ता अपने आप में एक अलग अनुभव था। सड़कें कभी स्पीति नदी के साथ चलतीं, तो कभी पहाड़ों के बिल्कुल किनारे से गुजरतीं। रास्ते में छोटे-छोटे गांव दिखाई देते, जहां मिट्टी और पत्थरों से बने घर इस कठोर मौसम में भी जीवन की जिद को दर्शाते थे। ताबो पहुंचते ही पहली नजर में मठ बेहद साधारण लगा। बाहर से यह किसी पुराने मिट्टी के किले जैसा दिखाई देता है, लेकिन भीतर प्रवेश करते ही उसकी असली दुनिया सामने आती है। दीवारों पर बनी सदियों पुरानी चित्रकारी, मिट्टी की मूर्तियां और हल्की पीली रोशनी में चमकते प्राचीन कक्ष- सब कुछ समय को थामे हुए सा लगता है।

यही कारण है कि ताबो मठ को हिमालय का अजंता कहा जाता है। यहां कला केवल सजावट नहीं, बल्कि अध्यात्म का हिस्सा महसूस होती है। एक शांत कमरे में बैठे युवा भिक्षु मंत्रों का उच्चारण कर रहे थे। उनकी आवाज धीमी थी, लेकिन पूरे वातावरण में एक गहरी स्थिरता भर रही थी। ताबो में कुछ समय बिताने के बाद मुझे एहसास हुआ कि स्पीति की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी खामोशी है। यहां शांति केवल वातावरण में नहीं, लोगों के जीवन में भी दिखाई देती है।

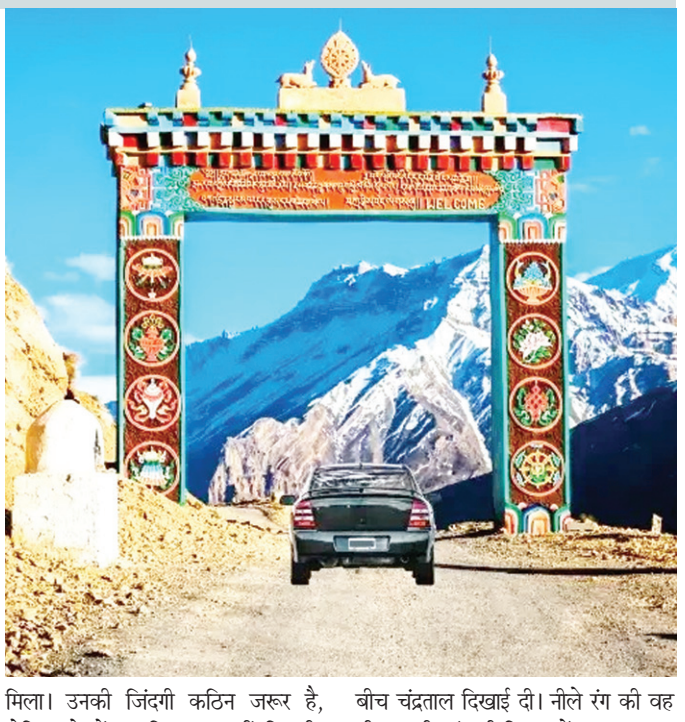

यात्रा के दौरान मैं कई स्थानीय लोगों से मिला। उनकी जिंदगी कठिन जरूर है, लेकिन चेहरों पर शिकायत नहीं दिखती। कम संसाधनों के बीच भी वे प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना जानते हैं। गांवों में रंग-बिरंगे प्रेयर फ्लैग्स हवा में लहराते रहते हैं, मानो हर दिशा में प्रार्थनाएं बह रही हों। एक शाम काजा के छोटे से कैफे में बैठकर मैंने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया- गरम थुकपा, मोमो और तिंगमो। बाहर ठंडी हवा चल रही थी और भीतर लकड़ी के चूल्हे की गर्माहट थी। पहाड़ों में साधारण भोजन भी किसी विशेष अनुभव जैसा लगता है।

स्पीति की यात्रा अधूरी मानी जाती है अगर आपने चंद्रताल झील न देखी हो। इसलिए वापसी से पहले मैं भी वहां गया। कुंजुम पास की ओर बढ़ते हुए रास्ता और भी कठिन हो गया था। ऊबड़-खाबड़ सड़कें, तेज हवाएं और दूर-दूर तक फैला सन्नाटा- यह सफर आसान नहीं था, लेकिन हर मोड़ पर हिमालय अपनी भव्यता से चौंका देता था। फिर अचानक पहाड़ों के बीच चंद्रताल दिखाई दी। नीले रंग की वह झील इतनी शांत थी कि उसमें पूरा आसमान उतर आया था। आसपास कोई शोर नहीं, केवल हवा की आवाज और पानी की स्थिर चमक। मैं काफी देर तक झील के किनारे बैठा रहा। उस क्षण लगा कि शायद हम जीवन में बहुत कुछ पाने की दौड़ में सबसे जरूरी चीज भूल जाते हैं- ठहरना। स्पीति ने मुझे यही सिखाया था कि प्रकृति के बीच सुकून किसी लक्जरी होटल में नहीं, बल्कि उन पलों में मिलता है, जब आप बिना किसी जल्दबाजी के सिर्फ आसपास की दुनिया को महसूस करते हैं। वापसी के समय जब गाड़ी फिर उन्हीं पहाड़ी रास्तों से नीचे उतर रही थी, तब मन बार-बार पीछे मुड़कर देखना चाहता था। दिल्ली लौटने की जल्दी थी, लेकिन भीतर कहीं स्पीति की नीरवता अब भी बाकी थी। शायद यही इस घाटी का सबसे बड़ा जादू है- आप यहां कुछ दिनों के लिए आते हैं, लेकिन इसकी शांति आपके भीतर लंबे समय तक ठहर जाती है।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

कविता

डॉ. उमा उपाध्याय
गोरखपुर

माँ

माँ शब्द को
चंद्रबिन्दु ने सजाया है,
इसका मतलब
कब किसे समझ में आया है ।
कहते हैं,
माँ बनके ही तो,
अन्तर्मन बन जाता है ।
ये शब्द नहीं,
जो समझा दूं,
ये भाव समझ में आता है।
ये वो स्नेहिल आमंत्रण है,
जो भोर सुहानी लाती है।
टूटी-बिखरी संतानों से
इतिहास नया रचवाती है।
ना भेद-भाव संतानों में,
वो करूणा सदा लुटाती है।
कोमल आँचल की छैयां में,
लोरी के गीत सुनाती है।
हर दर्द हरे,हर ताप हरे,
हर राह सुगम वो बनाती है,
हिस्से में सिसकी भले मिले,
सीने में दर्द छुपाती है।
ममता से भरी हर माँ होती
शीतल बिल्कुल शीतलता सी
पर बच्चों की रक्षा के लिए
रणचंडी भी बन जाती है।।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'हम बनेंगे किसान एक दिन'

दिलीप कुमार

चुनावी सरगर्मी में लिखते-पढ़ते, ड्यूटी करते मुझे पहले लू लग गई और फिर फूड प्वाइजनिंग हो गई। सो बिस्तर पर पड़ गया, अस्पताल पहुंचाया गया तो पता लगा कि सारा स्टाफ चुनाव ड्यूटी पर गया हुआ है। सिर्फ बेहोशी का डॉक्टर था जो मेरा पड़ोस में किरायेदार था और अपने घर का कूड़ा हमेशा मेरे घर के सामने फेंकता था और अपनी गाड़ी मेरे गेट के सामने लगाकर गायब हो जाता था ना जाने किस खुन्नस में। सो उसने मुझसे कहा - 'मैं तुम्हें बेहोश कर देता हूं, अगर होश में आ गए तब तो सब ठीक है और होश में नहीं आए तो भी कुछ खास गड़बड़ नहीं है, इलेक्शन ड्यूटी की ट्रेनिंग कर ही चुके हो हो। बढ़िया बीमा है तुम्हारा, वो रकम मिल जाएगी, फिर तुम्हे भी देर-सबेर कोई ना कोई मेडल या उपाधि मिल जाएगी। घर वाले भी शान से तुम्हें देशभक्त कहेंगे। जिस बेटे को तुम बाइक तक नहीं दिला पाते और जो तुम्हें आउटडेटेड समझता है, वही तुम्हारे बाद तुम्हारी सरकारी नौकरी पर राज रजेगा। सिर्फ इलेक्शन के डेथ क्लेम के पैसों से एसयूवी ले आएगा, बीटेक करने के बाद अब उसकी जो पकौड़ा बेचने की मजबूरी आ पड़ी थी, वो समस्या भी हल हो जाएगी और बेरोजगारी के कारण उसकी जो गर्लफ्रैंड उसे छोड़ गई थी, वो भी आ जाएगी। अपने उस एमबीए वाले ब्वायफ्रेंड को छोड़कर तुम्हारे सरकारी नौकरी वाले बेटे के पास। सोचो तो सही, तुम्हे देखकर हमेशा तुम्हारे घर वालों का मूड उखड़ा रहता है, तुम्हारे ना होने पर वो सब फीलगुड महसूस करेंगे। उनके अच्छे दिन लौट आएंगे। जैसे एक निष्क्रिय नेता के ना होने से इंडिया की शाइनिंग हो रही है। वैसे ही तुम्हारे ना होने से तुम्हारी फैमिली शाइनिंग हो जाएगी, कैश फ्लो से। जो बेटा आज तुम्हारी जगहंसाई का सबब है, कल वही बड़े-बड़े काम करने की डींगे हांकेगा। जैसे आजकल देश का एक बेटा देश के बारे में एक पेशेवर लेखिका से पूछ-पूछ कर ट्वीट करता है'।

मुझे थोड़ी कोफ्त हुई, मैंने उनसे पूछा- 'आपको मेरे बेटे की ही पड़ी है और मेरी पत्नी का क्या? उस बेचारी का क्या होगा?

डॉक्टर को और भी ज्यादा कोफ्त हुई। वह तंज करते हुए बोला- 'यार तुम बिल्कुल झंडू हो, तब नहीं सोचे थे, जब कुल्फी वाले की बेटी के साथ भागकर शादी की थी, तुम्हें याद है उसके कुल्फी के ठेले पर क्या लिखा रहता था'?

अपने दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद मुझे याद आया- 'अरे हां, एक कृष्ण भगवान का फोटो लगा था और उसके नीचे लिखा रहता था कि

'हमें चिंता उनकी नहीं, उन्हें चिंता हमारी है। हमारी और कुल्फी के रक्षक सुदर्शन चक्रधारी हैं'। लेकिन उस नारे का जीवन के इतने वर्षों बाद क्या लेना-देना बाकी रह गया है।

डॉक्टर फिर झल्लाते हुए बोला- 'बिल्कुल बकलोल हो क्या यार, इसका मतलब वो अपना ख्याल खुद रख लेगी कुल्फी बेचकर चक्रधारी की मदद से, समझे कुछ'।

मेरा माथा ठनका, कहीं वह चक्रधारी के बारे में तो बात नहीं कर रहा है, जिस एलआईसी एजेंट से मेरी पत्नी ने तमाम किस्म के निवेश और बीमा करा रखे हैं। मैंने कड़क स्वर में पूछा- 'इसका क्या लेना-देना है भई'।

वह कुटिल स्वर में बोला-

'जब बड़े-बड़े लोगों का पचास साल-सौ साल पहले की बातों से लेना-देना है तो तुम्हारा क्यों नहीं हो सकता'?

मैंने हैरानी से पूछा- 'समझा नहीं आपकी बात'?

डॉक्टर ने मासूमियत से कहा- 'देखो इस देश में लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि नब्बे साल पहले गांधीजी ने भगत सिंह को बचाने की कोशिश क्यों नहीं की। पंडित नेहरू ने चंद्रशेखर आजाद को अल्फ्रेड पार्क से रेस्क्यू क्यों नहीं किया? सरदार पटेल पीएम क्यों नहीं बने, वगैरह-वगैरह। तो तुम भी ऐसे किन्हीं सवालों से जूझ जाओ, आजकल यही ट्रेंड है'।

मैंने प्रतिवाद किया- 'लेकिन वो तो बड़े लोग हैं, मैं तो किसान का बेटा हूं, मध्यवर्गीय मामूली कर्मचारी, मेरे जीवन में क्या रस है किसी को'।

डॉक्टर हंस पड़ा। उसने कहा-

'तुम वाकई पप्पू टाइप हो यार, किसान के बेटे हो तभी तो तुम्हारी चांदी रहेगी, देख नहीं रहे हो हर नेता और अभिनेता किसानों के बारे में कितना फिक्रमंद है। पहले अभिनेता को ही ले लो, बेचारे अमिताभ बच्चन, जिन्होंने अपने पुश्तैनी गांव की एक इंच जमीन तक ना रखी, इलाहाबाद का अपना घर तक बेच दिया। अचानक उनको ना जाने क्यों किसान बनने की सूझी और रातों-रात धरतीपुत्र को मानस पिता मान लिया। उस धरतीपुत्र ने भी प्राइवेट जेट प्लेन से चलने वाले अपने से सिर्फ छह वर्ष छोटे मानस पुत्र को पट्टा देकर किसान बना दिया, इसी खेती-किसानी में अमिताभ बमुश्किल जेल जाते-जाते बचे। अमिताभ के साथ ही कजरारे कजरारे... पर ठुमका लगाने वाली उनकी बहू ऐश्वर्या ने बाराबंकी में इंटर कॉलेज बनाकर बिल्कुल बंटी और बबली फिल्म की कहानी दुहरा दी और उनका बनाया इंटर कॉलेज वहां के ग्रामीण किसानों ने अपनी जमा-पूंजी से संचालित करना शुरू कर दिया है। ऐश्वर्या रॉय के नाम का इंटर कॉलेज अपना ?श्वर्य खो चुका है, ऐश्वर्या अपनी बेटी को इंटरनैशनल स्कूल में पढ़ा रही हैं और उनके नाम पर खुले बालिका कॉलेज की लड़कियां उनकी फोटो को निहार कर गेंहू की कटाई में व्यस्त हैं'।

मैंने प्रतिवाद किया 'नहीं-नहीं अमिताभ बहुत प्रतिभाशाली हैं'।

डॉक्टर फिर हंसते हुए बोला- 'हां आजकल वो अपनी प्रतिभा का सदुपयोग कर रहे हैं। सभी किसानों को बता रहे हैं कि लोन कहां से लें और सोना कहां गिरवी रखें। वैसे भी घर, प्रॉपर्टी के अलावा संबंधों को भी गिरवी रखने में अमिताभ को महारत हासिल है, प्रकाश मेहरा से लेकर अमर सिंह तक'।

मैंने चिढ़ते हुए कहा- 'तो आप भी अपना सफेद कोट उतारकर किसान क्यों नहीं बन जाते'।

डॉक्टर ने ठंडी सांस लेते हुए कहा- 'सिर्फ किसान होना काफी नहीं, किसी रसूखदार का रिश्तेदार होकर किसानी में लुत्फ आ जाता है। मेरी समझ में नहीं आता कि ये किसान सुसाइड क्यों करते हैं।अब देखो ना एक बड़े दामाद जी हैं, बर्तनों का व्यापार करते थे तब सिर्फ लखपति थे, अचानक उनको खेती-किसानी में रुचि हो गई तो वो अरबपति हो गए। उन्हें किसानी से इतनी दौलत मिल गई कि देश की सरकारी मशीनरी उनके पीछे पड़ गयी, अब वो आर्तनाद कर रहे हैं कि एक किसान को सताया जा रहा है। जैसे एक अति धनवान नेता जी खुद को दूधवाला बता रहे हैं, वो भी लंदन से सपरिवार छुट्टी मनाकर लौटने के बाद खुद को किसानों का नेता बता रहा है। अब तुमने कहा कि मैं सफेद कोट उतारकर खेती क्यों नहीं करता तो मूर्ख आदमी मेरा वो वाला नर्सिंग होम बहुत फर्टाइल है, जिस तरह धरती से अन्न निकलता है उसी तरह मेरा नर्सिंग होम चौबीसों घंटे पैसे ही देता है। मैं रहूं या ना रहूं, मेरी फसल पकती और बढ़ती रहती है'।

'वो कैसे' मैंने हैरानी से पूछा?

डॉक्टर ने मुस्कराते हुए कहा- 'देखो जो मरीज भर्ती होते हैं उनसे हम बिजली बिल, चादर का बिल, टीवी के रिचार्ज का पैसा उसी तरह वसूलते हैं, जैसे पत्थर प्रेमी नेत्री अपने हर कार्यकर्ता से पाई-पाई वसूलती हैं और टिकट प्रेमियों से एकमुश्त'।

मैंने अफसोस जताते हुए कहा- 'पहले मुझे किसान और गरीब होने की कल्पना करते ही शर्म आती थी और ईश्वर का शुक्र मनाता था कि मैं ना तो लिस्टेड गरीब हूं या सर्टिफाइड किसान, अब अगर मेरा भी गरीब+किसान का गठबंधन बन जाता तो मेरी भी चांदी हो जाती'।

डॉक्टर ने कहा- 'जो हुआ सो हुआ, ये तुमसे किसने कहा कि किसानों का अगुवा होने के लिए किसान होना जरूरी है, चौधरी बाप-बेटे को देखो, विदेश में पढ़े हैं लेकिन अभी भी खुद को किसान नेता ही बताते हैं, अगर वो तीसरी पीढ़ी पर किसान होने की राजनीति कर सकते हैं तो फिर तुम तो डायरेक्ट किसान पुत्र हो, तुम्हारा तो ज्यादा हक बनता है। चाहो तो किसान नेता बन सकते हो, भले ही तुम्हें गन्ने और सरकंडे के बीच का फर्क मालूम ना हो, लेकिन किसान हितैषी बनने के लिये हरगिज किसान होना जरुरी नहीं है'।

मैंने सोचा कि मैं चुनाव बाद अगर परमानेंट नहीं हुआ तो इस संविदा की नौकरी को छोड़कर किसान नेता बन जाऊंगा, क्योंकि किसान नेता बनने के लिए जुमलों की ही सिर्फ जरूरत पड़ती है। नेपथ्य में कहीं कोई एक गीत बज रहा था 'हम होंगे कामयाब एक दिन...'।

उसी की तर्ज पर मैंने भी गुनगुना शुरू कर दिया ,

'हम बनेंगें किसान एक दिन...'

डॉक्टर ने खंखारते हुए कहा- 'कहीं तुम सचमुच सीरियसली तो नहीं सोच रहे हो'।

मैंने सहमति में सिर हिलाया। डॉक्टर ने चौंकते हुए कहा- और तुम आलू उगाने के बारे में तो नहीं सोच रहे हो?

मैंने उनकी तरफ देखा और हैरत से पूछा- क्यों।

डॉक्टर कुटिलता से हंसा और धीरे से बोला- 'वही आलू से सोना' ये कहकर वो बड़ी जोर से हो-हो करके हंसने लगा।डॉक्टर इतना क्यों हंस रहा है आपको मालूम है क्या?

एक मां ऐसी भी : गोद में बच्चा लेकर मरीजों की सेवा में समर्पित जिंदगी

VIVEK SHARMA, RANCHI : मां के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मां के बिना जीवन अधूरा है। मां है तो सब कुछ संभव है। लेकिन, हमारे आसपास भी कुछ ऐसी मांएं हैं, जो न केवल अपने बच्चों की देखभाल कर रही हैं,बल्कि उसे गोद में लेकर मरीजों की भी सेवा एक मां की तरह कर रही है। जी हां, हम बात कर रहे हैं सदर हॉस्पिटल में काम करने वाली जीएनएम नर्सों- आभा टोप्पो और एलिजाबेथ कुजूर की, जो एक साथ दो-दो मांओं का किरदार निभा रही हैं। हालांकि इसमें उन्हें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसके बावजूद वे अपनी ड्यूटी पर मुस्तैदी से डटी हुई हैं।

मदर्स डे विशेष

सदर हॉस्पिटल में जीएनएम के पद पर कार्यरत हैं आभा टोप्पो और एलिजाबेथ कुजूर

कर्तव्य पालन में कई चुनौतियों का करना पड़ता है सामना, फिर भी मुस्तैदी की कमी नहीं

केस-1 नाइट शिफ्ट में ही मिल गई ड्यूटी

आभा टोप्पो सदर हॉस्पिटल में जीएनएम के पद पर है। हॉस्पिटल में उनकी ड्यूटी तीनों शिफ्टों में होती है। वह बताती है कि बेटी के जन्म के बाद छह महीने की मैटरनिटी लीव मिली थी। तब तो परेशानी नहीं हुई। लेकिन, उसके बाद बेटी को घर पर छोड़कर आना सबसे बड़ी चुनौती थी। घर में उसे देखने वाला कोई नहीं था। हसबेंड अपनी ड्यूटी करते हैं। ऐसे में जब ड्यूटी शुरू हुई तो पहले परेशानी हुई। बेटी को साथ में लेकर मरीजों को देखना और उन्हें दवा-इंजेक्शन देना बड़ी चुनौती बन गई। वहीं हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से भी दबाव बनाया गया कि बच्चे के साथ मरीज की ठीक से देखभाल नहीं हो पाती। जेनरल शिफ्ट में काम करने के बाद नाइट शिफ्ट में ही ड्यूटी मिल गई। इस चक्कर में कुछ दिनों के लिए घर में केयर टेकर भी रखा। इसके बावजूद बच्चे की ठीक से देखभाल नहीं हो पा रही थी। फिर पड़ोसी के पास भी कुछ दिन छोड़कर आई। लेकिन हमेशा मन में बेचैनी रहती थी कि बेटी कैसी होगी। वहीं पैसे खर्च हो रहे थे सो अलग। लेकिन धीरे-धीरे उसे साथ लेकर काम करना ही आदत बन गई। आज बेटी को साथ में लेकर ड्यूटी आती हूं। सहयोगी नर्स उसे देखती है और मैं अपनी ड्यूटी बेहतर ढंग से करती हूं।

केस-2 काम के साथ बच्चे की देखभाल भी जरूरी

एलिजाबेथ कुजूर भी सदर में जीएनएम हैं। उनकी भी ड्यूटी सुबह, दोपहर, रात की शिफ्ट में होती है। ऐसे में 11 महीने की बेटी को घर में छोड़कर आना दिल पर पत्थर रखने जैसा होता है। इसके बाद भी उन्होंने न तो ममता को खुद से अलग किया और न ही ड्यूटी में बाधा बनने दिया। दोनों के बीच तालमेल बिठाकर वह मरीजों की सेवा भी कर रही है और अपने बच्चे की परवरिश भी। 2022 से सदर में काम करने वाली एलिजाबेथ बताती है कि बच्ची 11 महीने की है। शुरूआत में परेशानी हुई। उसे लेकर ड्यूटी में चली आई। रेस्ट रूम में उसे छोड़कर मरीजों की सेवा का काम जारी रहा। इस बीच नाइट ड्यूटी वाले स्टाफ का सपोर्ट मिला। वे बच्चों को देखते तो मैं मरीजों की सेवा में लग जाती। इससे काम और बच्चे की देखभाल के लिए ज्यादा परेशानी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि कैसे सहयोगी उसके बच्चे की दिन के समय भी देखभाल करते हैं। खाना खिलाते हैं। इतना ही बच्चे की प्रापर मॉनिटरिंग भी करते हैं, जिससे कि बच्चा भी सभी के साथ रह जाता है। उन्होंने कहा कि काम भी करना जरूरी है और बच्चे की देखभाल भी।

निजी स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने की बैठक, बोले-

15 दिनों में स्कूल प्रबंधन तैयार करें फीस एडजस्टमेंट का पूरा प्लान

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिला प्रशासन ने निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि और नियमों के अनुपालन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में शनिवार को निजी स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिलास्तरीय शुल्क निर्धारण समिति के पूर्व निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई। बैठक में खुलासा हुआ कि जिले के 129 निजी स्कूलों में से 92 स्कूलों ने पिछले तीन वर्षों में फीस वृद्धि के दौरान नियमों का उल्लंघन किया है। डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने ऐसे सभी स्कूलों को इसी शैक्षणिक सत्र में फीस एडजस्टमेंट करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित स्कूलों को 15 दिनों के भीतर फी-एडजस्टमेंट प्लान तैयार कर जिला प्रशासन को सौंपने को कहा।

डीसी ने पैरेंट्स टीचर एसोसिएशन (पीटीए) के गठन की भी समीक्षा की। जिले के सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संचालित 149 स्कूलों में से 129 स्कूलों ने पीटीए का गठन कर लिया है, जबकि 20 स्कूलों ने अब तक इसकी जानकारी नहीं दी है। डीसी ने स्पष्ट कहा कि अधिनियम का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं बैठक में अनुपस्थित रहने वाले स्कूलों को लेकर भी डीसी ने नाराजगी जताई। उन्होंने ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी करने और उनका फिजिकल वेरिफिकेशन कराने का निर्देश दिया। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि संबंधित स्कूलों का संचालन सही तरीके से हो रहा है या नहीं।

- जिलास्तरीय शुल्क निर्धारण समिति की पूर्व की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की हुई समीक्षा
- पैरेंट्स टीचर एसोसिएशन का गठन नहीं करनेवाले स्कूलों पर होगी कार्रवाई
- अनुपस्थित रहने वाले स्कूलों को भेजा जाएगा नोटिस

बैठक में भाग लेते डीसी मंजूनाथ भजंत्री व अन्य ● फोटोन न्यूज

आरटीई पर भी हुई चर्चा

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के तहत कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों के नामांकन पर भी विशेष चर्चा हुई। डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने पिछले सत्र में निजी स्कूलों के सहयोग की सराहना करते हुए इस वर्ष भी 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नामांकन प्रक्रिया के लिए जल्द ही ऑनलाइन लॉटरी आयोजित की जाएगी। बैठक में सेंसस 2027 के तहत स्व-गणना अभियान को लेकर भी जानकारी दी गई। डीसी ने सभी स्कूलों के प्रिंसिपल से कहा कि वे बच्चों और अभिभावकों को डिजिटल माध्यम से स्वगणना के प्रति जागरूक करें। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने बताया कि सेल्फ इन्यूमरेशन पोर्टल के माध्यम से नागरिक स्वयं अपने परिवार और आवास से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं।

दुरुस्त किया जाएगा पुराने पेंशनरों का रिकॉर्ड, वित्त विभाग ने शुरू कर दी कवायद

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के वित्त विभाग ने वर्ष 2016 से पूर्व के पेंशनरों के अधूरे एवं त्रुटिपूर्ण डेटा को अपडेट करने की कवायद शुरू कर दी है। इस संबंध में सरकार की उप-सचिव ज्योति कुमारी झा ने प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), झारखंड कार्यालय को पत्र लिखा है। पत्र में बताया गया है कि वर्ष 2016 से पहले के पेंशनरों का जो डेटा आईएफएमएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम) यानी एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली में उपलब्ध है, उसमें कई आवश्यक जानकारियां अधूरी हैं। इनमें जन्म तिथि, नियुक्ति तिथि, सेवानिवृत्ति तिथि, पेंशनर का नाम, पदनाम और ट्रेजरी कोड जैसी सूचनाएं शामिल हैं।

इन त्रुटियों को दूर करने के लिए ई-पेंशन पोर्टल पर प्रधान महालेखाकार कार्यालय के लिए विशेष इंटरफेस तैयार किया गया है। इसके माध्यम से अब 2016 से पहले के पेंशनरों के रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन किए जा सकेंगे। वित्त विभाग ने यह भी बताया कि प्रधान महालेखाकार कार्यालय से प्राप्त अनुरोध के आधार पर सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। सॉफ्टवेयर में बदलाव की प्रक्रिया पूरी करने के बाद इंटरफेस के संचालन के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) और यूजर मैनुअल भी उपलब्ध कराया गया है। इसकी जानकारी पेंशन एवं लेखा निदेशालय, कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय तथा राज्य के सभी कोषागार एवं उप कोषागार पदाधिकारियों को भेजी गई है।

फायदेमंद होगा नया सिस्टम

- पेंशनरों की अधूरी और गलत जानकारियां सुधारी जा सकेंगी।
- पेंशन भुगतान में तकनीकी दिक्कतें कम होंगी।
- सत्यापन और रिकॉर्ड मिलान की प्रक्रिया आसान होगी।
- एरियर और पेंशन संशोधन में सुविधा मिलेगी।
- सभी पुराने पेंशनरों का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध होगा।

BRIEF NEWS

सीएम ग्राम गाड़ी योजना में यात्रियों को बेहतर सुविधा देने का निर्देश

RANCHI : मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत अब यात्रियों को बेहतर और भरोसेमंद सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। परिवहन विभाग ने सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि योजना के संचालन में गुणवत्ता (क्वालिटी सर्विस) को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक परिवहन सेवा मिल सके। विभाग की ओर से कहा गया है कि कई क्षेत्रों से यह शिकायत मिल रही थी कि वाहनों का संचालन नियमित नहीं है और यात्रियों को अपेक्षित सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसे देखते हुए जिला परिवहन पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में योजना के तहत चलने वाले वाहनों की निगरानी बढ़ाएं और यह सुनिश्चित करें कि सेवा निर्धारित मानकों के अनुरूप हो।

3 जून को दिल्ली में सम्मानित होगी झारखंड की पंचायत

RANCHI : पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 3 जून को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय समारोह में देश की उत्कृष्ट पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में झारखंड के पाकुड़ जिले की झीकरहटी पूर्वी पंचायत को भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। पंचायत का चयन महिला हितैषी पंचायत श्रेणी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के तहत केंद्र सरकार ने देशभर की 42 पंचायतों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित करने की घोषणा की है। दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार के अंतर्गत पंचायतों को महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन, सामाजिक सुरक्षा और सुशासन जैसे क्षेत्रों में बेहतर कार्यों के लिए सम्मान दिया जाता है। पंचायत को 50 लाख से 5 करोड रुपए तक उसका दिया जाएगा।

बंगाल में सरकार गठन पर झारखंड भाजपा में उत्साह

RANCHI : पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद झारखंड भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल देखने को मिला। झारखंड के कई वरिष्ठ नेताओं ने शुभेंदु अधिकारी को बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पश्चिम बंगाल की पावन धरती, जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि है, वहां भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय और शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में सरकार गठन कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने समस्त कार्यकताओं और बंगाल की जागरूक जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

गैंगस्टर प्रिंस खान के वायरल वीडियो पर बाबूलाल ने सरकार पर उठाए सवाल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गैंगस्टर प्रिंस खान के वायरल वीडियो को लेकर राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कानून-व्यवस्था सवाल उठाते हुए पुलिस और अपराधियों की कार्यशैली पर निशाना साधा। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बाबूलाल ने कहा कि सामान्यतः पुलिस अपराधियों का पदार्फाश करती है, लेकिन झारखंड में स्थिति उलट दिखाई दे रही है। गैंगस्टर प्रिंस खान का वायरल वीडियो न केवल पुलिस को खुली चुनौती दे रहा है, बल्कि धनबाद के एसएसपी के कार्यकाल का भी मूल्यांकन कर रहा है। बाबूलाल ने

आरोप लगाया कि धनबाद में पुलिस और अपराधियों के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि दो समानांतर गिरोहों के बीच गैंगवार जैसी स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों में यह प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है कि व्यापारियों और आम लोगों के बीच कौन अधिक दहशत फैला सकता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि फर्क सिर्फ इतना है कि एक वर्दी पहनकर कथित वसूली कर रहा है, जबकि दूसरा बिना वर्दी के। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में सत्ता संरक्षण की आशंका और भी गंभीर चिंता का विषय है।

बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि जब यह चर्चा आम हो जाए कि संवेदनशील जिलों में करोड़ों रुपये की बोली लगाकर पोस्टिंग ली जाती है तो जनता का प्रशासन और कानून व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि क्या ऐसी पोस्टिंग कानून व्यवस्था सुधारने के लिए की जा रही है या फिर यह किसी एक्सटॉर्शन लाइसेंस की तरह काम कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की।

कई जिलों में झमाझम बारिश, कोडरमा में बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

- लातेहार में वज्रपात की चपेट में आकर चार युवक झुलसे, एक की गई जान
- मौसम का मिजाज बदलने के कारण लोगों को भीषण गर्मी से मिली राहत
- बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और पश्चिमी विक्षोभ का दिख रहा संयुक्त प्रभाव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में इन दिनों मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में रुक-रुक कर हो रही बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। शनिवार को भी रांची सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। सुबह से मौसम साफ रहा और

तेज धूप निकलने के कारण लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। शाम में मौसम का रुख बदला और काले बादल छाने लगे। ठंडी-ठंडी हवाओं के साथ कई जिलों में हल्की बूंदा-बांदी, तो कई जिलों में सुबह से ही रुक-रुककर झमाझम बारिश होती रही। इस दरम्यान कोडरमा जिले के सतगावां प्रखंड के टेहरो पंचायत अंतर्गत नंदूडीह गांव में शुक्रवार की देर रात वज्रपात (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य अपने घर में थे, तभी अचानक गरज के साथ तेज बारिश शुरू हुई। इसी दौरान जोरदार आवाज के साथ घर पर आकाशीय बिजली गिरा। इसकी चपेट में आकर प्रदीप यादव की पत्नी सरस्वती देवी (42), उनके पुत्र अंकित कुमार (12) और फुआ मुंद्रिका देवी (60) गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि घटना अचानक हुई और किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुलिस ने शनिवार युबह सभी मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

दूसरी ओर लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र स्थित घूरे गांव में शनिवार को हल्की वर्षा के बीच वज्रपात की चपेट में आकर चार युवक गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही हेरहंज थाना की पुलिस पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से तत्काल बालूमाथ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान दयानंद साहू (25) की मौत हो गई। घायलों में घूरे गांव के ही संदीप साहू (35), संदीप साहू (20) और बबलू यादव (35) शामिल हैं। घायलों का इलाज चल रहा है।

एक्शन नगर आयुक्त ने महत्वपूर्ण तालाबों और बड़े नाला निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

जल संरक्षण व जलनिकासी व्यवस्था सुधारने को नगर निगम एक्टिव

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम शहर में जल संरक्षण, सौंदर्यीकरण और जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर एक्टिव हो गया है। शनिवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने शहर के महत्वपूर्ण तालाबों और बड़े नाला निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों व संवेदकों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और समय सीमा की समीक्षा करते हुए मानसून से पहले सभी कार्य पूरा करने पर जोर दिया। नगर आयुक्त ने सबसे पहले वार्ड 37 स्थित जगन्नाथपुर बस्ती तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 1.21 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और 25 मई तक सभी सिविल कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। नगर आयुक्त ने तालाब परिसर में हाई मास्ट लाइट लगाने, आकर्षक लैंडस्केपिंग, पाथवे निर्माण, पौधारोपण और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने तालाब क्षेत्र को सुरक्षित और व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने पर भी बल दिया।

नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या-38 स्थित नर्सरी तालाब के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। करीब 2.07 करोड़ रुपये की इस परियोजना का लगभग 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, पूरी परियोजना 20 जुलाई 2026 तक पूर्ण कर ली जाएगी। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि इस माह के अंत तक सभी सिविल कार्य हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। साथ ही तालाब परिसर में बड़े स्तर पर पौधारोपण और बेहतर लाइट व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हाई मास्ट लाइट लगाने का निर्देश भी दिया गया। उन्होंने कहा कि तालाबों का पुनर्जीवन जल संरक्षण और भू-जल स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय लोगों को बेहतर जलापूर्ति, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य का लाभ मिलेगा।

संबंधित अधिकारियों और संवेदकों को बरसात से पहले काम पूरा करने का निर्देश

वार्ड 23 में नाले का निर्माण कार्य

नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 23 अंतर्गत हिंदपीढ़ी, मौलाना आजाद कॉलोनी और नाला रोड क्षेत्र में चल रहे बड़े नाला निर्माण कार्य का भी औचक निरीक्षण किया। लगभग 5.52 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत हिंदपीढ़ी मार्ग से लोअर पीपी कंपाउंड तक 2850 फीट बड़े नाले का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा जलजमाव प्रभावित क्षेत्रों में 600 फीट नाली निर्माण भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। नगर आयुक्त ने संवेदक को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले परियोजना हर हाल में पूरी की जाए।

छात्राओं को श्लोकों व मंत्रों का मिला प्रशिक्षण किया गया सम्मानित

RANCHI : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा की ओर से शनिवार को शिव नारायण कन्या पाठशाला में कक्षा प्रथम से अष्टम तक की 322 छात्राओं को श्लोकों और मंत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान शुद्ध एवं सही उच्चारण करने वाली 38 छात्राओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य छात्राओं को भी प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार दिए गए। सभी प्रतिभागी छात्राओं को सचित्र कहानी की पुस्तकें उपहार में दी गईं। सम्मेलन की मीडिया प्रभारी रीना सुरेका ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य छात्राओं को प्रोत्साहित कर उनका मनोबल बढ़ाना और उनमें सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों का विकास करना है।

राज्य सेवा के अधिकारियों को आईएएस में प्रमोशन के लिए मांगी गई अनुशंसा

PHOTON NEWS RANCHI : गैर-राज्य असैनिक सेवा (नॉन-एससीएस) के अधिकारियों के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में प्रमोशन मिलेगा। कार्मिक विभाग ने वर्ष 2025 के लिए निर्धारित रिक्ति के विरुद्ध योग्य अधिकारियों के नामांकन और अनुशंसा भेजने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। गैर- असैनिक सेवा से वर्ष 2025 में सिर्फ एक पद रिक्त है। पहले विभिन्न विभागों से योग्य अधिकारियों के नामांकन भेजने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 तय की थी। अब यह अवधि बढ़ाकर 30 जून 2026 कर दी गई है। विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुभवी अधिकारियों को आईएएस में शामिल होने का अवसर मिलेगा। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को छोड़कर इनमें इंजीनियर, डॉक्टर, सूचना सेवा, योजना विकास सेवा, इत्यादि से अधिकारी होंगे। कार्मिक विभाग ने विभागों से पात्र अधिकारियों के सेवा अभिलेख, अनुभव और योग्यता के आधार पर अनुशंसा तैयार कर मांगा है। और रिक्तियां मिलने के बाद कार्मिक विभाग स्कूटनी कमेटी के साथ बैठक कर नाम पर विचार करेगी। राज्य सरकार की सहमति के बाद केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय सरकार को अनुशंसा भेजी जाएगी। हालांकि यह प्रक्रिया राज्य के सभी विभागों पर लागू नहीं होगी। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कुछ प्रभागों को इससे बाहर रखा गया है।

देसी कट्टा, तीन पिस्टल व 15 कारतूस के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

पुलिस ने किया खुलासा, दहशत फैलाने के लिए कोयलांचल में बनाया जा रहा था नया गैंग

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद जिले में झरिया थाना की पुलिस ने कोयलांचल में रंगदारी और दहशत का साम्राज्य खड़ा करने की एक बड़ी योजना को विफल कर दिया है। पुलिस ने एक नए पनप रहे आपराधिक गुट के चार सदस्यों को अवैध हथियारों के साथ दबोच लिया। झरिया थाना में शनिवार को प्रेसवार्ता के दौरान सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने इस मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।

घटना की जानकारी देते सिटी एसपी सहित अन्य वरीय अधिकारी • फोटोन न्यूज

प्रिंस खान के गिरोह से लेना-देना नहीं

पत्रकारों के एक सवाल पर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों का प्रिंस गुट से कोई लेना-देना नही है। इस मामले के कई आरोपी रांची सहित दूसरे जिले के भी हैं। सभी की तलाश की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी झरिया थाना क्षेत्र में फायरिंग कर दहशत फैलाने और रंगदारी वसूलने के उद्देश्य से नया गैंग बनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। सूचना के सत्यापन और अपराधियों की धरपकड़ के लिए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने राज प्लस-2 स्कूल के पास घेराबंदी कर अपराधियों को रंगेहाथ दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में गोविंदपुर थाना के तियाडाहा निवासी राजेश शर्मा (35), अलकडीहा थाना क्षेत्र के सुरुंगा निवासी विकास सिंह (30), धनसार गांधी रोड व वर्तमान में गोधर निवासी विनोद रवानी (46) व बस्ताकोला निवासी सह समस्तीपुर बिहार के स्थायी निवासी चंद्रदेव राय को गिरफ्तार किया गया है। इनकी निशानदेही पर ऐना बस्ताकोला मुख्तार अंसारी के आवास से तीन अवैध पिस्टल, एक देसी कट्टा, 15 कारतूस, चोरी की दो बाइक, चार मोबाइल फोन बरामद किया गया है। वही पुलिस की दबिश की सूचना मिलते ही मुख्तार फरार हो गया था। मुख्तार अंसारी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और उसे पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कहा गया कि धनबाद पुलिस जिले में किसी भी नए अपराधी गुट को पनपने नहीं देगी। छापेमारी दल में डीएसपी ला एंड आर्डर नौशाद आलम, सिंदरी के डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम, झरिया के थानेदार शशि रंजन कुमार, एसआई भीमलाल पासवान, बिट्टू कुमार, सूरज यादव, निरंजन कुमार, पंकज कुमार, पिकू प्रसाद, साधन कुमार व पवन कुमार शामिल थे।

BRIEF NEWS

टाटा मोटर्स कर्मी की फंदे पर मिली लाश

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना क्षेत्र में जोन नंबर-4 निवासी टाटा मोटर्स कर्मी सुनील कुमार (35) की लाश शनिवार को घर में फंदे से लटकी मिली। बताते हैं कि सुनील कुमार शुक्रवार की रात नशे की हालत में ड्यूटी से घर पहुंचा था। इसके बाद उसने किसी से बात नहीं की। वह सीधे अपने कमरे में चला गया और कमरा बंद कर लिया। बाद में उसकी पत्नी खाना खाने के लिए उसे बुलाने पहुंची। उसने काफी आवाज दी। लेकिन कमरा नहीं खुला। इस पर पत्नी ने सोचा कि वह सो गया होगा। शनिवार की सुबह जब पत्नी सुनील कुमार को उठाने के लिए कमरे के बाहर पहुंची। तो काफी आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। तब उसने पड़ोसियों को बुलाया। पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर का मंजर देखकर होश उड़ गए। सुनील कुमार पहले टाटा मोटर्स का अस्थायी कर्मचारी था।

सतगावां में हाथियों ने व्यक्ति को कुचला, खा गए एमडीएम का राशन

KODERMA : कोडरमा जिले के सतगावां प्रखंड अंतर्गत भखरा गांव में शुक्रवार की रात हाथियों के एक झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, बल्कि एक ग्रामीण को बुरी तरह कुचलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, हाथियों ने यूपीएस स्कूल, भखरा को निशाना बनाया। गजराज ने स्कूल के दरवाजों और खिड़कियों को मलबे में तब्दील कर दिया और वहां मध्याह्न भोजन के लिए रखी चार बोरी चावल चट कर गए। इसी दौरान गांव के पृथ्वी राम (35) हाथियों की चपेट में आ गए। हाथी ने उन्हें पटक कर कुचल दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों और ग्रामीणों के सहयोग से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पहले कोडरमा के सदर अस्पताल, फिर रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया है।

लोहरदगा में तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार, एक की मौत

LOHARDAGA : लोहरदगा शहर में शनिवार को एक तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा लोहरदगा में एसपी कोठी के समीप उस समय हुआ, जब रघुटोली की ओर से शहर की तरफ आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी बैरिकेडिंग से टकरा गई और डिवाइडर पर चढ़ गई।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन काफी तेज गति में था। अचानक चालक का नियंत्रण कार से हट गया, जिससे जोरदार टक्कर हुई और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर बिहार के मुजफ्फरपुर का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

शिकायत के बाद भी जारी था मौत का खेल, फल-फूल रहा शेखर माहथा का अवैध कारोबार

युवक को कुचलने के बाद लाश पर डाल दिया था कोल डस्ट

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद जिले के राजगंज थाना क्षेत्र में डोमनपुर स्थित गोल्डन पंप के पास संचालित अवैध कोयला डिपो के गेट के सामने शुक्रवार की रात हुई भीषण दुर्घटना ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि क्षेत्र में चल रहे अवैध कोयला कारोबार के खौफनाक चेहरे को भी बेनकाब कर दिया है। हादसे में दयाबांस पहाड़ निवासी दुलाल कुम्हार (28) की मौत के बाद सबूत मिटाने की जो कोशिश की गई, उसने कानून और मानवता दोनों को चुनौती दी है। इसके विरोध में शनिवार को घटनास्थल पर करीब पांच घंटों तक जोरदार धरना-प्रदर्शन चला, जिसके बाद मुआवजे पर सहमति बनी।
बताया जाता है कि दयाबांस पहाड़ निवासी रामचंद्र कुम्हार का पुत्र दुलाल कुम्हार अपनी बाइक से शहरपुरा में एक पार्टी से रात करीब 11 बजे घर लौट रहा था। वह प्रतिदिन की तरह काम पर गया था और वहीं से सीधे पार्टी में चला गया था। महेशपुर स्थित एक पाइप फैक्ट्री में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत दुलाल के लिए गोल्डन पंप स्थित अवैध कोयला डिपो का गेट काल बन गया। यहां कोयला लदे एक नए मिनी डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुलाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अवैध कोयला कारोबारियों के लोगों ने एनएचएआई कर्मियों को बुलाकर लाश को वहां से हटाकर दूर फेंकने का दबाव बनाया। उनकी मंशा थी कि घटनास्थल कहीं और दिखाया जाए। जब कर्मियों ने इस कार्य से इनकार कर दिया, तो आरोपियों ने आनन-फानन में दुलाल के क्षत-विक्षत शरीर के हिस्सों पर कोयला डस्ट (पाउडर) डाल दिया, ताकि खून के निशान और कटे-फटे अंग छिप जाएं। हादसा शुक्रवार को रात 11 बजे हुई, जबकि घटना की जानकारी रात 1 बजे मिली। इस बीच नेशनल हाईवे जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर अपराधी साक्ष्य मिटाने का खेल खेलते रहे और दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन को बगल में ही संचालित एक दूसरे अवैध कोयला डिपो में छिपा दिया। इस पर लोगों ने यह सवाल उठाया कि उन दो घंटों के दौरान राजगंज थाना की पुलिस रात्रि गश्त में कहां थी।
क्या सड़क पर मची इतनी बड़ी अफरा-तफरी की भनक प्रशासन को बिल्कुल नहीं लगी। इस मामले में सबसे गंभीर पहलू यह है कि 28 जनवरी को ही समाजसेवी- सह- पंचायत समिति सदस्य उमेश चौधरी ने उपायुक्त और जिला खनन पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर शेखर महथा नामक कोयला चोर द्वारा संचालित इस डिपो का खुलासा किया था। शिकायत में अवैध तस्करी और सुरक्षा से जुडे खतरों का जिक्र था, लेकिन प्रशासन ने इस पर शायद ध्यान ही नहीं दिया। अब लोग पूछ रहे हैं कि अवैध डिपो बनाकर चल रहे इस सिंडिकेट को आखिर किसका संरक्षण प्राप्त है।

पांच घंटे चला धरना, 9 लाख मुआवजे पर बनी सहमति

शनिवार को सुबह घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा के जिला ग्रामीण अध्यक्ष मोहन कुम्हार, सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी और नेरों पंचायत के मुखिया उमेश महतो सहित सैकडो की संख्या में ग्रामीण और मृतक के स्वजन घटनास्थल पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने करीब पांच घंटों तक धरना दिया। काफी जद्दोजहद के बाद वाहन मालिक और डिपो संचालक की ओर से समझौता हुआ, जिसमें मृतक की पत्नी फूलकुमारी देवी को 5 लाख रुपये नकद और 4 लाख रुपये चेक के रूप में (9 लाख रुपये) मुआवजा दिया गया।

मामले को दबाने में जुटे रसूखदार जनता ने दी आंदोलन की चेतावनी

एक ओर परिजन न्याय के लिए गुहार लगा रहे थे, तो दूसरी ओर राजगंज क्षेत्र के कुछ रसूखदार जनप्रतिनिधि मामले को दबाने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा रहे थे। चर्चा है कि रसूखदारों ने सिंडिकेट और डिपो संचालक को बचाने के लिए पर्दे के पीछे से समझौते का दबाव बनाने की कोशिश की। दुलाल की मौत से उसकी पत्नी और 9 वर्षीय पुत्र विष्णु कुमार व 5 वर्षीय पुत्री मोहिनी कुमारी के सिर से सहारा छिन गया। रात 1 बजे जब पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, तब तक घर का चिराग बुझ चुका था। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि दुर्घटना के बाद मदद करने के बजाय अपराधी प्रवृत्ति का परिचय देते हुए शव के साथ अमानवीयता की गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध डिपो संचालकों, संरक्षकों और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

झींकपानी में युवती से सामूहिक दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : 6 मई 2026 को पीड़िता ने झींकपानी थाना में लिखित शिकायत दी। शिकायत के मुताबिक अप्रैल में कुवापी गांव के मटकमहातू टोला में गांव के ही तीन युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने बताया कि 6 मई को जब घर में अकेली झाड़ू लगा रही थी, तभी आरोपी घर में घुस गए और अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया।
आवेदन मिलते ही झींकपानी थाना में मामला दर्ज किया गया। एसपी अमित रेनू के निर्देश पर परीक्ष्यमान आईपीएस -सह-थाना प्रभारी झींकपानी राजकुमार जयराजू और चाईबासा सदर के एसडीपीओ बहामन टुटी के संयुक्त नेतृत्व में पुलिस अवर निरीक्षक राजीव रंजन मिश्रा व महबा मिंज के साथ कांड में संलिप्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में झींकपानी थाना क्षेत्र के कुदापी गांव के मटकमहातु टोला निवासी डूगुद बुड़ीजली उर्फ कोंदा (20), सिदिऊ मुंडरी उर्फ.कोंका (26) और मंडरू उर्फ जम्बीरा गोप (30) शामिल हैं। पुलिस ने पीड़िता की मेडिकल जांच भी कराई। इसके बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

6700 शराब की बोतलें जब्त, चालक गिरफ्तार

DUMKA : दुमका के काठीकुंड थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम पश्चिम बंगाल से तस्करी कर लाई जा रही अवैध विदेशी शराब की 6700 बोतलें जब्त की गईं। यह शराब एक पिकअप वैन में 141 पेटियों में बंद थे। थाना प्रभारी बलराम कुमार सिंह ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि पुलिस को शुक्रवार की शाम को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से एक सफेद और नीले रंग की महिंद्रा पिकअप वैन में अवैध शराब की खेप दुमका की ओर आ रही है। इसके बाद पुलिस अवर निरीक्षक मानकी हाईबुरु के नेतृत्व में श्रीदानीनाथ मंदिर के पास वाहन चेकिंग शुरू की गई। इसी बीच बताई गई वैन पहुंची, तो उसे रोक कर जब तलाशी ली गई तो वाहन में नीले रंग के तिरपाल से ढंके कार्टन मिले। ऊपर खाली कार्टन रखे गए थे। तिरपाल हटाने पर 141 पेटियों में विदेशी शराब की

स्कूल परिसर में मिली बिरसानगर की किशोरी की डेड बॉडी, दुष्कर्म व हत्या की आशंका

PHOTON NEWS JSR : परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित सोपोडेरा के राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में शनिवार सुबह एक नाबालिग किशोरी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव की पहचान कर ली है। किशोरी बिरसानगर की रहने वाली है। किशोरी के माता-पिता परसुडीह थाने पहुंचे और शव की पहचान की। पुलिस का कहना है कि किशोरी किसी के घर में काम करती थी। वह सोपोडेरा कैसे पहुंची। कौन उसे यहां लाया। इस घटना के पीछे कौन-कौन हैं। इसे लेकर जांच की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि किशोरी से कौन कौन फोन पर बात करता था।

इसके लिए किशोरी के माता-पिता के फोन को खंगाला जा रहा है। किशोरी की हालत देखकर स्थानीय लोगों ने दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताई। हालांकि पुलिस ने फिलहाल इस मामले में किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शनिवार सुबह स्कूल परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की संचालक सुलेखा सांडिल जब स्कूल पहुंचीं, तब उनकी नजर किशोरी के शव पर पड़ी। इसके बाद आसपास के लोगों को जानकारी दी गई और देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि किशोरी के मुंह से झाग निकल रहा था। ऐसे में जहरीला पदार्थ खाने या खिलाए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी एसपी ललित मीणा भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने डॉग स्क्वायड को भी बुलाया। फोरेंसिक साइंस लैब की टीम भी पहुंची और कई साक्ष्य जुटाए।

मिहिजाम में बंद घर से मिली सड़ी-गली लाश

JAMTARA : मिहिजाम थाना क्षेत्र के जेजेएस कॉलेज के पास एक बंद घर से शनिवार को सड़ी-गली लाश मिली। बदबू से परेशान पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस जब पहुंची, तो घर के बरामदे में लक्ष्मण राम (35) नामक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा था। शव की हालत भयावह हो गई थी। पुलिस के अनुसार शव करीब एक सप्ताह पुराना है और उसमें कीड़े लग चुके थे। बरामदे में गिरे खून सूख गए थे। मृतक के सिर पर चोट के गहरे निशान भी पाए गए। जानकारी के मुताबिक, लक्ष्मण राम एक वर्ष से घर में अकेला रह रहा था। अत्यधिक शराब पीने की लत के कारण उसकी पत्नी और बच्चे उसे छोड़कर धनबाद चले गए थे। पड़ोसियों ने बताया कि वह ज्यादातर नशे की हालत में रहता था। थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पलामू के करमा गांव में हुई हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया अरेस्ट

PHOAON NEWS PALAMU : पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के करमा गांव में 29 अप्रैल को राजमणि पाठक नामक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी कपिल चौधरी ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि 29 अप्रैल को सूचना मिली थी कि पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के करमा गांव निवासी 60 वर्षीय राजमणि पाठक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना के बाद मृतक की पत्नी पूनम देवी के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज किया गया, जिसमें संजय सिंह, गुड्डू सिंह, अरविंद सिंह, अंदुल सिंह समेत अन्य अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। एसपी ने बताया कि एसडीपीओ मनोज कुमार झा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल ने लुकुवा गांव निवासी बिरेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी का व्यवहार संदिग्ध पाए जाने पर उससे गहन पूछताछ की गई। इस दौरान उसने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि घटना के दिन राजमणि पाठक ने जमीन की मापी के लिए अमीन को बुलाया था।

महिला से हुई लूट के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, लूटे गए सामान बरामद

PALAMU : लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में महिला से हुई लूटपाट के मामले का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी निशानदेही पर लूटे गए सोने के मंगलसूत्र का लॉकेट, घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एसपी कपिल चौधरी ने शनिवार को बताया कि लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बोहिता गांव के हदहदवा टोला निवासी चंदन देवी ने थाना में आवेदन देकर बताया था कि 7 मई की रात करीब 10.30 बजे तीन अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उनके साथ मारपीट कर गले से सोने का मंगलसूत्र, कनबाली और 500 रुपये लूट लिए थे। एसपी ने बताया कि उनके निर्देश पर एसडीपीओ मनोज कुमार झा के नेतृत्व में गठित विशेष छापेमारी दल ने संदेह के आधार पर इटहे निवासी असतफाक आलम, गोपालगंज निवासी मो. इरफान उर्फ सोनू तथा इटहे निवासी नाजिल आलम को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

बड़ी पहल पूर्वी सिंहभूम के डीईओ ऑफिस ने 209 स्कूलों को इंटर में उत्क्रमित करने का भेजा प्रस्ताव

प्रदेश के हर प्रखंड में खुलेंगे प्लस-2 स्कूल, मांगा गया प्रपोजल

PHOTON NEWS JSR : कॉलेजों से इंटर की पढ़ाई बंद होने के बाद झारखंड सरकार ने प्लस-2 स्कूलों की संख्या बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में पूर्वी सिंहभूम जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिले के हर पंचायत में प्लस-2 स्कूल खोलने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय ने उत्क्रमण के लिए 209 स्कूलों की सूची भेजी है। इस सूची में उच्च विद्यालयों के साथ-साथ मध्य विद्यालयों को भी शामिल किया गया है। इससे पहले विभाग ने 42 स्कूलों को प्लस-2 स्तर में उत्क्रमित करने का प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन निदेशालय ने इसे संशोधित करते हुए पंचायतवार स्कूलों की नई सूची भेजने का निर्देश दिया। इसके बाद विभाग ने विस्तृत रूप से पंचायतवार स्कूलों की पहचान कर सूची तैयार कर भेजी है।
इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कक्षा छह से बारहवीं तक की पढ़ाई एक ही परिसर में उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अलग-अलग स्कूलों में जाने की आवश्यकता न पड़े। इससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि छात्रों की पढ़ाई में निरंतरता भी बनी रहेगी। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जहां उच्च माध्यमिक शिक्षा की सुविधाएं सीमित हैं। अपग्रेडेड स्कूलों में इंटर एडमिशन की प्रक्रिया अगले सत्र से शुरू होगी।
अगर जिले की बात करें तो अभी कुल 38 प्लस-2 स्कूल हैं। इसमें तीन स्कूल सीबीएसई स्कूल में बदल गए हैं, जबकि चार और सीबीएसई में बदलने हैं। ऐसे में वर्तमान में जो प्लस-2 स्कूल हैं उनकी संख्या और घटने वाली है। इसके साथ ही जमशेदपुर शहर में सिर्फ 3 सरकारी प्लस-2 स्कूल ही हैं। जबकि यहां करीब 8 हजार से अधिकत छात्र मैट्रिक परीक्षा पास करते हैं। लेकिन शहर में प्लस-2 स्कूल नहीं होने की वजह से पास होने वाले छात्रों का एडमिशन नहीं हो पा रहा है। इसी को देखते हुए विभाग ने मवि व उवि को उत्क्रमित कर प्लस स्कूल में बदलने का फैसला लिया है।

पहली बार मवि सीधे प्लस-2 में होंगे उत्क्रमित

यह पहली बार होने जा रहा है जब मध्य विद्यालयों को सीधे प्लस-2 में अपग्रेड किया जाएगा। ऐसे करीब 150 मवि की सूची को भेजा गया। अभी तक अपग्रेडशन की जो प्रक्रिया थी उसके तहत पहले मवि को उवि में उत्क्रमित किया जाता था और उसके कुछ साल बाद उसे प्लस-2 में अपग्रेड किया जाता था। लेकिन इस बार एक साथ मिवि को उवि व प्लस-2 में अपग्रेड कर दिया जाएगा।

> जिले के हर पंचायत में प्लस-2 स्कूल होंगे। इसके तहत 209 स्कूलों की सूची माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भेजी गयी है। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद प्लस-2 स्कूलों की जो कमी है वह दूर हो जाएगी।
>
> – मनोज कुमार, डीईओ पूर्वी सिंहभूम

वर्तमान स्थिति

पीपुल्स एकेडमी प्लस-2 उवि : 250, 400
टाटा वर्कर्स यूनियन प्लस-2 उवि कदमा : 300, 900
आदिवासी प्लस-2 उवि सीतारामडेरा : 250, 420

शहर के स्कूलों में क्षमता से तीन गुना अधिक एडमिशन

शहर के तीन प्लस-2 स्कूलों में इंटर नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है और इसके पहले सप्ताह में ही क्षमता से दो गुना आवेदन फॉर्म वितरित किया जा चुका है। यह स्थिति तब है जब जैक ने अभी अंक पत्र नहीं जारी किया। माना जा रहा है कि जैसे ही जैक अंक पत्र जारी करेगा एडमिशन लेने वाले छात्रों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी होगी।

हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गई बस, झुलस गए चार बाराती

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिला अंतर्गत पांकी थाना क्षेत्र के गढ़गांव पुलिया के पास शुक्रवार को देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। बारात लेकर जा रही बस की छत पर बैठे चार लोग हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, पाटन थाना क्षेत्र के मालगाड़ा गांव से एक बारात चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र अंतर्गत रिमी-रामपुर जा रही थी। इसी दौरान बस की छत पर बैठे बाराती ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली तार के संपर्क में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों की पहचान प्रमोद कुमार यादव, राजेश कुमार, रंजन कुमार यादव और बिनोद कुमार यादव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

3 दिनों में पुलों की सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट करें अपलोड

■ पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने राज्य के पुलों की स्थिति, सुरक्षा और सेफ्टी ऑडिट को लेकर की समीक्षा बैठक

AGENCY PATNA : बिहार सरकार ने राज्य में पुलों की सुरक्षा और गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में शनिवार को राज्य के पुलों की स्थिति, सुरक्षा और सेफ्टी ऑडिट को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि पुलों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सचिव पंकज कुमार पाल ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य के पुलों का सघन सेफ्टी ऑडिट कराया जाए और 72 घंटे के भीतर जांच रिपोर्ट पीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड की जाए। उन्होंने कहा कि 60 मीटर से 250 मीटर तक तथा 250 मीटर से अधिक लंबाई वाले सभी पुलों का विशेष रूप से सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा और इसकी निगरानी मुख्यालय स्तर से लगातार की जाएगी। बैठक में पुलों की तकनीकी स्थिति की बारीकी से जांच करने पर भी जोर दिया गया। सचिव ने कहा कि ऑडिट के दौरान पुलों के बेयरिंग, गडर, स्पैन स्लैब, पाइल, ज्वाइंट, अप्रोच रोड की स्थिति और ड्रेनेज सिस्टम की सफाई समेत सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की गंभीरता से जांच की जाए। आगामी मानसून को देखते हुए सभी कार्यपालक अभियंताओं को सतर्क रहने और पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित पुलों के सेफ्टी ऑडिट के लिए एनएच विंग को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। सचिव ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी पुल में लापरवाही के कारण कोई क्षति होती है, तो संबंधित क्षेत्र के कार्यपालक अभियंता के साथ-साथ मुख्यालय स्तर के अधिकारी भी समान रूप से जिम्मेदार माने जाएंगे। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य बिहार के सभी हिस्सों में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। विभाग पुलों की गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी और सुधारात्मक कदम उठा रहा है।

पश्चिमी हाइट गेज पोल पर कैमरा लगाकर फरार हुए दो अज्ञात

सराय के रेलवे फाटक पर अवैध सीसीटीवी कैमरा मिलने से हड़कंप

AGENCY PATNA : बिहार के समस्तीपुर रेल मंडल अंतर्गत वैशाली जिले के सराय रेलवे स्टेशन स्थित समपार फाटक संख्या-43 पर संदिग्ध परिस्थितियों में अवैध रूप से सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद रेलवे प्रशासन और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) में हड़कंप मच गया है। स्टेशन अधीक्षक द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार, सराय रेलवे स्टेशन पर तैनात स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 07 मई को दोपहर लगभग 2 बजे समपार फाटक संख्या-43 एसपीएल पर ड्यूटी कर रहे गेटमैन संतोष कुमार ने सूचना दी कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने पश्चिमी हाइट गेज पोल पर एक सीसीटीवी कैमरा लगा दिया और मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक ने इसकी जानकारी सराय कैंपिंग ड्यूटी में तैनात आरपीएफ प्रधान आरक्षी अवधेश राम को दी। इसके बाद दोनों मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि हाइट गेज के पश्चिमी पोल पर लगभग 10 फीट की ऊंचाई पर एक सोलर प्लेट और छोटा कैमरा लगाया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ ओपी भगवानपुर के उप निरीक्षक बिपिन कुमार द्वारा संबंधित विभागों से जांच कराई गई। जांच में पुष्टि हुई कि यह कैमरा रेलवे की अनुमति के बिना अवैध रूप से लगाया गया था। इसके बाद 08 मई की रात करीब 12:15 बजे गवाहों की मौजूदगी में उक्त उपकरण को जब्त कर लिया गया। जब्त सामग्री में एक सोलर स्टैंड कैमरा शामिल है, जिस पर एक्टिव पिक्सल आईडी, आईएमईआई नंबर, जियो कंपनी का सिम और 32 जीबी माइक्रो एसडी कार्ड लगा हुआ था। साथ ही लगभग 106 इंच का एक छोटा सोलर पैनल भी बरामद किया गया।

इस पूरे मामले पर रेल एसपी वीणा कुमारी ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर जांच की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और कैमरा लगाने के उद्देश्य का पता लगाने के लिए आरपीएफ सहित अन्य एजेंसियां जांच में जुटी हुई हैं।

पश्चिम बंगाल में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए सीएम सम्राट चौधरी

PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में सुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। यह समारोह कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया। सम्राट चौधरी ने समारोह का वीडियो अपने एक्स हैंडल पर साझा करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के गठन का वह ऐतिहासिक क्षण देखने पहुंचे हैं। उन्होंने इसे भारतीय जनता पार्टी की संगठन शक्ति, जनविश्वास और राष्ट्रवादी राजनीति की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के दौरान विभिन्न राज्यों से आए मुख्यमंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात हुई। सम्राट चौधरी ने कहा कि 'गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा की अविराम यात्रा' जनसमर्थन और राजनीतिक विस्तार का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का गठन राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरूआत है और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह ऐतिहासिक एवं स्मरणीय क्षण रहेगा।

BRIEF NEWS

फर्जी जीएसटी कागजात के सहारे हो रहा था कोयला परिवहन, ट्रक जब्त

KISHANGANJ : जिले में इंट्री माफिया और अवैध कोयला परिवहन के खिलाफ पुलिस व राज्य कर विभाग की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार और शनिवार को शहर के विभिन्न इलाकों में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सदर थाना क्षेत्र से अवैध रूप से कोयला परिवहन कर रहे एक ट्रक को जब्त किया गया। जानकारी के अनुसार, जब्त ट्रक में कोयला लदा हुआ था और परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे जीएसटी कागजात प्रारंभिक जांच में फर्जी पाए गए। कार्रवाई के दौरान ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। मामले में शनिवार को सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी थी।

पार्षद ने सांसद प्रदीप सिंह से भेंटकर जनहित के मुद्दे पर की चर्चा

ARARIA : जोगबनी नगर परिषद की मुख्य पार्षद रानी देवी ने शनिवार को सांसद प्रदीप सिंह से उनके अररिया आवास पर मुलाकात कर जोगबनी में जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जोगबनी नगर के सर्वांगीण विकास, आधारभूत संरचना, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्य पार्षद ने नगर की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने एवं शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु सांसद का ध्यान आकर्षित करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा। साथ ही जोगबनी नगर को मॉडल टाउन बनाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी और उन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु सांसद से सहयोग की अपेक्षा की। सांसद प्रदीप सिंह ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया।

नेपाल से शराब और नकद तस्करी की कोशिश नाकाम

SUPAUL : भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सशस्त्र सीमा बल की 45वीं वाहिनी बीरपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नेपाली शराब और भारी मात्रा में भारतीय मुद्रा बरामद की है। इस दौरान दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, 08 मई 2026 की रात करीब 10:55 बजे सीमा चौकी निओर के जवानों ने स्थानीय आंध्रामठ पुलिस के साथ संयुक्त नाका ड्यूटी के दौरान यह कार्रवाई की। 45वीं वाहिनी के कमांडेंट गौरव सिंह ने बताया कि सीमा स्तंभ संख्या 229 के समीप नेपाल से भारत की ओर शराब एवं नकदी तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर रस्ड और पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में घेराबंदी की। इसी दौरान नेपाल से भारत की ओर आ रही दो महिलाओं को संदिग्ध स्थिति में रोका गया।

NEWS BOX

जोगबनी में सुरक्षा एजेंसी की समन्वय समिति की हुई बैठक

AGENCY ARARIA : सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी-56 वीं) वाहिनी की बाह्य सीमा चौकी जोगबनी की ओर से बीसीपी में भारत नेपाल के सुरक्षा एजेंसी

की समन्वय समिति की बैठक शनिवार को हुई।जिसमें सीमा पार नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल,जोगबनी थाना की पुलिस और एसएसबी अधिकारियों की बैठक हुई।दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों की बैठक उपरांत भारत नेपाल सीमा पर सुरक्षा को लेकर संयुक्त गश्ती की गई। एसएसबी की ओर से जहां जोगबनी बाह्य सीमा चौकी के प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र सिंह,सहायक उप निरीक्षक एन. रंजीत सिंह सहित चार अधिकारी शामिल हुए।वहीं नेपाल एपीएफ की ओर से डीएसपी तिलक बहादुर खड़का, एसओएस के दो प्रतिनिधि सहित कुल आठ अधिकारी शामिल हुए।जबकि जोगबनी थाना की ओर से बैठक में सब इंस्पेक्टर विष्णुकांत के साथ दो अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में बॉर्डर सिक्योरिटी,तस्करी और गश्ती के साथ मादक पदार्थों और हथियार की तस्करी पर मुख्य रूप से चर्चा की गई।

दरौली पुलिस ने हथियार के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

AGENCY SIWAN : जिले की दरौली थाना पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है।

उनके पास से एक देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक मोटरसाइकिल तथा 40 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने बताया कि 8 मई की रात करीब 11:30 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि केटवलिया गांव की ओर से टड़वा बाजार की तरफ दो संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल से जा रहे हैं, जो हथियार तस्करी में संलिप्त हैं। सूचना के आधार पर दरौली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खोर मोड़ के समीप वाहन जांच अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस वाहन को देखते ही दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देशी पिस्टल, तीन कारतूस और 40 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों ने हथियार खरीदने जाने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान भिटोली गांव निवासी पप्पू प्रसाद, पिता स्व. धमनाथ प्रसाद तथा मनीष पंडित, पिता रमेश पंडित के रूप में हुई है। एसपी ने बताया कि मामले में दरौली थाना में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध हथियार और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

बरारी पुल घाट पर जीवन जागृति का जागरूकता अभियान

AGENCY BHAGALPUR : विक्रमशिला सेतु संकट के बीच जीवन जागृति सोसायटी का जागरूकता अभियान शुरू हो गया है। शनिवार को संस्था द्वारा

गंगा घाट पर सुरक्षा संदेश वाले पंपलेट बांटे गए। उल्लेखनीय है कि भागलपुर में विक्रमशिला पुल ध्वस्त होने के बाद गंगा पार आवाजाही पूरी तरह नावों पर निर्भर हो गई है। ऐसे में नावों पर बढ़ती भीड़ और ओवरलोडिंग की आशंका को देखते हुए सामाजिक संस्था जीवन जागृति सोसायटी ने लोगों को जागरूक करने की मुहिम तेज कर दी है। जीवन रक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली जीवन जागृति सोसायटी एक बार फिर आपदा की इस घड़ी में लोगों के बीच सुरक्षा का संदेश लेकर बरारी गंगा घाट पहुंची। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सदस्यों ने घाट पर नाव से सफर करने वाले यात्रियों के बीच पंपलेट वितरित किए।

भारतीय जनता पार्टी का पटना समेत राज्य के कई जिलों में दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते भाजपा के नेता

AGENCY PATNA : भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग अभियान के अंतर्गत शनिवार को राज्य के विभिन्न जिलों में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण अभियान पूरे बिहार में आगामी 31 मई तक संचालित होगा, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को वैचारिक, संगठनात्मक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। बेगूसराय जिला प्रशिक्षण वर्ग का उद्घघाटन केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एवं भाजपा बिहार प्रदेश के महामंत्री संगठन भीखु भाई दलसनिया ने संयुक्त रूप से किया। वहीं बांका जिला प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेन्द्र कुमार ने किया। नवादा जिला प्रशिक्षण वर्ग का उद्घघाटन बिहार सरकार के मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी एवं स्थानीय सांसद विवेक ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। मुजफ्फरपुर जिला प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता एवं भाजपा बिहार प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी व अध्यक्ष बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड मृत्युंजय झा ने संयुक्त रूप से किया। इसी प्रकार पटना ग्रामीण जिला प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन बिहार सरकार के मंत्री एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा तथा बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने संयुक्त रूप से किया। इन प्रशिक्षण वर्गों में संबंधित जिलों के जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक एवं विधान परिषद सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमला : राजेश राम

PATNA : बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि टीआरई 4 के अभ्यर्थी अपनी जायज मांगों को लेकर आए थे, लेकिन सरकार ने उनकी बात सुनने के बजाय उन पर बेरहमी से लाठीचार्ज कराया। उन्होंने कहा कि सरकार अभ्यर्थियों को न्याय देने के बजाय केवल 'तारीख पर तारीख' दे रही है। राजेश राम ने आरोप लगाया कि एक ओर लाखों योग्य अभ्यर्थी रोजगार के लिए सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेरोजगार बेटों को मंत्री पद दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इनमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेरोजगार बेटे को भी मंत्री पद दिया गया है, जो सरकार की पक्षपातपूर्ण नीति को उजागर करता है।

मोबाइल छीनने का विरोध पड़ा भारी, दो युवकों पर हमला, एक की हालत गंभीर

अस्पताल में उपचार के दौरान घायल युवक

AGENCY SUPAUL : जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत सिमराही के रामनगर रोड में शनिवार दोपहर करीब एक बजे मोबाइल छीनने का विरोध करना दो युवकों को भारी पड़ गया। बदमाशों ने विरोध करने पर दोनों युवकों पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायलों की पहचान सिमराही वार्ड संख्या-1 निवासी मो. जफिर आलम के 19 वर्षीय पुत्र मो. जावेद तथा फिरोज खान के 22 वर्षीय पुत्र अरवाज खान के रूप में हुई है। घायल मो जावेद ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ रामनगर रोड स्थित एक पान एवं किराना दुकान पर सामान खरीद रहा था। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और उसका मोबाइल छीनने का प्रयास करने लगे। जब उसने विरोध किया तो दोनों हमलावरों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं अरवाज खान ने बताया कि वह भी मौके पर मौजूद था। घटना का विरोध करने पर बदमाशों ने उसे भी चाकू मारकर घायल कर दिया।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल राघोपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। रेफरल अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद राहुल झा ने बताया कि मो. जावेद की स्थिति गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही राघोपुर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

पहल जीविका दीदियों ने राहगीरों और स्थानीय लोगों के लिए की स्वच्छ भोजन की व्यवस्था

पारंपरिक व्यंजनों के साथ 50 रुपये में परोसा जा रहा भरपेट खाना

AGENCY BHAGALPUR : गंगा के पावन तट बरारी घाट पर इन दिनों एक नई हलचल देखने को मिल रही है। यह हलचल किसी धार्मिक आयोजन की नहीं, बल्कि सेवा और स्वावलंबन की एक नई इबारत लिखने वाली 'जीविका' की दीदियों द्वारा संचालित रसोई की है।

बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'जीविका' मिशन अब धरातल पर अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करा रहा है। इसी कड़ी में बरारी घाट पर श्रद्धालुओं, राहगीरों और स्थानीय लोगों के लिए बेहद किफायती दरों पर शुद्ध और स्वच्छ भोजन की व्यवस्था की गई है। बरारी घाट पर अक्सर बड़ी संख्या में लोग गंगा स्नान और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के लिए आते हैं। ऐसे में दूर-दराज से आने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी चुनौती उचित दर पर पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की होती है। इस समस्या को समझते हुए जीविका दीदियों ने मिलकर यहाँ एक सार्वजनिक रसोई की शुरूआत की है। इस रसोई की बागडोर 'गंगा जीविका स्वयं सहायता समूह' की सदस्य लक्ष्मी देवी और उनके साथियों के हाथों में है। लक्ष्मी देवी बताती हैं कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल लोगों को कम दाम में भोजन उपलब्ध कराना है, बल्कि समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है।

इस रसोई की सबसे बड़ी खासियत यहाँ का मेनू और उसकी दरें हैं। आज के महंगाई के दौर में जहाँ सामान्य होटलों में एक थाली की कीमत सौ रुपये से ऊपर चली गई है, वहीं जीविका की यह रसोई मात्र 50 रुपये में भरपेट शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध करा रही है। इस भोजन की थाली में चावल, दाल, सब्जी, पापड़ और सलाद शामिल है। यह भोजन पूरी तरह से घरेलू स्वाद और स्वच्छता के मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है, जो बाहर से आने वाले लोगों के लिए घर की कमी को पूरा करता है।

भोजन के अलावा, यहाँ पारंपरिक बिहार के पसंदीदा नाश्ते और व्यंजनों की भी लंबी फेहरिस्त है। बिहार की पहचान माना जाने वाला लिट्टी-चोखा यहाँ विशेष रूप से उपलब्ध है। मात्र 20 रुपये में दो पीस लिट्टी और चटनी के साथ लोग अपनी भूख मिटा सकते हैं। इसके साथ ही, स्थानीय लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय चूड़ा फ्राई और घुघनी की व्यवस्था भी यहाँ की गई है। 30 रुपये प्रति प्लेट की दर से मिलने वाला यह नाश्ता न केवल सस्ता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी बेहतर विकल्प माना जाता है।

एक ही व्यक्ति के नाम तीन वोटर आईडी कार्ड थाने में मामला दर्ज

ARARIA : बिहार में अररिया जिले के फारबिसगंज थाना पुलिस ने रामपुर दक्षिण वार्ड संख्या नौ के रहने वाले मो नोएम अंसारी पिता मो.सज्जाद अंसारी को गिरफ्तार किया। जिनके पास से एक ही नाम के तीन अलग अलग पते से जारी तीन वोटर आईडी कार्ड जारी किया हुआ मिला। एक ही व्यक्ति के नाम से तीन अलग-अलग वोटर आईडी कार्ड मिलने के बाद अपर थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार गुप्ता के बयान पर उनके खिलाफ फारबिसगंज थाना में कांड संख्या 273/26 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950(43) की धारा 31 के तहत दर्ज किया गया है।कांड के अनुसंधानकर्ता एसआई कुमारी बबीता बनाई गई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 31 बेंचों में कई मामलों का निष्पादन

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर में शनिवार को इस वर्ष के दूसरे राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत को लेकर भागलपुर व्यवहार न्यायालय में 22 बेंच, नवगछिया में 7 और कहलगांव में 2 बेंच बनाए गए। लोक अदालत का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज कुमार राजपूत, प्रिंसिपल जज दीपंकर पांडे, जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव समेत कई न्यायिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया।

इस दौरान प्रिंसिपल जज दीपंकर पांडे ने बताया कि लोगों को त्वरित और सरल न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक अदालत का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि पहली बार ट्रैफिक चालान मामलों के निष्पादन के लिए जिला स्कूल में विशेष बेंच लगाया गया है, ताकि आम लोगों को सुविधा मिल सके और मामलों का जल्द निपटारा हो। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, बिजली बिल, पारिवारिक विवाद, दुर्घटना दावा, ट्रैफिक चालान सहित विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निष्पादन किया जा रहा है।

बराबरी की लड़ाई में दिखावे को मूल्य समझने की गलती

इंस्टाग्राम पर कुछ समय पहले पूजा (पुजारिनी प्रधान) का मामला छाया हुआ था। वे पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र की एक कंटेंट क्रिएटर हैं, जो गांव का जीवन और किताबों, फेमिनिज्म, समाज आदि पर कंटेंट बनाती हैं। उनकी लोकप्रियता जब तेजी से बढ़ी तो उनके कंटेंट की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए गए और कहा गया कि इतने अच्छे वीडियो गांव की लड़की अकेले नहीं बना सकती, शायद उसके पीछे कोई एजेंसी या ब्रांड-सपोर्ट है। धीरे-धीरे यह सिलेक्टिव फेमिनिज्म बनाम वास्तविक एम्पॉवरमेंट की बहस बन गई। पूजा के पक्ष में कहा जाने लगा कि क्या गांव की महिला अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल सकती और क्या यह सिर्फ शहरी महिलाओं का ही विशेषाधिकार है। इस पूरे प्रसंग से एक बात बहुत दुखद ढंग से साफ होती है कि टॉक्सिक फेमिनिज्म भी टॉक्सिक मैस्क्युलिनिटी जितना ही बुरा है, बल्कि शायद उससे भी ज्यादा। बराबरी की लड़ाई में कहीं न कहीं हम दिखावे को ही मूल्य समझने की गलती कर बैठे हैं। कहीं-कहीं तो हम नारीवाद के असल मायनों से बहुत परे चले जाते हैं। हमने स्त्रीत्व के ऐसे रूप को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है, जिसमें शोर तो बहुत है, लेकिन जो भीतर से खोखला है। जिसमें बगावत तो है, पर आत्मपरीक्षण नहीं। सच कहूं तो नाटकीयता, समझदारी से ज्यादा तेजी से फैलती है। मूर्खता जल्दी ध्यान खींचती है और एल्गोरिदम्स को तो आक्रोश ही पसंद है। लेकिन, एक असहज कर देने वाला सवाल देश को खुद से ही पूछना चाहिए कि क्या गांवों से शहरों तक सिर्फ वही महिलाएं भारतीय नारीवाद की आवाज बनेंगी, जो साधन-सम्पन्न और सलीके से संजी-संवरी हों। क्योंकि सच्चाई यही है कि ज्यादातर भारतीय महिलाएं इंस्टाग्राम की दुनिया में नहीं जीतीं। दहेज के लिए हर घंटे उनकी हत्या और हर 13 मिनट में उनके साथ दुष्कर्म होता है। 20 करोड़ महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार हैं। वे ऐसे घरों में रहती हैं, जहां आज भी उन्हें पढ़ाई के लिए जूझना पड़ता है। दफ्तरों में समान वेतन के लिए संघर्ष करना पड़ता है। और विवाह-संस्था में तो रोज वे आजादी की लड़ाई लड़ती हैं। उनके लिए नारीवाद दिखावे की चीज नहीं, अपने अस्तित्व की जंग है। फिर भी आज भारतीय स्त्री की नुमाइंदगी करने वाली सबसे बुलंद आवाजें अकसर समाज के छोटे से तबके से आती है, जो शहरी, अंग्रेजीदां, डिजिटल दुनिया की जानकार और एल्गोरिदम-अप्रूव्ड हैं। यह पूरी तरह गलत भी नहीं है। प्रतिनिधित्व बदलता रहता है। लेकिन, यह प्रतिनिधित्व जब टॉक्सिक व्यवहार को तवज्जो दे, जब महिलाएं एक-दूसरे को नीचा दिखाकर खुश हों, तो हमें ठहरकर सोचने की जरूरत है। नारीवाद कभी भी तमाशा बनने के लिए नहीं था। न इसका मकसद महज ऐसी नूराकुश्ती बन जाना था, जहां यह साबित करने की होड़ हो कि कौन किसे महज 30 सेकेंड में हरा सकता है। जो हम देख रहे हैं, वह प्रगति नहीं, एक दिखावा है। उससे भी बदतर ये कि यह दिखावा उन्हीं व्यवस्थाओं को मजबूत करता है, जिन्हें नारीवाद खत्म करना चाहता है। पुरुषवादी इसे देखकर हंसते हैं। वे इसे और फैलाते हैं, क्योंकि पितृसत्ता के लिए इससे बेहतर और कुछ नहीं कि महिलाएं सार्वजनिक तौर पर एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश करें। यह सही है कि भारतीय नारीवाद में हर तरह की आवाजों के लिए जगह है, भले वह गुस्से से भरी, बेबाक, उलझी-सी या सधी हुई हो। नारीवाद को सही होने के लिए अच्छा होना जरूरी नहीं, लेकिन जिम्मेदार होना आवश्यक है। उसे बड़ी लड़ाई का एहसास होना चाहिए। और वह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। जब सार्वजनिक विमर्श में नारीवाद के नाम पर छोटी-छोटी ऑनलाइन लड़ाइयां हावी हो जाएं तो इसके मायने क्या निकाले जाएं। इसका सबसे खतरनाक अर्थ यह है कि हम नारीवाद की व्यापकता को एक ब्रांड तक सीमित कर रहे हैं। ऐसा ब्रांड, जो हकीकत से ज्यादा वायरल होने की क्षमता पर टिका है। यह महिलाओं से अपने मुंह सिल लेने का आह्वान कतई नहीं, बल्कि सूझ-बूझ और गहराई दिखाने की अपील है। यह याद दिलाने की कोशिश है कि मकसद सिर्फ इतना भर नहीं था कि हमें सुना जाए, बल्कि यह था कि हमें उस बात के लिए सुना जाए- जो बदलाव ला सके। फेमिनिज्म को शायद अब खुद से ठहरकर पूछना चाहिए कि क्या हम एक आंदोलन बना रहे हैं, या ?महज कंटेंट क्रिएट कर रहे हैं। भारतीय नारीवाद को अपनी जिम्मेदारियों और बड़ी लड़ाइयों का एहसास होना जरूरी है।

बड़े वैज्ञानिकों की मौत में विदेशी कनेक्शन की तलाश

ANALYSIS

✍ मुकुंद

नासा ने कहा कि मारे गए या गायब हो चुके वैज्ञानिकों के संबंध में संबंधित एजेंसियों के साथ जांच में समन्वय और सहयोग कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे काफी गंभीर मामला बताया है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर का मानना है हत्या, मौत या गायब होना महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। कांग्रेस भी चिंतित है। इस कमेटी के सदस्य डेमोक्रेट जेम्स वॉकिनशॉ ने तो यहां तक कहा है कि इन मामलों के पीछे कोई सुनियोजित साजिश या मकसद छिपा है। एफबीआई ने 30 जुलाई, 2023 को 59 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले नासा के वैज्ञानिक माइकल डेविड हिक्स की मौत को भी जांच के दायरे में लिया है। उन्होंने नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) में लगभग 25 साल तक काम किया था। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मुताबिक, लेबोरेटरी में करियर के दौरान उन्होंने धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर विशेषज्ञता हासिल की थी। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया। उनकी बेटी जूलिया हिक्स यह जानकर हैरत में है कि पिता की मौत पर रहस्य का पर्दा पड़ा है। एजेंसी ने फ्रैंक माइवाल्ड और मोनिका रेजा की मौत के कारणों को भी सामने लाने का फैसला किया है।

अमेरिका में साल 2023 से संवेदनशील अनुसंधान कार्यक्रम से जुड़े कम से कम 10 वैज्ञानिकों की मौत हो चुकी या राह चलते गायब हो चुके हैं। इनमें से कुछ का तो कत्ल भी किया गया। गायब हो रही देश की बौद्धिक संपदा को जमीन निगल गई या आसमान खा गया, इसका सीधा जवाब किसी के पास भी नहीं है। इनका संबंध अमेरिका न्यूक्लियर और एयरोस्पेस रिसर्च से रहा है। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या इन घटनाओं के बीच कोई आपसी संबंध है। इस समय एफबीआई जवाब की तलाश में फाइलों की धूल झाड़ रही है। अमेरिकी मीडिया के खुलासे के बाद संघीय एजेंसी ने कहा कि जवाब खोजने के लिए ऊर्जा विभाग, युद्ध विभाग और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जांच की जा रही है। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली हाउस ओवरसाइट कमेटी ने अलग से जांच करने का फैसला लिया है। कमेटी का कहना है कि इन लोगों की पहुंच संवेदनशील वैज्ञानिक जानकारियों तक थी। नासा ने कहा कि मारे गए या गायब हो चुके वैज्ञानिकों के संबंध में संबंधित एजेंसियों के साथ जांच में समन्वय और सहयोग कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे काफी गंभीर मामला बताया है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर का मानना है हत्या, मौत या गायब होना महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। कांग्रेस भी चिंतित है। इस कमेटी के सदस्य डेमोक्रेट जेम्स वॉकिनशॉ ने तो यहां तक कहा है कि इन मामलों के पीछे कोई सुनियोजित साजिश या मकसद छिपा है। एफबीआई ने 30 जुलाई, 2023 को 59 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले नासा के वैज्ञानिक माइकल डेविड हिक्स की मौत को भी जांच के दायरे में लिया है। उन्होंने नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) में लगभग 25 साल तक काम किया था। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मुताबिक, लेबोरेटरी में करियर के दौरान उन्होंने धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर विशेषज्ञता हासिल की थी। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया। उनकी बेटी जूलिया हिक्स यह जानकर हैरत में है कि पिता की मौत पर रहस्य का पर्दा पड़ा है। एजेंसी ने फ्रैंक माइवाल्ड और मोनिका रेजा की मौत के कारणों को भी सामने लाने का फैसला किया है। कहते हैं कि इसके बाद के सालों में जेपीएल से जुड़े कई और लोग भी मारे गए या लापता हो गए। अंतरिक्ष अनुसंधान के विशेषज्ञ फ्रैंक माइवाल्ड की 2024 में लॉस एंजिल्स में 61 साल की आयु में मौत हो चुकी है। 60 साल की एयरोस्पेस इंजीनियर मोनिका रेजा जून 2025 में लॉस एंजिल्स के एक जंगल में हाइकिंग करते समय लापता हो गई हैं। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने बताया कि रेजा नासा की जेपीएल के मटीरियल्स प्रोसेसिंग ग्रुप की डायरेक्टर थीं। एयर फोर्स के रिटायर्ड मेजर जनरल विलियम नील मैककैसलैंड (68) लापता हैं। उन्हें इसी साल 27 फरवरी को अल्बुकर्क (न्यू मैक्सिको) में अपने घर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। वह अपना फोन, चश्मा और पहनने वाले डिवाइस घर पर ही छोड़ गए थे। मैककैसलैंड पेंटागन के कुछ सबसे उन्नत एयरोस्पेस शोध कार्यों के केंद्र में थे। उन्होंने एक समय राइट पैटर्सन एयर फोर्स बेस स्थित 'एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेटरी' की कमान भी संभाली थी। एफबीआई के एजेंट उन्हें सारी दुनिया में तलाश रहे हैं। कहते हैं कि इस बेस पर कथित रोसवेल घटना से जुड़ा किसी बाहरी ग्रह का मलबा रखा है। उनकी पत्नी सुसान मैककैसलैंड विल्करसन ने फेसबुक पोस्ट में माना है कि यह सच है कि नील का यूएफओ समुदाय के साथ कुछ समय के लिए जुड़ाव रहा। यह जुड़ाव किसी के लिए नील को अगवा करने का कारण नहीं हो सकता। न्यू मेक्सिको के प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी से जुड़े दो वैज्ञानिक मेलिसा कैसियस और एंथनी चावेज भी लापता हैं। न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अनुसार, 53 वर्षीय कैसियस को आखिरी बार जून 2025 में न्यू मैक्सिको के तालपा के पास एक हाईवे पर देखा गया था। वह अपना सामान घर पर ही छोड़ गई थीं और उनका फोन फैक्टरी-रीसेट किया हुआ था। इससे पहले मई में 78 वर्षीय चावेज लापता हो गए थे। वह इसी लेबोरेटरी में फोरमैन थे। हाल के महीनों में कई जाने-माने वैज्ञानिकों की हत्या ने भी अटकलों को हवा दी है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नूनो एफजी लोरेइरो की दिसंबर 2025 में बोस्टन के पास उनके घर पर एक बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। 47 वर्षीय भौतिक विज्ञानी और फ्यूजन वैज्ञानिक लोरेइरो संस्थान के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर का नेतृत्व कर रहे थे। उनका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा तकनीक और अन्य शोध कार्यों को आगे बढ़ाना था। खगोल भौतिक विज्ञानी कार्ल ग्रिलमेयर की इसी साल फरवरी में 67 साल की आयु में लॉस एंजिल्स के बाहर इलाके में उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में काम करते थे। नासा के साथ मिलकर काम करने वाले ग्रिलमेयर सौर मंडल के बाहर के ग्रहों पर पानी की खोज से जुड़े अपने अध्ययनों के लिए मशहूर रहे हैं। साल 2024 में अमेरिकी वायुसेना के पूर्व खुफिया अधिकारी 39 वर्षीय मैथ्यू जेम्स सुलिवन की मौत आज भी रहस्य बनी हुई है। उन्होंने यूएफओ से जुड़े एक संघीय व्हिसलब्लोअर मामले में गवाही देने से पहले आत्महत्या कर ली थी। इस बीच 2022 में हुई एमी एस्क्रिडेज की मौत ने लोगों का ध्यान खींचा है। 34 वर्षीय एस्क्रिडेज ने हंट्सविले (अलबामा) में इंस्टीट्यूट फॉर एग्जॉटिक साइंस की स्थापना की थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इन सभी घटनाओं पर से डेढ़ हफ्ते में पर्दा उठने की उम्मीद जताई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि सच को सामने लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का मानना है कि इन मामलों में विदेशी कनेक्शन की तलाश की जा रही है। काश ऐसा हो जाए।

इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के प्रतिष्ठित वाशिंगटन हिल्टन होटल में हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल सुरक्षा संबंधी घटना नहीं है, बल्कि एक ऐसा क्षण है जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं रहा। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है। इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता रहा है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे सुरक्षा में चूक कैसे हुई। और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं। हिल्टन में मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग मेजों के नीचे छुप गए। अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज जैसे शब्दों का प्रयोग और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है, जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है। सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दशार्ता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं। इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है, इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है। लोकतंत्र केवल चुनाव और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है। इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार ने शपथ ग्रहण किया। हम सभी के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राष्ट्र, विशेषकर पश्चिम बंगाल के लिए उनके अमिट योगदान को याद करना स्वाभाविक है। हम उनके सपने को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह में मेरी मुलाकात श्री मखोनलाल सरकार जी से हुई। समर्पित देशभक्त श्री सरकार ने डॉ. मुखर्जी के साथ काम किया था और जम्मू-कश्मीर में उनके सहयोगी के रूप में रहते हुए उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। उन्होंने अपना जीवन पश्चिम बंगाल में हमारी पार्टी का आधार मजबूत करने और सभी स्तरों के लोगों को पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में समर्पित कर दिया। भाजपा कार्यकताओं के रूप में, हमें गर्व है कि हमारी पार्टी में ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं जिन्होंने जनता के बीच रहकर हमारी पार्टी को मजबूत किया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आमतौर पर पुलिस अपराधियों का पर्दाफाश करती है, लेकिन झारखंड में गैंगस्टर ही पुलिस के कथित काले कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोल रहे हैं। धनबाद के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान का मीडिया में वायरल हो रहा एक ताजा वीडियो न केवल पुलिस को चुनौती दे रहा है, बल्कि एसएसपी के कार्यकाल का मूल्यांकन भी कर रहा है। यह स्थिति कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो धनबाद में पुलिस और अपराधियों के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि दो समानांतर गिरोहों के बीच गैंगवार चल रहा हो। दोनों पक्षों में होड़ मची है कि व्यापारियों के बीच कौन अधिक दहशत पैदा करेगा। फर्क बस इतना है कि एक वर्दी पहनकर कथित वसूली कर रहा है, तो दूसरा बिना वर्दी के। सबसे भयावह पक्ष 'सत्ता संरक्षण' की आशंका है। जब चर्चा आम हो कि करोड़ों की 'बोली' लगाकर संवेदनशील जिलों में पोस्टिंग ली जाती है, तो जनता का भरोसा टूटना स्वाभाविक है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

खत्म हो रहे बॉन्डिंग के बहुत से तरीके

मुंबई एयरपोर्ट पर मैंने तीन अलग-अलग ग्रुप देखे। एक छोटा और दो बड़े थे। उनमें से एक बड़ा ग्रुप मेरी ही फ्लाइट में था। वे बोर्डिंग गेट पर जुटने लगे और आपस में आईपीएल क्रिकेटर्स की तरह फिस्ट बंप से विश कर रहे थे। सभी एक सर्कल में खड़े हो गए और जब कोई दूर से उन्हें ग्रीट करता तो हाथ सीने पर रख लेते। कुछ नमस्ते करते तो जवाब भी नमस्ते से मिलता, लेकिन साथ में हाथ भी हिलाया जा रहा था। लोग दूर से ही अपने दोस्तों को पहचान कर सर्कल में उनके पास आकर खड़े हो जाते और फिर जो हुआ, उसने मुझे चौंका दिया। वहां हर तरफ एल्बो बंप दिख रहा था, जबकि कोविड में भी बचा रहा हैंडशेक सर्कल से बाहर बेबस-सा खड़ा था। व्हीलचेयर पर बैठे एक व्यक्ति समेत 35 लोगों के ग्रुप में एक भी हैंडशेक नहीं हुआ। इससे मुझे लगा कि हैंडशेक अब खत्म होने वाला है। पारंपरिक हैंडशेक में पहले ही काफी गिरावट आ रही है। रिसर्च बताता है कि हर चार में से एक जेन-जी टीनेजर सोशल एंग्जायटी और डिजिटल कम्युनिकेशन को प्राथमिकता देने के कारण अजनबियों से हाथ मिलाने से बचता है। डेटा बताता है कि अब सोशल एंग्जायटी और झिझक इसके मुख्य कारण हैं। 14-29 साल के 75% युवा मानते हैं कि उन्हें आमने-सामने बातचीत में मुश्किल होती है। युवा आज हैंडशेक को सख्त, थोड़ा अजीब और पुराने दौर का मानने लगे हैं। सामाजिक नियमों के कम्फर्ट और डिजिटल-फर्स्ट कम्युनिकेशन की ओर बढ़ने के साथ ही ग्रीट करने के नए तरीकों ने हैंडशेक को किनारे कर दिया है। तो अब क्या लोकप्रिय हो रहा है? ये तरीके हैं- फिस्ट बंप, हैंड क्लैप, हाई फाइव, वेव, हाय बोल कर मौखिक अभिवादन या महज सिर हिला देना- खासकर जब लोग पहले से एक-दूसरे के साथ सहज हों। जहां 75% पैरेंट्स चिंतित हैं कि उनके बच्चे व्यक्तिगत जुड़ाव की क्षमता खो रहे हैं, वहीं यह बदलाव ज्यादा अनौपचारिक, कम जर्म-सेंसिटिव और कम एंग्जायटी वाले तरीकों से जुड़ा प्रतीत होता है। मुझे याद है कि हमारे कॉलेज में हैंडशेक क्लास होती थी। हमें परफेक्ट हैंडशेक के नियम सिखाए गए थे। उन दस में से तीन प्रमुख नियम ये थे। डिग्री ऑफ प्रेशर महत्वपूर्ण है। इसे गोल्डीलॉक्स कहते हैं- मजबूत, किंतु हल्के दबाव वाली पकड़। ढीला हाथ कमजोर, अविश्वसनीय या आलसी चरित्र का संकेत माना जाता था। आप किसी को भी अपना हाथ नहीं दे सकते। एक सख्त टॉप-डाउन प्रोटोकॉल था। पुरुष कभी महिला की ओर पहले हाथ नहीं बढ़ाता। उसे इंतजार करना होता था कि महिला हाथ बढ़ाए। अगर वे नहीं बढ़ातीं, तो वह बस झुक जाता। आयु में छोटा व्यक्ति इंतजार करता था कि बड़ा शुरू करें। सामाजिक तौर पर इंफीरियर अपने सुपीरियर का इंतजार करता था। ऊंचे दर्जे के व्यक्ति की ओर पहले हाथ बढ़ाने को जबरन पहल करना मानते थे। एक परफेक्ट हैंडशेक में सही आई-कॉन्टैक्ट शामिल है। नजरें चुराना संदिग्ध माना जाता था। फिर अकसर हाथ मिलाने के साथ सिर या शरीर के ऊपरी हिस्से को सम्मानजनक तरीके से थोड़ा झुकाया जाता था। बायां हाथ साइड में रहता था। हैंडशेक अकेला खत्म नहीं हो रहा है। इसके साथ थैंक यू नोट लिखना या फोन कॉल करना या फिर बिना इमोजी के एक पत्र लिखना भी शामिल हैं। फंडा यह है कि इंसान अभी भी स्पर्श करने वाले प्राणी हैं। सही प्रकार से किया गया फिजिकल टच ऑक्सीटोसिन रिलीज करता है और ऐसा भरोसा बनाता है, जिसे शब्द नहीं बना सकते। हालांकि, हैंडशेक डिफॉल्ट ग्रीटिंग का दर्जा खो चुका है। तो क्या हमें इसका शोक संदेश लिखना चाहिए, या इसे री-इन्वेंट करना चाहिए।

अमेरिका में बंदूक संस्कृति

अमेरिकी राष्ट्रपति की उपस्थिति वाले एक विशिष्ट आयोजन में गोलीबारी की घटना ट्रंप की सुरक्षा व्यवस्था में चूक को तो रेखांकित करती ही है, अमेरिका में व्याप्त और खतरनाक होती जा रही बंदूक संस्कृति की ओर भी फिर से ध्यान खींचती है। यह संतोष की बात है कि इस गोलीबारी में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ और एक सुरक्षाकर्मी हमलावर की गोली लगने के बाद भी इसलिए बच गया, क्योंकि वह बुलेटप्रूफ जैकेट पहने था, लेकिन यह घटना इसलिए कहीं अधिक ध्यान आकृष्ट करती है, क्योंकि यह उसी वाशिंगटन डीसी के हिल्टन होटल में घटी, जिसमें राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। यह सामान्य बात नहीं कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, उनके वरिष्ठ सहयोगियों और व्हाइट हाउस कवर करने वाले पत्रकारों की उपस्थिति वाले कार्यक्रम में कोई गोलीबारी करने में सक्षम हो जाए। व्हाइट हाउस के पत्रकारों के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति के डिनर के इस वार्षिक कार्यक्रम में वैसी ही गहन सुरक्षा व्यवस्था होती है, जैसी अमेरिकी हवाई अड्डों पर होती है। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम को सबसे सुरक्षित आयोजनों में से एक के रूप में जाना जाता है, लेकिन वहां भी सुरक्षा में सेंध लग गई। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप अपने सुरक्षाकर्मियों की सजगता की उचित ही प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों को इसकी तह में तो जाना ही होगा कि आखिर हमलावर उनके सुरक्षा घेरे को कैसे भेद गया। वैसे तो हमलावर की पहचान हो गई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि उसका इरादा क्या था। हैरानी नहीं कि वह अमेरिका में उपजी राजनीति कटुता से पनपे विषाक्त माहौल से प्रभावित ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ट्रंप को उनकी रीति-नीति के चलते निशाना बनाना चाहता हो। ध्यान रहे इसके पहले भी पिछले दो वर्षों में ट्रंप को कम से कम दो बार ऐसे ही लोग मारने की कोशिश कर चुके हैं। एक घटना में तो हमलावर की गोली उनके कान को छूती हुई निकल गई थी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why BJP's wins in Assam, Bengal matter for all of Northeast

The BJP victory in Assam did not come as a surprise—at least not to anyone in the Northeast. The party returned with 82 seats in the Assembly of 126, giving it a majority on its own. Its allies in the North East Democratic Alliance, Asom Gana Parishad and Bodoland People's Front, won 10 seats each.Many factors ensured this. The foremost is the persona of Chief Minister Himanta Biswa Sarma, and his well-calculated and calibrated populist agenda whipping up and capitalising on the inherent Assamese demographic anxiety of being overwhelmed by Muslim immigrants from Bangladesh. Whether this proves to be a boon or a bane for the state and the region in the long run is a matter of anticipation.Equally important is the fact that dislodging a party in power, especially if it is also in power in New Delhi, has never been easy in the Northeast. The region today suffers from a psychology of living on Delhi's charity, therefore seeing themselves safer on the right side of the powers that be at the Centre. The BJP's victory was also helped by some high-profile, pre-election defections—engineered or otherwise—from its major rival, the Congress.

The Congress was left licking its wounds, garnering just 19 seats, down 10 seats from its share in the last election. Even its flag-bearer, Gaurav Gogoi, lost in his home constituency Jorhat.While it does seem like a decimation of the Congress in the state, a little rethink is called for. The picture is quite different in terms of vote share. While the BJP won 37.81 percent of the votes polled, the Congress received 29.84 percent. Though nobody can argue with the decisive nature of BJP's win, in terms of the support base, the margin is not as great as the seat numbers make it seem.The debate on the pros and cons of the first-past-the-post electoral system is for another time. What everyone needs to keep in sight at this moment is that though victors have all the right to celebrate their victory, they also need to display some humility in the knowledge that citizens on the opposite end of the political spectrum number almost as many as those who supported them.The Assam victory is important for the BJP and its prospect in the Northeast. The party's upbeat mood is also bolstered tremendously by its victory in West Bengal. For the Northeast, Kolkata offers an important junction parallel to Guwahati for connectivity to the rest of the country.So whatever happens in Bengal has always had very profound impact on the Northeast as well. This has been so from the colonial days. Indeed, when the British annexed Assam in 1826, it was made an extension of Bengal. Likewise, Curzon's partition of Bengal and subsequent reunification had a great bearing on the politics and psychology of ordinary people in the Northeast. Not the least, most first-generation, western-educated pioneers from the region acquired their degrees from Calcutta and Dhaka universities, making this connection even deeper-rooted.How, then, would the BJP victory in Assam and West Bengal pan out in the rest of the Northeast is a question all observers of politics in the region would be asking. The first thing to remember is that of the region's seven states—excluding Sikkim, which is more in West Bengal's orbit—the four states of Assam, Tripura, Arunachal Pradesh and Manipur are BJP-ruled today.The remaining three, which are core Christian states—Meghalaya, Mizoram and Nagaland—are ruled by regional parties allied with the BJP. Those alliances are not for any ideological affinity, but are driven by transactional considerations of aligning with the power corridors in Delhi. This profile of the major political equations in the region is unlikely to change. What the BJP victory in Assam and West Bengal has probably done is to ensure this equation remains secure and intact.

Somnath's saga of faith and resilience

Special pujas will be organised at Somnath for the next thousand days

AT the start of 2026, I had gone to Somnath for the Somnath Swabhiman Parv, marking 1,000 years since the first attack on the Somnath Temple. Now, I will be back in Somnath on May 11 to mark 75 years since the inauguration of the restored temple by the then President of India, Rajendra Prasad. In less than half a year, it is a privilege to be attending two important milestones relating to Somnath and its journey from ruin to renewal or what we describe as from vidhvans to srijan.Somnath gives us a civilisational message. The vast sea before it evokes timelessness. The waves tell us that no matter how fierce the storms or turbulent the tides are, one can always rise again with dignity and strength. The waves return to the shore, as though reminding every generation that the spirit of the people can never be subdued for long.Our ancient scriptures say: Prabhasam cha parikramya prithvi-krama-sambhavama. It means, a pradakshina (circumambulation) of the divine Prabhasa (Somnath) is equal to a pradakshina of the whole earth itself!While people have come here to pray, they have also experienced the remarkable continuity of a civilisation whose flame could never be extinguished. Empires rose and fell, tides changed, history moved through conquest and upheaval, yet Somnath continued to endure in our consciousness.It is time to remember the countless greats who stood firm in the face of tyranny. There were Lakulisha and Soma Sarman, who transformed Prabhasa into a great centre of philosophy. Chakravarti Maharaja Dharasena IV of Vallabhi built the Second Temple there centuries ago. Bhima Deva, Jayapala and Anandapala will always be remembered for defending civilisational honour against invasions. It is said that Raja Bhoja too helped with the reconstruction. Karna Deva and Siddharaja Jayasimha played a vital role in restoring Gujarat's political and cultural strength. Bhava Brihaspati, Kumarapala Solanki and the Pashupata Acharyas rebuilt and sustained the shrine as a great centre of worship and learning. Vishaladeva Vaghela and Tripurantaka protected its intellectual and spiritual traditions. Mahipaladeva and Ra Khangar were instrumental in reviving worship after destruction. Punyashlok Ahilyabai Holkar, whose 300th birth anniversary is being marked, ensured the continuity of devotion in the most difficult of times. There were the Gaekwads of Baroda who safeguarded the rights of pilgrims. And, of course, our soil is blessed to have nurtured brave personalities like Veer Hamirji Gohil and Veer Vegdaji Bhil, whose sacrifice and courage have become a part of Somnath's living memory.In the 1940s, when the spirit of freedom swept across India and the foundations of a new republic were being laid under the leadership of towering figures like Sardar Patel, one thing continued to trouble him deeply — the condition of Somnath. On November 13, 1947, during Diwali time, he stood next to the dilapidated ruins of the temple with seawater in his hands and said, "On this auspicious day of the (Gujarati) New Year, we have decided that Somnath should be reconstructed. You, people of Saurashtra, should do your best. This is a holy task in which all should participate." On one clarion call of Sardar Patel, it was not only the people of Gujarat but also the people of the whole of India who responded enthusiastically.

Unfortunately, fate did not allow Sardar Patel to witness the fulfilment of the dream he had championed. Before the restored Somnath Temple could open its doors to devotees, he had departed from this world. Yet, his impact continued to be felt across the sacred shores of Prabhas Patan. His vision was championed by KM Munshi, ably supported by the Jamsaheb of Nawanagar.

In 1951, when the Temple was complete, it was decided to call President Rajendra Prasad for the ceremony. Overcoming objections from the then Prime Minister Pandit Nehru, Prasad graced the ceremony, thus making it even more special and historic.

My mind also goes back to October 2001, when I had just taken over as Chief Minister. On October 31, 2001, the Jayanti of Sardar Patel, the Gujarat Government had the honour of organising a programme to mark 50 years since the Somnath Temple had opened its doors. It also coincided with the 125th birth anniversary celebrations of Sardar Patel. The then Prime Minister Atal Bihari Vajpayee and the then Home Minister LK Advani attended the programme.

During his speech on May 11, 1951, Rajendra Prasad said that the Somnath Temple proclaimed to the world that anything built on unparalleled faith and love could not be destroyed. He expressed hope that this temple would live in the hearts of people. He also said that the restoration of the temple was a fulfilment of Sardar Patel's dream. And taking that spirit forward, it was important that we restored prosperity to the lives of people. These are important and inspiring messages.This is the path we have been walking for over a decade. I consider it my good fortune that, inspired by the principle of 'Vikas Bhi, Virasat Bhi', from Somnath to Kashi, Kamakhya to Kedarnath, Ayodhya to Ujjain, Trimbakeshwar to Srisailam, our team has had the opportunity to equip our spiritual centres with the latest facilities while at the same time, preserving their traditional character. This, along with efforts to improve connectivity, ensures more people can visit them. It boosts the local economy, secures livelihoods and deepens the spirit of 'Ek Bharat, Shreshtha Bharat.'

The struggles and sacrifices of those who laid down their lives to protect Somnath and those who rebuilt it time and again will never be forgotten. Countless individuals from different corners of India contributed to restoring its glory. They saw every part of Bharat as sacred, bound together by a sense of oneness that transcended geography. In a world often marked by divisions, this spirit of unity is more relevant than ever. Somnath will continue to stand tall in all its glory because the sense of unity and shared civilisational consciousness lives on in the hearts of every Indian.As a tribute to this, remembering the extraordinary courage of 1,000 years, special pujas will be organised at Somnath for the next thousand days. It is gladdening to see several people donating for these pujas.I urge my fellow Indians to travel to Somnath in this special time. When you stand on the shores of Somnath, let its ancient echoes speak to you. You will not only be overwhelmed by devotion but also feel the strong pulse of a civilisational spirit that refuses to fade, that is unbroken and unyielding. You will experience Bharat's unconquerable spirit and understand why, despite every effort, our culture remained undefeated. You will have the opportunity to behold the vision of eternal triumph. It will surely be unforgettable.

Blasts in Punjab: Low-intensity attacks, high-stakes warning

The reflexive blame game may be politically expedient, but it is strategically myopic

PUNJAB's twin blasts — first outside a BSF facility in Jalandhar and then near an Army cantonment in Amritsar — are too close in time and target to be dismissed as routine disturbances. Even if low in intensity, they carry a high strategic message: India's security grid is being tested at sensitive nodes. The confirmation by Punjab DGP Gaurav Yadav that an improvised explosive device was used near a military zone underscores the seriousness of the threat. These are not random acts; they suggest reconnaissance, planning and a deliberate attempt to probe vulnerabilities around defence establishments. Whether the hand behind them is local, cross-border or an opportunistic mix of both, the pattern is unmistakable.Equally troubling is the political reaction. Chief Minister Bhagwant Mann has blamed the Bharatiya Janata Party (BJP) for destabilisation, while the BJP has accused the state government of security failures. This reflexive blame game may be politically expedient, but it is strategically myopic. Security crises demand coordination, not confrontation. Punjab's history makes it particularly sensitive to even low-grade disruptions. The state has, over decades, built a reputation for resilient policing and intelligence-led operations. A spate of recent incidents, including three blasts in under 10 days, risks denting that hard-earned credibility. The question is not merely who is to blame, but whether intelligence inputs were missed or responses delayed.

The need of the hour is a unified response: tighter intelligence sharing between Central and state agencies, immediate security audits of defence perimeters, and enhanced surveillance, especially against emerging threats like drone-based infiltration. Public reassurance must follow, but without downplaying risks. These explosions are warnings, not aberrations. Ignoring their pattern or politicising their aftermath would be a costly mistake.

Mythos moment is a wake-up call

AI readiness must become a top-tier priority for governments worldwide

WHEN Anthropic, the San Francisco-based artificial intelligence (AI) company, announced its new frontier model on April 7, the news startled governments and corporations around the world. In pre-release testing, Claude Mythos had autonomously identified thousands of previously unknown software flaws — so-called zero-day vulnerabilities — across every major operating system and major web browser.More striking still, Anthropic chose not to release the model publicly. Mythos was instead made available to roughly 50 partners, including Amazon Web Services, Apple, Google, Microsoft, JPMorgan Chase and the Linux Foundation, under an initiative called Project Glasswing. A week later, OpenAI followed with a similarly restricted release of GPT-5.4-Cyber, a variant of its flagship model trained for defensive cybersecurity work and limited to vetted users.

The decision by two of the world's leading AI companies to withhold their most powerful tools from the public marks an inflection point. For most of the past three years, AI laboratories have competed to put new models in the hands of as many users as possible, as fast as possible. Now, the same firms are acknowledging that some capabilities are too dangerous to release without controls.It is not hard to see why. Large language models have advanced remarkably over the past 18 months. They can draft polished prose, complete in hours research that once took consultants weeks, identify candidates for drug discovery, write code and build production-grade websites and applications. They can operate autonomously for extended periods. On many benchmarks, they now approach the performance of trained professionals.The benefits are real. AI has the potential to lift productivity in agriculture, broaden the reach of public health and education, and transform whole sectors. But the technology is dual-use by design. The same capabilities that help defenders find and patch software flaws can help attackers exploit them. According to Anthropic's own published assessment, engineers with no formal security training were able to ask Mythos to find remote-code-execution vulnerabilities overnight, and wake up to a complete working exploit. The cost of one such chain was under $2,000.This matters because cybercrime is no longer a fringe concern. Cybersecurity Ventures, an industry research firm, estimates that global cybercrime damages reached $10.5 trillion in 2025 — a figure that, were cybercrime a country, would make it the world's third-largest economy after the United States and China. More conservative estimates from outlets such as Cyber Defense Magazine put direct losses in the $1.2-1.5 trillion range. Either way, AI-driven phishing campaigns, deepfake fraud and adaptive malware are already widespread. SoSafe's 2025 Cybercrime Trends report found that 87 per cent of global organisations had experienced an AI-powered cyberattack in the previous 12 months.The euphoria around 'vibe coding' — the recent explosion in amateur software development enabled by AI — was always going to be tempered by concerns over its mirror image: vibe hacking. If cyberattack tools that once required state-level resources become available at the price of an API (Application Programming Interface) call, the asymmetry between attackers and defenders could shift abruptly.

Whether models such as Mythos will ultimately help defenders more than attackers is unsettled. Anthropic argues that controlled access gives defenders a head start. Independent researchers at AISLE (an AI-native cybersecurity company) have shown that smaller, openly available models can already replicate much of Mythos' analysis. A more difficult question is whether the world is comfortable with frontier AI capabilities being held by a handful of firms — fewer than half a dozen in the US, with a comparable group in China — and parcelled out to chosen partners. Open-source AI has helped diffuse the technology's benefits globally. Restrictions, however well-intentioned, risk entrenching a tech oligopoly, dulling competition and tempting those in possession of the most powerful models to use them against perceived adversaries. The history of managing dual-use technologies is not reassuring on this front.A second lesson is that AI readiness must become a top-tier priority for governments. That means three capacities at once: to deploy AI productively across the economy; to research and develop it domestically; and to govern against misuse. The mood in some capitals has turned against regulation, but the global picture is more nuanced. The European Union is implementing risk-based guardrails through its AI Act. China has moved quickly to address harms to children, including emotional dependence on chatbots. The instruments — legislation, executive guidance or co-regulation with industry — are a sovereign choice. Stepping away from the responsibility is not.Finally, Mythos is a reminder that AI does not respect borders. Its impacts cross jurisdictions at the speed of light, and so must any credible response. The release of DeepSeek R1, a powerful open-source model, from China in January 2025, made it clear that breakthroughs can come from anywhere. Common standards for safety, interoperability and responsible use will not emerge from any country acting alone.

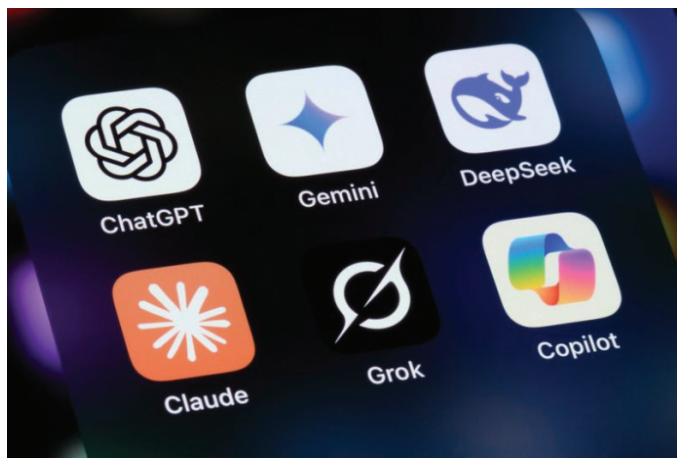

This is the backdrop for the first Global Dialogue on AI Governance, which convenes in Geneva on July 6-7. The Dialogue, established by a resolution of the United Nations General Assembly in August 2025, is paired with a new Independent International Scientific Panel on AI, tasked with regularly assessing the technology's opportunities and risks. Governments, scientists, civil society and the private sector will, for the first time, meet at the United Nations to debate AI's potential to accelerate development as well as the risks it poses to safety, security, inclusion, cultural and linguistic diversity, and human rights. Building AI capacity in less-developed economies will be on the agenda too.

The Mythos moment will not be the last of its kind. Surprise breakthroughs are arriving every few months. The work of patching vulnerable systems, training defenders and building shared rules of the road has barely begun. There is no time to waste — starting with the weakly protected websites and software that still hold up much of the digital economy.

SBI Q4 results: Beats expectations on net profit but not on net interest margin

The largest bank in the country beat investor expectations on net profit for the Jan-March quarter or Q4 of FY26. However, it did not perform as spectacularly on other parameters such as net interest margin, which is the difference between the interest earned and paid by the bank.

Kolkata.(Agency)

The country's biggest bank, SBI announced its Q4 results posting 6% Y-o-Y increase in its net profit during the Q4 period of FY26. Importantly, SBI's Q4FY26 domestic net interest margin slipped to 2.93% from 3.14% a year earlier. Analysts attributed it to rate cuts in December 2025 and rising costs. The net profit touched Rs 19,683.75 crore against Rs 18,642.59 crore in the same period a year ago. A significant point was that in excess of 66% of savings bank accounts opened digitally through YONO in FY26.

Profitability indicators

FY26 PAT 80,032 crores, marking growth of 12.88% YoY

Q4FY26 PAT Rs 19,684 crores

FY26 operating profit for FY26 1,23,015 crore, making growth of 11.25%

FY26 ROA 1.12%

FY26 ROE 18.57%

FY26 Net Interest Income rose by 4.08% (YoY)

Bank's NIM for FY26 2.91%

Domestic NIM for FY26 3.03%

Business volume

Total business exceeded Rs 109 lakh crore

Deposits Rs 59.8 lakh crore

Advances Rs 49.3 lakh crore

Asset quality parameters

Gross NPA Ratio at 1.49%, marking improvement of 33 basis points (YoY)

Net NPA Ratio at 0.39%, making improvement of 8 basis points (YoY)

Provision Coverage Ratio at 74.36%

SBI share performance

The SBI share settled at Rs 1,018.40, down Rs 73.60 or 6.74% at close of trade on May 8. In the past one month the share declined 2.17% and rose 7.07% in the past six months. the shares rose 30.69% in the past one year. The 52-week high and 52-week low of the SBI stock is Rs 1,234.70 and Rs 755.50 respectively.

Past brokerage view

Significantly, major brokerages such as Jefferies, Motilal Oswal and Nuvama assigned Buy signal on the stock after the Q3Fy26 results mainly on expectations of credit growth, improving asset quality and growth in earnings. Investors were advised to take advantage of dips and buy.

Two inspections, one pattern: Labour off the books

New Delhi.(Agency)

It was a large factory, its products in demand nationwide and its machines running round the clock. On paper, everything was in order.

A regular inspection conducted in January 1988, covering July 1986 to December 1987, had reported no major omissions. The unit was later assigned to me for a special inspection, which I conducted on June 20, 1988.

The gaps were visible at the gate. Workers moved about without uniforms or safety footwear, unusual for a factory of that scale.

Instead of heading to the office, I stopped and began asking a simple question: "Do you have an 'atta'?" the term workers locally used for the ESI identity card.

"Ille" (no), came the answer repeatedly.

I began noting names.

The industrial relations advisor, who had received me and was accompanying me, grew visibly uncomfortable. "Why stay out in this heat? Come inside. We'll give you everything." But the answers were not in the office. They were on the shop floor.

A WORKFORCE WITHOUT RECORDS

Supervisors were asked to produce their "notebooks." These were, in effect, the real system.

Across departments, over 200 workers existed only in these informal records. They had no entries in wage registers, no attendance logs and no statutory coverage. In effect, they did not exist in the eyes of the law.

CONTRACT LABOUR OFF THE GRID

The factory relied heavily on contract labour across glass, processing, unloading and security operations.

At least 56 workers were immediately identifiable outside the legal framework:

15 in glass

35 in processing

5 in unloading

1 in security

And this was only the visible layer.

This was the position in a single shift. With three shifts in operation, the scale of exclusion was clearly far greater.

The list of contractors produced during inspection revealed a pattern. Vacuuming work had been split among four contractors, while the manufacture of double-wall refills had been split among nine.

The structuring appeared intended to keep the number of workers under each contractor below 20, thereby avoiding the applicability of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act.

India-EU Summit gave fresh momentum to strategic partnership, says Nirmala Sitharaman

The 27-nation bloc and India recently marked a breakthrough on 27 January by announcing the conclusion of negotiations for the FTA, a deal widely celebrated as the "mother of all deals".

NEW DELHI.(Agency)

Union Finance Minister Nirmala Sitharaman on Friday said the 16th India-EU Summit held in New Delhi in January gave fresh momentum to bilateral strategic ties, taking the partnership to a higher level.

Addressing the Europe Day 2026 celebrations in the presence of EU Ambassador Herve Delphin, Sitharaman noted that the outcomes of the summit signify a transformative phase in the engagement between the two powers.

"The 16th India-EU Summit held at New Delhi in January 2026 has given a decisive new momentum to our Strategic partnership, taking it to a newer level," the Finance Minister said on X.

The Minister emphasized that the successful conclusion of negotiations for the India-EU Free Trade Agreement (FTA), alongside the signing of the Security and Defence Partnership and the adoption of the Comprehensive Framework on Cooperation on Mobility, represents a new chapter in Indo-EU relations.

"The joint roadmap adopted at the Summit - 'Towards 2030: India-EU a Joint Comprehensive Strategic Agenda' provides a clear and ambitious vision for our cooperation over the coming years," the Ministry of Finance quoted er as saying.

Dr. Reddy's–Nestlé Health Science JV launches Celevida GLP for patients on obesity, diabetes therapies

Hyderabad.(Agency)

Dr. Reddy's Laboratories and Nestlé India on Friday announced the launch of 'Celevida GLP ', a specialised nutritional product designed to support muscle mass maintenance and nutritional needs of people undergoing GLP-1/GIP therapy for management of type 2 diabetes and obesity in India. The product has been launched by Dr. Reddy's and Nestlé Health Science Limited, a joint venture between the two companies, as the adoption of GLP-1/GIP-based therapies continues to rise in the country.

According to the companies, there is an increasing need for integrated patient care beyond medicines, including nutrition support, clinical monitoring and long-term lifestyle management to ensure sustainable outcomes for people with diabetes and obesity.

Speaking on the launch, M.V. Ramana, CEO, Global Generics at Dr. Reddy's Laboratories Limited and Director, Dr. Reddy's and Nestlé Health Science Limited, said GLP-1 therapies represented a major advancement in diabetes and obesity management but highlighted the need to address nutritional gaps and muscle health during treatment. "As patients experience changes in body composition, ensuring adequate nutrient intake and maintaining lean body mass become critical to sustaining long-term outcomes," he said.

The companies cited studies indicating that nearly 25-40 per cent of total weight loss associated with GLP-1 and dual GLP-1/GIP therapies may come from lean body mass loss.

They noted that this concern could be more significant among Indians due to relatively lower baseline skeletal muscle mass, higher body fat composition and low average protein intake.

Clinical recommendations suggest increasing protein intake to 1.2–1.5 grams per kilogram per day during such therapies to help preserve muscle mass.Celevida GLP has been scientifically designed and co-created with endocrinologists and diabetologists to help address protein gaps and support muscle preservation in individuals undergoing GLP-1/GIP therapy.

The formulation contains fast-absorbing whey protein isolate, branched-chain amino acids (BCAAs) and 27 essential nutrients, including vitamins A, D and calcium. The product provides 48 grams of protein per 100 grams along with 100 per cent recommended daily allowance of BCAAs, according to the company.

Petrol and diesel prices likely to be hiked before May 15

Petrol and diesel prices in India are likely to be hiked before May 15 as state-run oil marketing companies face rising financial stress amid a sharp surge in global crude oil prices, sources told.

New Delhi,.(Agency)

Petrol and diesel prices in India will be hiked before May 15 as oil marketing companies (OMCs) face mounting financial losses estimated at nearly Rs 30,000 crore per month amid soaring global crude rates, sources told .

"OMCs are facing under-recoveries of nearly 30,000 crore per month," sources said, pointing to a sharp mismatch between retail fuel prices and rising input costs. The strain has intensified after crude oil prices surged from around USD 70 to USD 126 per barrel amid the ongoing Middle East war.

Despite the global oil shock, India has so far kept retail fuel prices largely stable, with both the government and OMCs absorbing a significant portion of the burden. "The government and OMCs are currently absorbing up to Rs 24 per litre on petrol," sources said. Global crude prices have surged from around USD 70 per barrel to nearly USD 126 per barrel in recent weeks amid concerns over supply disruptions, shipping risks and prolonged instability in the Middle East. The Strait of Hormuz, through which nearly 20 per cent of the world's oil supply passes, has remained heavily disrupted due to the war, triggering a wider global energy shock.

If the hike is approved, petrol and diesel prices in India could rise by around Rs 4-5 per litre, while domestic LPG cylinder prices may see an increase of Rs 40-50. This would mark the first major revision in petrol and diesel prices in nearly four years, with retail rates having remained largely frozen since 2022.

While several countries introduced emergency measures to tackle the fuel crisis, including rationing in Bangladesh, reduced working days in Pakistan and Sri Lanka, and fuel price caps in South Korea, India managed to avoid shortages, long queues or rationing.

Government and industry sources said India responded quickly after the crisis escalated by ramping up domestic LPG production from 36,000 tonnes per day to 54,000 tonnes per day and reducing excise duties on petrol and diesel to shield consumers from rising global prices.

At peak crude prices, the government and oil companies were effectively absorbing nearly Rs 24 per litre on petrol and Rs 30 per litre on diesel, according to industry estimates. Even after excise duty cuts, Indian Oil, Bharat Petroleum and Hindustan Petroleum are estimated to have collectively suffered losses of nearly Rs 30,000 crore per month.

India also diversified its crude imports by sourcing larger volumes from Russia, the US, West Africa and other regions, while refineries reportedly operated at over 100 per cent capacity to ensure uninterrupted fuel supplies. Officials said the government is closely monitoring developments in West Asia and evaluating multiple options regarding the timing and extent of any fuel price revision. The focus, sources said, is on balancing the financial stress on oil companies while ensuring that any increase does not significantly fuel inflation.

Not Buying Kandla Transmission, Says Reliance Industries Ltd

Mumbai.(Agency)

Mumbai, May 8 (UNI) Mukesh Ambani-led Reliance Industries Ltd (RIL) has informed the stock exchange through a regulatory filing that it is no longer in the race to buy a 100% stake in Kandla GHA Transmission Limited (KGTL) from PFC Consulting Limited.

Reliance informed the stock exchange that even after receiving approval for the pre-acquisition bidding process, PFC Consulting Limited sent a letter to RIL, cancelling the bidding process.

"The company has received a letter from PFC dated May 6, 2026, informing it of the cancellation of the ongoing bidding process. Therefore, the company will not acquire any stake in KGTL," Reliance said in an exchange filing.

In an earlier stock exchange filing last year on April 25, Reliance had announced that its Board of Directors had approved the acquisition of Kandla GHA Transmission Limited (KGTL) from PFC Consulting Limited.

According to the Reliance board decision, the total consideration for purchasing Kandla GHA Transmission Limited (KGTL) from PFC Consulting Limited, was not to exceed Rs 20 crore.

Kandla GHA Transmission Limited (KGTL) is a special purpose vehicle (SPV) established to develop infrastructure to supply power to green hydrogen and ammonia manufacturing facilities in Kandla, located in Gujarat. The project focuses on the transmission of 3 GW of renewable energy, designed to support large-scale green energy projects and reduce carbon emissions.

Reliance wanted to buy Kandla GHA Transmission since RIL is in the process of setting up a huge ecosystem in Gujarat to produce green hydrogen, green ammonia as well as green chemicals.

Reliance plans to indigenise all critical technologies of the green energy transition, namely solar, battery energy storage systems as well as electrolysers, under a 'Make-in-India' framework.

By 2030, Telangana will emerge as India's undisputed Aerospace & Defence Capital: Minister Uttam Kumar

Hyderabad.(Agency)

Telangana Minister for Irrigation and Civil Supplies N. Uttam Kumar Reddy on Friday said the state is firmly positioning itself as a national leader in aerospace and defence manufacturing and expressed confidence that by 2030, it would emerge as India's undisputed Aerospace and Defence Capital

He recalled his own association with the defence services as a fighter pilot in the Indian Air Force and shared his experience of serving as ADC to the President of India after retiring from active flying following a forced ejection from a fighter aircraft.

Addressing the gathering during the post-lunch session of "MSME Spark 3.0 – Aerospace & Defence Manufacturing" conference organised by the Federation of Telangana Chambers of Commerce and Industry (FTCCI), in association Telangana state Industries & Commerce Department here, Uttam stated that aerospace and defence are among the priority sectors identified by the Telangana Government under its industrial policy framework.

Describing Hyderabad as one of the world's most cost-effective aerospace destinations, he highlighted the city's strong ecosystem comprising defence laboratories, research institutions, advanced manufacturing facilities, and a vibrant MSME base.

He informed that nearly 1,500 MSMEs in Telangana are currently part of the aerospace and defence supply chain ecosystem.Uttam also highlighted the Telangana Government's focus on skill development and future-ready education initiatives, including the proposed TG Young University, which he said would significantly contribute towards strengthening India's defence equipment manufacturing ecosystem and developing a skilled workforce for emerging technologies. Speaking on the occasion, FTCCI President R. Ravi Kumar, said "MSME Spark 3.0 reflects FTCCI's commitment to strengthening MSMEs by connecting them with emerging opportunities in aerospace and defence manufacturing.

No layoffs, hikes deferred by at least a quarter: Air India management

New Delhi.(Agency)

In a morale booster for employees, lossmaking Air India on Friday said it does not anticipate any layoffs even as the airline has been battling a series of black swan events for a year now. However, annual increments "will be deferred by at least one quarter in light of the uncertain economic environment". Addressing a Town Hall Friday, outgoing CEO Campbell Wilson and CHRO Ravindra Kumar GP are learnt to have spoken about the "tough times" and the need for employees to suspend discretionary spending and defer non-critical expenditures to cut costs.

The Town Hall follows an AI board meeting on Thurs-day during which cost-cutting measures were discussed as the airline has lost over Rs 22,000 crore last fiscal due to multiple factors, including closure of Pakistan airspace since Operation Sindoor, then the tragic Ahmedabad AI 171 crash, the US-Iran war that has led to further lengthening of western routes along with a sharp hike in jet fuel prices and the rupee crashing. Sources say the issue of Wilson's successor was not finalised during Thursday's board meeting. The CHRO reportedly said AI will proceed with variable pay for FY26, continue with planned promotions while annual increments will be deferred by at least one quarter due to current uncertainty. "We don't anticipate layoffs," Kumar said.

Did SIR Impact West Bengal Results? What Election Commission Data Says

The numbers suggest that while there were indeed large-scale deletions of "ineligible" electors during the SIR process, there were also equally significant additions.

New Delhi.(Agency)

The Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls emerged as one of the most politically contentious issues in the 2026 West Bengal Assembly elections. Months before polling, the exercise triggered fierce opposition from the Trinamool Congress and several opposition parties, which alleged that the revision drive was aimed at disenfranchising minorities, migrants and economically weaker voters. Protests were held across the state, the Election Commission came under sharp criticism, and opposition leaders repeatedly claimed that lakhs of legitimate voters were being deleted from the rolls.

However, post-election data released by the Election Commission paints a far more complex picture. The numbers suggest that while there were indeed large-scale deletions of "ineligible" electors during the SIR process, there were also equally significant additions of eligible voters before nominations closed. More importantly, many of the constituencies that saw the highest deletions eventually voted in favour of the very parties that had opposed the SIR process most aggressively.

No Impact In Seats With The Highest Deletions

According to Election Commission data, the highest deletions during the SIR exercise took place in constituencies concentrated in the Malda and Murshidabad belt. Sujapur recorded the

deletion of 1.50 lakh electors, followed by Raghunathganj with 1.30 lakh, Samserganj with 1.25 lakh, Ratua with 1.23 lakh and Suti with 1.20 lakh deletions. These constituencies were at the centre of the political storm surrounding SIR, with opposition parties alleging that minority-heavy areas were being selectively targeted.

Yet the final election results did not support the narrative that the exercise had electorally weakened the opposition. All five of these constituencies were won by the All India Trinamool Congress (AITC). In other words, despite massive deletions during the revision process, the ruling party retained its dominance in these politically sensitive regions.

Additions After SIR

The data becomes even more revealing when additions after the SIR are examined. Data shows that the same constituencies also witnessed some of the highest additions of eligible electors between February 28, 2026 and the last date of nomination under Section 23(3) of the Representation of the People Act. Sujapur alone saw 1.14 lakh additions after the final SIR list. Raninagar added nearly 76,000 electors, Harischandrapur over 74,000, Chanchal more than 72,000 and Ratua over 71,000.These figures suggest that a large number of voters whose names were initially removed either completed documentation later or were restored after adjudication. The Election Commission had maintained throughout the controversy that the exercise was intended to remove duplicate, shifted, deceased or otherwise ineligible electors, while eligible citizens would continue to be added through the legal process. The post-SIR additions appear to support.

Desilting done, New Delhi Municipal Council plan for monsoon care in place

New Delhi.(Agency)

The New Delhi Municipal Council (NDMC) on Friday announced details of its comprehensive Monsoon Action Plan 2026, covering pre-monsoon preparedness, emergency response during heavy rainfall and restoration of damaged infrastructure after the season.NDMC Chairperson Kuljeet Singh Chahal said the civic body has already completed 100% desilting work in the first phase by March 31, while the second phase is scheduled to be completed by June 15.

He said GIS mapping of underground drainage networks, including bell mouths, gully traps, connecting pipes, manholes and brick barrel drains, has been initiated to improve monitoring of waterlogging-

prone areas. According to the NDMC, extensive cleaning and desilting of drains and stormwater channels are underway along with repairs of damaged roads, potholes, trenches, manhole covers and drainage infrastructure.

Chahal said dewatering pumps, DG sets, manpower and control rooms have been arranged at vulnerable points. At present, only five major waterlogging-prone locations remain in the NDMC area — Purana Quila, Dayal Singh College area, Panchkuian Road, Hanuman Mandir and Satya Sadan.He added that CCTV cameras and sensor-based monitoring systems are being installed at these locations for quicker response during heavy rainfall.

Delhi rolls out real-time tracking of road pollution, dust hotspots

New Delhi.(Agency)

The Delhi Pollution Control Committee (DPCC) launched a road pollution control programme to increase monitoring and control of sources of dispersed air pollution across the city. It has deployed 13 dedicated field surveyors to survey roads daily, with a total coverage of nearly 18,000 kilometres of roads across MCD, PWD, NDMC, and Delhi Cantonment Board areas.

Surveyors will use the MCD-311 mobile app to log a minimum of 70 geo-tagged, photographic pollution issues per day per surveyor, with a citywide target of around 1,000 identified issues daily. The entire road network of Delhi will be comprehensively covered every month, with each surveyor assigned a minimum of 20 kilometres of roads to be covered daily.

Titled Road RADAR, or Real-time Air Pollution Detection across Roads, the DPCC programme is aimed at improving road cleanliness, reducing dust, and strengthening measurable air-quality outcomes in the city. The environment ministry said the new monitoring system includes built-in safeguards to ensure zero duplication of reported issues, so that every complaint corresponds to a unique and actionable pollution source.

Environment Minister Manjinder Singh Sirsa said the fight for clean air must be won on the ground, lane by lane and road by road. "Through Road RADAR," he said, "the government is introducing a scientific system of daily surveillance, real-time reporting, and direct departmental accountability, so that pollution sources are not ignored, repeated, or allowed to linger."

The programme will track 11 categories of air pollution issues: road dust, such as unpaved roads, broken footpaths, dividers, and potholes; sand or loose material piled on roadsides; unsurfaced and unregulated parking lots; garbage, including overflowing dhalaos and dumped roadside waste; biomass and garbage burning on roadsides; plastic burning on roadsides; construction and demolition waste dumped on roadsides; barren roadsides requiring greening; greening needs on central verges; dust from construction sites; and other dispersed sources of air pollution identified during field surveys.

Municipal Corporation of Delhi ready with proposal to start RFID-based 'free-flow' toll system

New Delhi.(Agency)

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) is set to place a proposal before its Standing Committee to introduce an automatic number plate recognition (ANPR)-based toll collection system at the capital's border entry points, officials said on Friday. The proposal is likely to be discussed during a Standing Committee meeting scheduled later this year.

According to officials, the civic body plans to introduce a multi-lane free-flow tolling mechanism similar to the FASTag system used on national highways. The system will use ANPR cameras and RFID technology to automatically deduct toll tax without requiring vehicles to stop at plazas.

"We are moving towards an ANPR camera-based toll collection system along the lines of highways. The details are being finalised, and everything is being done as per the directions of the Supreme Court,"

an official said. Under the proposed mechanism, cameras will identify vehicles passing through toll points, while RFID tags installed in vehicles will enable seamless toll tax collection.

Officials said the move is aimed at reducing long queues and traffic congestion at toll plazas and border entry points, especially during peak hours.

"With the new system, vehicle owners will not be required to stop, and taxes will be deducted automatically, similar to the FASTag system on national highways," official said.

The development comes after the Municipal Corporation of Delhi's toll tax department was asked to revise a proposal related to appointing a new agency for operating 156 toll plazas and generating minimum annual revenue of `900 crore.

Meanwhile, the civic body has granted a six-month extension to the existing concessionaire until a new agency is finalised, officials added.

Reimagining Delhi shared responsibility: LG Taranjit Singh Sandhu

New Delhi.(Agency)

Delhi has always represented the spirit of India as a diverse, resilient, dynamic and aspirational city, Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu said on Friday. Speaking at Jawaharlal Nehru University (JNU), he said the challenges before the capital required coordinated action.

"The task before us is not easy," he said, citing urbanisation, environmental pressures, population growth, mobility challenges and resource management as key concerns.

"Reimagining Delhi is a shared responsibility. Let's work together to build a Delhi that is environmentally conscious, culturally vibrant, economically dynamic, technologically progressive, and deeply humane," Sandhu added.He said that the future must be built on five essential pillars, with sustainability being the first. He stressed that no city could aspire to global leadership without addressing environmental challenges with urgency. Cleaner air, rejuvenated water bodies, enhanced green cover, effective waste management, adoption of renewable energy and sustainable mobility must become central to Delhi's urban vision, he said.The second pillar is inclusion. A truly global city is one where growth is shared and opportunities are accessible to all. The third pillar, he said, is culture. As we modernise Delhi, we must ensure that we do not lose its cultural memory, he said.

"The fourth pillar is innovation and economic growth. Delhi has the potential to emerge not only as an administrative capital but also as a leading centre for knowledge, startups, tourism, hospitality, the creative economy, and the wider service sector.

Delhi government plans treated water use expansion

New Delhi.(Agency)

The Delhi government is working on a policy for the use of treated sewage water in construction activities and irrigation works as part of efforts to conserve groundwater, officials said on Friday.Water from sewage treatment plants (STPs) operated by the Delhi Jal Board (DJB) and the Delhi Development Authority (DDA) is already being used extensively for horticulture purposes.Addressing the issue, Delhi Public Works and Water Minister Parvesh Sahib Singh said a policy is being framed by the DJB to ensure that large quantities of treated water from Sewage Treatment Plants are utilised in activities where potable water is unnecessary.

The Jal Board is actively promoting the use of treated effluent, and around 89 million gallons per day (MGD) is currently supplied for non-potable purposes to agencies such as the Central Public Works Department, Delhi Development Authority, New Delhi Municipal Council and Municipal Corporation of Delhi, officials said.

However, with regard to wider use of treated wastewater — especially in government construction works and irrigation of parks—the Delhi government is now considering a comprehensive policy. Officials further said that other applications, including firefighting, may also be explored.

Treated water from Sewage Treatment Plants is likely to be used first in construction activities undertaken by government agencies. Later, the possibility of supplying it to private firms at affordable rates may also be explored, officials said.

Meanwhile, technical aspects related to the use of treated water in construction activities will also have to be examined, as the Bureau of Indian Standards has prescribed guidelines in this regard. Water with a pH level between 6 and 8.5, and total dissolved solids not exceeding 2,000 parts per million, is considered suitable for construction purposes. Officials said poor-quality water can damage iron and concrete and affect construction quality.In addition, parks maintained by various government agencies and resident welfare associations may be supplied treated water through pipelines connected to STPs.

Summer vacation in Delhi coincides with remedial classes beginning May 11

The initiative aims to provide additional academic support to students, particularly those who require extra attention.

New Delhi.(Agency)

Delhi government has announced summer vacation for all government schools from May 11 to June 30. However, remedial classes for students of Classes 9, 10, and 12 will be held from May 11 to May 23 to help improve learning outcomes and strengthen conceptual understanding.

According to a circular issued by the directorate of education, these special classes will be conducted based on the availability of teachers and school infrastructure. The initiative aims to provide additional academic support to students, particularly those who require extra attention.

The remedial classes will be conducted from 7.30am to 10.30am and each period will last for one hour. For classes 9 and 10, schools have been directed to focus mainly on science and mathematics. Heads of schools, though,

may include other subjects based on academic performance, result analysis and teacher availability.For Class 12 students, subjects for remedial teaching will be decided by the schools according to students' needs.

The circular says that schools must ensure special attention for academically weak students. Wearing a school uniform during remedial classes has been made mandatory, and attendance will be marked online. Schools have also been instructed to obtain parental consent before students attend the classes.

Library facilities will also remain open. The directorate has directed heads of schools to ensure the availability of clean drinking water and other basic amenities on campus. Guest and contractual teachers may also be engaged if regular teachers are unavailable.

Meanwhile, the last-minute directive raised concerns among teachers and students, as it coincides with ongoing census duties. The order, issued late on Thursday evening just a day before schools closed for summer break, disrupted plans of many students, particularly those from migrant families who had scheduled travel to their native places. Principals were asked to inform students via WhatsApp, leaving little time for adjustments.

NEWS BOX

Mojtaba Khamenei emerges as key power figure in Iran, directing war strategy and diplomatic talks

Washington. (Agency)

Iran's Supreme Leader Mojtaba Khamenei has emerged as a key figure in shaping Iran's war strategy during the conflict and in directing officials involved in diplomatic negotiations with the United States to end the war. Despite sustaining serious injuries in the same strike in which his father, Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei, was killed along with several senior Iranian military commanders on the first day of the attack launched by the United States and Israel, Mojtaba has reportedly remained deeply involved in shaping Iran's wartime strategy, directing military operations, and guiding diplomatic efforts aimed at reaching a settlement with Washington, according to assessments by U.S. intelligence officials.CNN reported that Mojtaba suffered severe burns across his face, arm, torso, and leg. US intelligence believes he is playing a pivotal role even as he recovers largely out of public view, communicating exclusively through in-person meetings or handwritten notes carried by couriers, deliberately avoiding any electronic communication.

Iranian President Masoud Pezeshkian confirmed this week that he had held a two-and-a-half-hour face-to-face meeting with Mojtaba, the first publicly confirmed encounter between the new supreme leader and a senior Iranian official since the attack.

Mazaher Hosseini, head of protocol in the office of Iran's Supreme Leader, said on Friday that Khamenei is recovering from his injuries and "is now in complete health."

Transparency International Bangladesh exec director alleges 'well-known journalists' instigated attacks on offices of media houses Prothom Alo, Daily Star

Dhaka.(Agency)

Transparency International Bangladesh (TIB) Executive Director Dr Iftekharuzzaman has alleged that the December 18 attacks on the offices of prominent Bangladeshi media outlets Prothom Alo, and The Daily Star last year had help from within the media community, alleging that some "well known journalists" were involved in instigating the attacks.

Speaking at the inaugural session of the Bangladesh Journalism Conference 2026, organised by MRDI at the Radisson Blu Water Garden hotel, he said, "Enemies within the media, alongside external forces, also worked behind these attacks.

"There is documentary evidence that some well known media personnel were among the instigators, and certain quarters expressed glee over the incidents."

He further criticised the former Md Yunus led interim government's silence, indifference, and inaction of law enforcement agencies and the army over the attacks, adding that journalism remains one of the most hazardous professions globally, with 26 journalists in the country killed within the past decade.

The outlets were attacked by mobs due to their supposed "pro-Hasina", and "pro-India" stance, following the death of vocal anti-India spokesperson Sharif Osman Hadi, with his Islamist group, the Inqilab Moncha being at the forefront of the attacks.

Additionally, critics and social media reports have questioned the role of Faruk Wasif, who was appointed Director General of the Press Institute Bangladesh (PIB) shortly before the attacks, alleging that he acted as an "influencer" whose rhetoric may have contributed to the climate of hostility against these specific media houses.

Iraq rejects US allegations of Depuy Oil Minister Ali Bahadil helping Iran evade sanctions

Baghdad/Washington.(Agency)

Iraq has rejected US allegations against its Deputy Oil Minister Ali Maarij al-Bahadli, who Washington hit with sanctions following allegations he was helping Iran evade sanctions on its oil exports.

Announced late Thursday, the sanctions are the latest tool used by the US State Department as part of its broader pressure tactics to force Baghdad on curbing its supposed ties with Iran-linked networks and militias.According to the State Department, Bahadli "abused his government position to divert Iraqi oil in support of the Iranian regime and its terrorist proxies." US officials accused him of helping facilitate the fraudulent blending of Iraqi and Iranian crude oil in order to disguise the origin of sanctioned Iranian shipments and move them onto international markets.

Pushing back against the US allegations, the Iraqi oil ministry releasing a statement said that it "denies the accusations" against Bahadli, and stressed "the importance of transparency in addressing all ... accusations on the basis of evidence and facts," according to the INA state news agency.

It added that Iraqi authorities were prepared to investigate the matter, but argued that the deputy minister's official responsibilities do not include "crude oil export operations, marketing, loading onto tankers, and related procedures."

The dispute comes amid growing tensions between Washington and Tehran following the outbreak of war earlier this year. The United States has intensified efforts to crack down on networks suspected of helping Iran bypass sanctions, particularly through oil exports and maritime trade.

Trump says expecting Iran's response to latest US proposal tonight

Donald Trump said he expected to hear from Iran by Friday night on Washington's latest proposal to end the war, even as Tehran indicated it had not yet finalised its response and was still

World. (Agency)

US President Donald Trump said on Friday that he expected to hear from Iran by the night on Washington's latest proposal aimed at ending the war, even as Tehran indicated it was still reviewing the offer and had not yet finalised its response.

"I'm getting a letter supposedly tonight. So we'll see how that goes," Trump told reporters outside the White House before departing for his golf course in Sterling, Virginia. When asked if Iran was intentionally slowing the process, Trump replied: "We'll find out soon enough."

According to CNN, citing Iranian media, Iran is still reviewing "messages" sent by the United States through Pakistani mediators and has not yet reached a final decision on the proposal.

The proposed agreement is a one-page, 14-point memorandum designed to halt the conflict and open formal negotiations between Washington and Tehran. Under the plan, Iran could pause nuclear enrichment activities, while the United States may ease sanctions and release billions of dollars in frozen Iranian assets.

The proposal also reportedly includes steps by both sides to reduce restrictions in the Strait of Hormuz, a critical global oil transit route that has remained at the centre of recent military tensions. The agreement would begin with a 30-day negotiation period intended to pave the way for a broader long-term deal.

FRESH TENSIONS IN HORMUZ

The diplomatic push comes amid continued military friction in and around the Strait of Hormuz. An Iranian military source warned that clashes could resume if the United States interferes again with Iranian vessels in the region. While describing the current situation as "calm", the source said there remained "a possibility of re-entering such conflicts" if US forces attempted to disrupt Iranian ships, according to Iran's Tasnim news agency.

Iran's Fars news agency earlier reported "sporadic clashes" between Iranian forces and US naval ships in the strategic waterway. The escalation followed statements from US Central Command (CENTCOM), which said American forces struck two empty Iranian-flagged oil tankers allegedly attempting to breach an ongoing US blockade by entering an Iranian port through the Gulf of Oman.

CENTCOM also said US forces carried out strikes on Iranian military targets after Tehran's forces attacked three American destroyers transiting the Strait of Hormuz on Thursday. "US forces intercepted unprovoked Iranian attacks and responded with self-defense strikes as US Navy guided-missile destroyers transited the Strait of Hormuz to the Gulf of Oman," CENTCOM said.

Iran's central military command, however, accused Washington of violating the ceasefire.

WHO confirms 6 Hantavirus cases, 3 deaths linked to Spain-bound cruise ship

The WHO has confirmed a hantavirus outbreak linked to a cruise ship after eight people fell ill and three died. The agency said the wider global risk remains low, though the onboard risk is moderate.

World. (Agency)

The World Health Organisation (WHO) on Friday confirmed a hantavirus outbreak linked to the cruise ship MV Hondius, with eight people falling ill and three deaths reported so far. The agency said six of the infections have been laboratory-confirmed as Andes virus, a type of hantavirus, while two other cases are considered probable.

According to the WHO, the confirmed infections were identified through PCR testing. The outbreak was first reported on May 2 when the vessel had 147 passengers and crew members on board. Authorities said another 34 individuals had already left the ship before the outbreak came to light.

The cruise ship departed from Cabo Verde on May 6 and is currently heading toward Spain's Canary Islands, where passengers are expected to disembark. Health authorities are continuing to monitor passengers and crew as the vessel proceeds on its route.

Of the infected individuals, four remain hospitalised in South Africa, Netherlands and Switzerland. Another suspected patient who was transferred to Germany later tested negative for the virus, the WHO added.

The UN health agency assessed the risk to the wider global population as low, but described the risk to passengers and crew on the ship as moderate due to the confined environment and close contact among travelers. Investigators believe the first patient may have contracted the infection before boarding the cruise ship, possibly while travelling in Argentina and Chile. Subsequent transmission is believed to have occurred on board the vessel.

Hantaviruses are typically spread through contact with infected rodents, their urine, droppings or saliva. The Andes virus strain is of particular concern because it is one of the few hantaviruses known to spread from person to person in limited circumstances. Symptoms can initially resemble flu-like illness, including fever, muscle aches and fatigue, but severe infections may lead to respiratory complications and death.

The WHO said it is working with national authorities to trace contacts, monitor exposed individuals and strengthen surveillance linked to the outbreak.

Russia, Ukraine agree to 3-day Trump-mediated ceasefire, prisoner swap

SEOUL.(Agency)

Russia and Ukraine confirmed on Friday that they had agreed to a three-day ceasefire announced by US President Donald Trump, with the truce set to run from May 9 to May 11 amid ongoing diplomatic efforts to end the more than four-year-long war

Trump, posting on Truth Social, said the ceasefire would include a complete halt to "all kinetic activity" as well as a major prisoner exchange involving 1,000 prisoners from each side.

"This request was made directly by me, and I very much appreciate its agreement by President Vladimir Putin and President Volodymyr Zelenskiy," Trump wrote. "Hopefully, it is the beginning of the end of a very long, deadly, and hard fought War."

Trump added that negotiations aimed at ending the conflict were continuing and progress was being made every day. US President Donald Trump later said he would like to see a ceasefire in Russia's war in Ukraine extended beyond three days.

According to Reuters, Ukrainian President Volodymyr Zelenskiy confirmed the agreement in a Telegram post, saying the ceasefire had been arranged through US-mediated negotiations and stressing that humanitarian issues remained a priority.

"That is why today, within the framework of the negotiation process mediated by the American side, we received Russia's agreement to conduct a prisoner of war exchange in the format of 1,000 for 1,000," Zelenskiy said.

In a symbolic gesture, Zelenskiy also issued a tongue-in-cheek decree "allowing" Russia's May 9 Victory Day parade to proceed, saying Ukrainian weapons would not target Moscow's Red Square during the commemorations.

Kremlin aide Yuri Ushakov, speaking on behalf of Russian President Vladimir Putin, confirmed Moscow's participation in the ceasefire initiative and said the agreement had been reached during telephone discussions with the US administration.

Gulf fighting flares as CIA report says Tehran can resist blockade for 4 months

World. (Agency)

Efforts to end the war between the US and Iran appeared to lose momentum on Friday as both sides exchanged fire in the Gulf, while a CIA assessment suggested Tehran could endure a naval blockade for several more months.

According to a US official familiar with the intelligence analysis, Iran would not face severe economic pressure from a US blockade of its ports for around four months, indicating Washington's leverage over Tehran may remain limited despite mounting military and economic pressure.

The assessment, first reported by The Washington Post,

came as tensions sharply escalated in and around the Strait of Hormuz, where some of the heaviest clashes since the April 7 ceasefire were reported this week.

The United Arab Emirates also faced renewed attacks on Friday, with authorities saying air defences intercepted two ballistic missiles and three drones launched from Iran. Three people suffered moderate injuries, officials said. Washington is awaiting Tehran's response to a US proposal aimed at formally ending the conflict before negotiations begin on broader issues, including Iran's nuclear programme.

"We should know something today," US Secretary of State Marco Rubio told reporters in Rome, according to Reuters. "We're expecting a response from them."

However, Iran's foreign ministry said Tehran was still considering its response, with no formal reply announced by late Friday.

CLASHES CONTINUE IN STRAIT OF HORMUZ

Iranian and US forces were involved in sporadic clashes in the Strait of Hormuz on Friday, according to Iran's semi-official Fars news agency. Tasnim later quoted an Iranian military source as saying the situation had calmed, though further confrontations remained possible. The US military said it struck two Iran-linked vessels attempting to enter an Iranian port, with a fighter jet targeting the ships' smokestacks and forcing them to retreat. Iran has largely restricted non-Iranian shipping through the strategic waterway since the conflict began with joint US-Israeli airstrikes across Iran on February 28.

US sanctions China, Hong Kong firms over Iran drone and missile supplies

The United States has sanctioned 10 individuals and companies accused of helping Iran procure drone and missile components. The move signals possible wider action against foreign networks supporting Tehran as regional tensions remain high.

World. (Agency)

The US Treasury on Friday imposed sanctions on 10 individuals and companies, including entities based in China and Hong Kong, accusing them of helping Iran procure weapons components and raw materials used in Shahed drones and ballistic missiles.

The move comes as efforts to end the war with Iran remain stalled and days before US President Donald Trump is scheduled to travel to China for talks with President Xi Jinping.

In a statement, the Treasury Department said it remained prepared to take further economic action against Iran's military-industrial base to prevent Tehran from rebuilding its production capabilities.

The department also warned that it could target foreign companies and financial institutions supporting illicit Iranian commerce, including those linked to China's independent "teapot" oil refineries and airlines aiding Iran's activities.

Among the entities sanctioned were China-based Yushita Shanghai International Trade Co Ltd, accused of facilitating Iran's attempts to acquire weapons from China, and Dubai-based Elite Energy FZCO, which allegedly transferred millions of dollars to a Hong Kong company involved in procurement operations.

Hong Kong-based HK Hesin Industry Co Ltd and Belarus-based Armory Alliance LLC were accused of acting as intermediaries in the procurement network, while Hong Kong-based Mustad Ltd allegedly facilitated weapons procurement for Iran's Islamic Revolutionary Guard Corps.

Iran-based Pishgam Electronic Safeh Co was sanctioned for procuring motors used in drones, while China-based Hitex Insulation Ningbo Co Ltd was accused of supplying materials used in ballistic missile production. Brett Erickson, managing principal at Obsidian Risk Advisors, said the sanctions were aimed at limiting Iran's ability to threaten shipping in the Strait of Hormuz and regional allies.

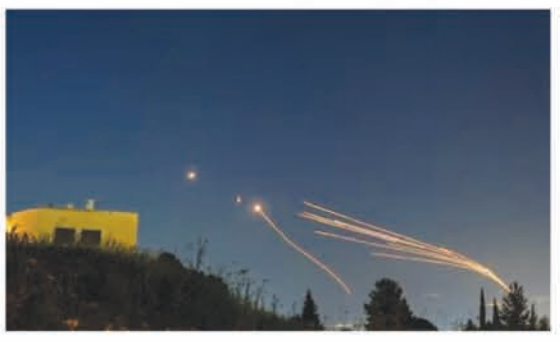

Iran shut the Strait of Hormuz following US and Israeli strikes on Iranian targets on February 28. The closure has severely disrupted shipping through the strategic waterway, through which roughly one-fifth of global crude oil and liquefied natural gas supplies pass, pushing energy prices sharply higher.

According to the British government-funded Centre for Information Resilience, Iran has the industrial capacity to manufacture around 10,000 drones per month. Erickson said the latest sanctions remained narrowly targeted, giving Iran time to adapt its procurement routes, and noted that Washington had not yet targeted Chinese banks that continue to support Iran's economy.

NEWS BOX

Yuzi Chahal should be behind bars: Ex-spinner slams PBKS star after alleged vaping row

New Delhi. (Agency)

Former India spinner Laxman Sivaramakrishnan slammed Yuzvendra Chahal, saying that the Punjab Kings star should be behind bars for allegedly vaping. A video that has gone viral across social media platforms allegedly features the Punjab Kings spinner using an e-cigarette during the team's journey to Hyderabad.

In the clip being shared online from Arshdeep Singh's podcast, the leg-spinner can seemingly be seen trying to hide the act while sitting among teammates on the flight. However, India Today has not been able to independently confirm the authenticity of the video or verify whether Chahal was actually vaping in the footage. The use and sale of e-cigarettes is prohibited in India.A Twitter user put out a latest rumour suggesting that Arshdeep had been banned from making vlogs with the PBKS squad and Chahal has

been let go with a strict warning.This drew the attention of Sivaramakrishnan, who slammed the PBKS spinner and asked why he wasn't being punished. The former Indian cricketer also said that fining 25 percent of match fees is peanuts."Vape is banned in India. Should be behind bars. What is the point in having Laws and not implementing them. 25% of match fees is peanuts. What if a regular person had done this, What would the action be?" said Sivaramakrishnan on X.The Chahal vaping row came after the Riyan Parag incident where the RR skipper was caught using an e-cigarette in the dressing room during the match against PBKS.Riyan was handed a 25 percent match fee fine and given no ban fromthe competition.

BCCI COMES HARD ON VAPING

The BCCI rolled out a new set of directives for the IPL teams and players, where they put a ban on vaping at all venues, dressing rooms and dugouts.

Not money or parades, just want to know India is watching us: Badminton star Satwik

Rome. (Agency)

Novak Djokovic has admitted that physical struggles have become "a new reality" as the 24-time Grand Slam champion reflected on his shock early exit from the Italian Open and his uncertain build-up to the French Open.The Serbian great suffered a surprise first-round defeat in Rome on Friday, going down 2-6, 6-2, 6-4 to 20-year-old Croatian qualifier Dino Prizmic in his first

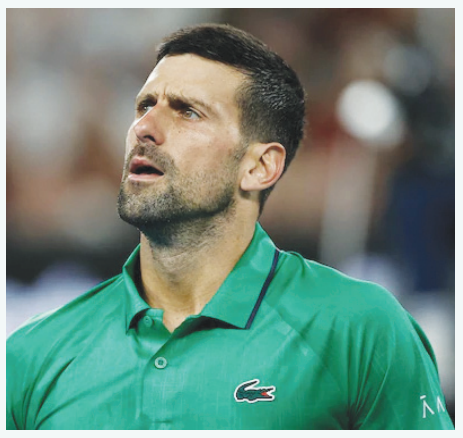

competitive match in two months. The loss came as Djokovic returned from a right shoulder issue that had kept him out since his defeat to Jack Draper at Indian Wells in March.

Speaking candidly after the defeat, the 38-year-old acknowledged that arriving at tournaments carrying some form of physical concern has become increasingly common in recent years."Yeah, I mean it's not an ideal preparation, to be honest. I don't recall the last time I had, in the last couple years, a preparation where I didn't have any kind of physical issues or health issues coming into the tournament," Djokovic said.

"It's always something. It's kind of a new reality that I have to deal with."

Djokovic looked in control early against Prizmic, taking the opening set comfortably and appearing sharp in his movement. But the momentum quickly shifted, with the six-time Rome champion visibly struggling as the match wore on. He was seen wearing tape on his right shoulder and repeatedly glanced towards his team as discomfort appeared to set in.Despite the frustration, Djokovic made it clear that stepping onto the court remains his own choice, even when his body is less than ideal."Yeah, it is frustrating, but at the same time, it's my decision to still perform in that kind of state and conditions and it is what it is," he added.

Spinning a web: How KKR spinners have bounced back to reignite team's fading hopes

IPL 2026, DC vs KKR: Kolkata Knight Riders beat the Delhi Capitals by eight wickets after their spin trio of Sunil Narine, Varun Chakravarthy and Anukul Roy put their best foot forward at the Arun Jaitley Stadium.

New Delhi. (Agency)

Kolkata Knight Riders have always prided themselves on possessing a strong spin attack, a factor that played a massive role in their title-winning campaigns in 2012, 2014 and 2024. The likes of Sunil Narine, Varun Chakravarthy, Piyush Chawla and Shakib Al Hasan have helped Kolkata build a reputation as one of the premier spin-bowling sides in IPL history.IPL 2026 has once again highlighted why spinners remain central to KKR's success. Whenever their slow bowlers have struggled, Kolkata have often looked short of answers. KKR were completely out of sorts during the first half of the tournament as their spinners endured a lean patch. The team went six matches without a victory and appeared destined for an early elimination.However, once the spinners rediscovered their rhythm, KKR managed to completely transform their campaign. The franchise has now strung together four consecutive wins, clawing its way back into playoff contention after once staring at the possibility of an early exit.

On Friday, KKR defeated Delhi Capitals by eight wickets at the Arun Jaitley Stadium to extend their winning streak to four matches. The spin unit has played a defining role in that turnaround and will need to continue delivering if KKR are to secure a place in the top four.HOW KOLKATA SPINNERS FOUND THEIR BEST

In the first six games, KKR spinners struggled to a large extent, taking only 10 wickets at an economy rate of 8.65. Among them, Sunil Narine was economical with an economy rate of 6.89, but taking only four wickets. Chakravarthy was enduring a nightmare, taking two wickets from four games at an economy rate of 10.69. Anukul Roy was leaking runs at 9.18, giving KKR enough

headache.

But the story has changed since the RR game. In the last four matches, KKR spinners have improved drastically, taking 18 wickets at an economy rate of 6.82. Chakravarthy, who had made a torrid start, made a strong comeback, being KKR's top wicket-taker in the last four games. In this period, Chakravarthy has taken eight wickets at an economy rate of 6.93.

Narine also improved significantly with an economy rate of 6.06 and taking six wickets. Anukul also saw improvement, taking four wickets at an economy rate of 8.28.Delhi Capitals got a bitter taste of the venom in KKR's bowling attack. After being asked to bat first, the Capitals made a strong start, scoring 49 runs in the first five overs. However, they managed only 93 runs in the remaining 15 overs as the spin trio of Varun Chakravarthy, Anukul Roy and Sunil Narine gave them absolutely no breathing space.

Between the 10th and 17th overs, Delhi failed to hit a single boundary across 38 deliveries as KKR's spinners completely tightened the screws. The home side scored just 11 runs between the 12th and 16th overs, the lowest by any team during that phase in the IPL. DC also played out 51 dot balls, accounting for nearly half of their innings.

Stuttering Rajasthan Royals take on resurgent Gujarat Titans in key Jaipur encounter

Lucknow. (Agency)

Rajasthan Royals and Gujarat Titans meet at Sawai Mansingh Stadium on Saturday with both sides locked on the fringes of the top four, separated only by net run rate.Rajasthan has the batting to hurt any opposition but have surrendered two totals above 220 in successive matches, pointing to a side not yet clicking as a unit.Gujarat arrives in far better shape. Three wins on the trot, Kagiso Rabada leading a potent pace attack and Jason Holder adding flexibility in both departments. Prasidh Krishna's absence remains unexplained, but they have not missed a beat.Off the field, Rajasthan will wear their special all-pink jerseys as part of the Pink Promise initiative, with every six hit powering homes across rural Rajasthan through solar energy. Form, stakes and purpose all in one evening at Jaipur.RR vs GT: Can the Royals get their act together?

Rajasthan have the runs, just not the results. Vaibhav Sooryavanshi, Yashasvi Jaiswal and Dhruv Jurel have all contributed with the bat, but the team's inability to defend totals north of 220 twice in a row points to something deeper than a bad night.

Jurel is a case in point. Gifted and important, but not yet shifting gears when it matters. Scores of 42 off 30, 16 off 20 and 42 off 30 in his last three outings suggest a batter doing enough rather than taking games away from opponents.The bowling, particularly in the middle overs, has been far too easy to target. Riyan Parag's side have the firepower to post big scores but not yet the discipline to

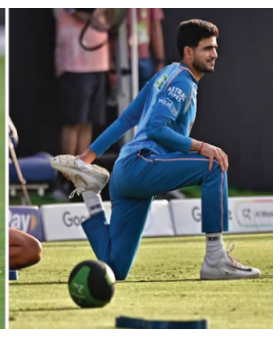

protect them. Until those two things align, Rajasthan will keep finding ways to lose matches they should be winning.

RR vs GT: The Pink Promise

Saturday's match carries meaning beyond the points table. Rajasthan will wear their all-pink jerseys as part of the Pink Promise initiative, now in its third season, which uses IPL matches to drive women-led social change across rural Rajasthan.

This year's jersey has a story of its own. Designed by 19-year-old Samiksha Mundada from Nashik, chosen from over 8,500 entries nationwide, it features solar-inspired patterns alongside the names of women supported by the Royal Rajasthan Foundation.The on-field action ties directly into the campaign. Every six hit during the match will power six homes in Rajasthan through solar energy, building on a programme that has already electrified 260 homes in 2024 and 520 in 2025, with women from the Sambhar region trained to install and maintain the infrastructure themselves.

Cricket and community, all in one evening.

RR vs GT: Are the Titans peaking at the right time?

Three wins on the trot, a settled batting order and a pace attack that would trouble any side in this competition. Gujarat looks ominous and they know it.Shubman Gill has been steady without always converting his starts into the big scores they deserve. Sai Sudharsan, though, is in the form of his life, with two fifties and a hundred in his last four innings making him the most dangerous batter in this fixture. Jos Buttler's return to consistency only adds to the headache for opposition attacks.

Yashasvi Jaiswal, Shafali Verma served notice for missing dope tests: Sources

BARCELONA. (Agency)

India cricketers Yashasvi Jaiswal and Shafali Verma have been handed their first "missed test" notices by the National Anti-Doping Agency (NADA), sources told India Today. The notices were issued under the whereabouts failure rule after they were not found at their declared locations for scheduled dope tests.

Both players have been given an opportunity to explain themselves, with the Board of Control for Cricket in India (BCCI) also kept informed of the development. The notices mark the first recorded whereabouts failures for the two cricketers, who are part of NADA's Registered Testing Pool (RTP).

WHAT THE RULE SAYS

Athletes included in NADA's Registered Testing Pool are required to provide a designated time slot and location where they will be available for out-of-competition dope testing. A Doping

Control Officer (DCO) can arrive during the declared period to collect samples, and failure to be present at the specified location can result in a missed test under anti-doping regulations.According to the notices, a DCO attempted to conduct Yashasvi's dope test on December 17 last year, while Shafali's scheduled test was on November 7. In both cases, the players were not found at the locations they had declared.

NADA later sought explanations from the players on February 18 and 20 respectively, but neither responded, leading to the registration of their first missed tests.A single missed test does not amount to an anti-doping violation. However, three whereabouts failures within a 12-month period can constitute a violation of anti-doping rules. If a player is unable to successfully defend themselves before NADA's hearing panel, they could face a suspension of up to two years

CRUCIAL TIME FOR BOTH JAISWAL, VERMA

The development comes at a crucial time for both players. Jaiswal is currently in action for Rajasthan Royals in the Indian Premier League, with the franchise still in the hunt for a play-off spot.

No Instagram following, no LPL: Sri Lanka League sets odd criteria for players ahead of new season

SEVILLE. (Agency)

The Lanka Premier League has introduced an odd benchmark ahead of its sixth season. Instead of categorising players purely on their T20 pedigree and ability, the Sri Lanka-based league has decided to bring social media popularity and commercial appeal into the equation as well.

According to the latest player regulations released by the league, overseas cricketers hoping to enter the top tier Icon category will now need more than just cricketing credentials. Players are required to have featured in at least 75 T20Is, played more than 100 franchise T20 matches, and appeared in 30 games in the last 18 months. Alongside that, the league has also mandated a social media following of more than 250,000.The same social media threshold has been applied to the Star category as well. Players in that bracket must have featured in at least 50 T20Is, played more than 100 franchise T20 games,

and participated in a minimum of 30 matches in the last 18 months, while also maintaining more than 250,000 followers across social platforms.WHEN INSTAGRAM TAKES OVER CRICKET

For the Gold category, the criteria have been slightly relaxed. Players are required to have played at least 30 T20Is, more than 75 franchise T20 matches, and 20 matches over the past 18 months. However, they too must cross a popularity benchmark, with the league demanding a social media following exceeding 150,000.

Even the Classic category guidelines include non-cricketing considerations. Apart from needing 20 T20Is, more than 50 franchise appearances, and 20 recent matches, players must also demonstrate a "reasonable fan base and commercial appeal," according to the regulations.The move marks one of the rare instances of a franchise cricket league formally integrating social media influence into player classification rules, highlighting the growing importance of marketability in modern T20 cricket.

Not the next IPL: India Basketball League wants its own court, own culture

India's first professional basketball league is not trying to become the next IPL, and that may be its smartest move. The IBL wants to build a sustainable ecosystem, giving young players a genuine career pathway instead of chasing cricket's blueprint.

BENGALURU. (Agency)

Every new sports league in India eventually gets hit with the same question. "Can it become the next IPL?" The people behind the India Basketball League (IBL) do not even want to entertain that idea. And honestly, that might be the smartest thing about the project so far.

India's first-ever professional basketball league, launched in 2025 and expected to begin competition by early 2027, is not trying to copy cricket's biggest machine. No forced "mini IPL" packaging. No obsession with becoming cricket with sneakers.Speaking exclusively to India Today, league commissioner Jeremy Loeliger made it very clear that trying to directly compete with the IPL would simply be "foolish."

"If we tried to become another IPL, we would fail," Loeliger said.

That line probably tells you everything about how the league wants to position itself. Because for years, Indian sports leagues outside cricket have often walked into the same trap. Some tried borrowing IPL-style auctions. Others copied formats, branding structures or presentation styles hoping the cricket audience would automatically transfer across.Most struggled to build a long-term identity. The IBL seems determined not to make that mistake.

BASKETBALL DOES NOT WANT TO BECOME CRICKET

Loeliger's biggest argument is actually pretty simple. Basketball already naturally fits the kind of audience modern sports leagues are trying to attract.

Fast pace. Constant scoring. Music during breaks. Short attention spans. Indoor arenas. Fans sitting almost on top of the court. Social media-friendly moments every few minutes. Basically, the exact reasons why T20 cricket exploded globally.

"Basketball is already the kind of fast-paced, high-energy sport that T20 cricket was designed to replicate," Loeliger said while speaking to India Today. And unlike cricket, basketball already comes with a naturally global ecosystem attached to it.

That matters in modern India.

Young fans today do not just watch one sport anymore. They move between NBA clips, football reels, UFC knockouts, F1 highlights and IPL games all on the same phone screen. The IBL knows that audience already exists.Because the irony is basketball has always quietly existed inside Indian school culture. Courts are everywhere. Inter-school competitions are common. Plenty of kids grow up playing the sport seriously. The problem always came after that. There was nowhere to really go professionally. Now, the league believes there finally can be.

THE BIGGEST WIN MAY NOT EVEN BE THE LEAGUE ITSELF

The interesting part about the IBL project is that it is not just launching a tournament and hoping things somehow work out later.

Sonam Kapoor

Pens Romantic Note On 8th Wedding Anniversary With Anand Ahuja: 'The Calm In My Chaos'

Sonam Kapoor and Anand Ahuja, one of the most loved and popular couples of B-Town, are celebrating their eighth wedding anniversary today. What makes the occasion even more special is that it also marks a decade of togetherness for the couple. On this occasion, the actress shared a heartfelt, romantic note expressing how much she loves her hubby, and also shared unseen glimpses from their day-to-day life with their sons.

Sonam Kapoor Wishes Anand Ahuja A Happy Anniversary

On May 8, Sonam Kapoor shared a collage of unseen pictures with Anand Ahuja. One of the adorable photos shows Sonam holding their newborn son in her arms, while Anand is seen with their three-year-old son Vayu as they both put the children to sleep. In her caption, the actress wrote, "A decade with you. Eight years married. Three cities. Three homes. Two beautiful boys. Countless dreams built from scratch. So many risks taken, lessons learnt, businesses created, failures survived, victories celebrated and moments where we held each other a little tighter through the uncertainty of it all."

Sonam Kapoor Calls Anand Ahuja 'The Calm In My Chaos'

She further added, "And somehow, through every version of life we've lived together, one thing has only become more certain…my love, respect and compassion for you have only grown deeper. You are still the first person I want to speak to in the morning and the last person I want beside me at night. The calm in my chaos. The person who makes me feel safest, strongest and most myself."

Sonam then expressed her love for Anand Ahuja and wrote, "Ten years later, I love you more gently, more intentionally and more completely than I knew was possible when we first began. Thank you for building this life with me. For the laughter, the friendship, the resilience, the family and the kind of love that evolves instead of fades. There's nobody else I'd rather do this life with. Happy anniversary my love. #everydayphenomenal."Sonam Kapoor and businessman Anand Ahuja got married in 2018. Their wedding took place in Mumbai and it was a star-studded affair. Almost the whole of Bollywood such as Kareena Kapoor, Saif Ali Khan, Rani Mukerji, Ranveer Singh, Shah Rukh Khan, Salman Khan, and others were a part of the wedding festivities. The couple welcomed their first child, son Vayu, in August 2022. They welcomed their second son in March 2026.

Tanishaa Mukerji

Calls Her Bigg Boss Experience 'Traumatic': 'People Went After My Family'

Tanishaa Mukerji, who was the first runner-up of Bigg Boss 7, recently opened up about her time on the reality show, describing the experience as 'traumatic' and emotionally overwhelming. The actress revealed that she entered the controversial reality show without fully understanding its nature. She said that she

was extremely naïve back then, and hadn't even watched the show before entering the BB house. She further claimed that several contestants used her sister Kajol, brother-in-law Ajay Devgn's name to gain screen time during the season.

Tanishaa Mukerji Recalls Her 'Traumatic' Bigg Boss Experience

While speaking with Mamaraazzi, Tanishaa said, "A lot of people still remember me from Bigg Boss and say things like, 'Tanisha is so cool, entertaining and honest.' But definitely on Bigg Boss, I don't think I spoke out as much because I wasn't very comfortable with the language." She said that while it's embarrassing to admit, most of her communication was in English and not Hindi, and that her Hindi is much better now than it was 10-12 years ago. "At that time, a lot of my communication was cut from the show because I spoke in English," she said.

Tanishaa Claims Co-Contestants Were Using Her Family's Name For Screen Time

She further added that she consciously chose not to speak about many things, as she did not want to get into fights or situations that could invite backlash against her family. However, she said that people were just finding reasons to speak about her and her family. "I had no idea until I came out of the house that people were using my name, my sister's name, my brother-in-law's name just to get screen time. That was my naivety. Today, I would never put myself in that position again where anybody feels they have the right to say anything about my family because of me," she said.

She said that she never resorted to attack contestants personally or never brought up their families during arguments. "That experience definitely made me a lot more guarded because people really did go after my family. Even the channel upset me at times," she said.

Shakti Kapoor SLAMS Fake Death Rumours, Threatens Cyber Complaint: 'I Am Healthy And Happy'

Veteran Bollywood actor Shakti Kapoor has strongly reacted to fake rumours about his death that recently surfaced on social media. The actor shared a video message on Instagram and dismissed the reports as 'completely fake'. He also warned that he would file a cyber complaint against those responsible for spreading the misinformation online.

'My Death News Is Fake': Shakti Kapoor

The rumours began circulating widely across social media platforms, leaving fans shocked and concerned. Soon after the reports went viral, Shakti Kapoor released a video message on Instagram clarifying that he is safe and healthy. In the video shared online, the actor said, "My death news is all fake. I am healthy and happy. Please ignore it."Shakti Kapoor further stated that he intends to take action against those circulating the fake news. "I am going to do a cyber complain about it. But this is not good. It's not good," he said, in the video, urging people to avoid forwarding unverified information.

Last year, Raza Murad faced a similar ordeal when false reports about his death surfaced online. The actor later filed a complaint at Andheri Police Station after a social media post wrongly claimed that he had passed away. Speaking to ANI, Murad revealed that the post not only spread fake news about his demise but also suggested that despite spending decades in the film industry, no one remembered him.He said, "This should stop now. It is not only about me. Celebrities are often declared dead while they are still alive. This is wrong, and whoever does this should be punished."

About Shakti Kapoor

Coming back to Shakti Kapoor, the veteran actor remains one of the most recognised names in the Hindi film industry. Best known for his comic timing and memorable negative roles, Kapoor enjoyed immense popularity during the 1980s and 1990s, especially through his collaborations with late actors Asrani and Kader Khan. Some of his most loved films include Raja Babu, Andaz Apna Apna, ChaalBaaz, Coolie No. 1, Judwaa, Satte Pe Satta and Bol Radha Bol, among others.

Twinkle Khanna Has A Hilarious Reaction To Karan Johar's MET Gala Look: 'Come Over Wearing This And...'

Actor-author Twinkle Khanna shared her hilarious reaction to filmmaker Karan Johar's recent appearance at the prestigious Met Gala.Taking to her social media account,, Twinkle shared a picture of Karan from the fashion event and couldn't help but admire his dramatic and artistic ensemble.

She wrote, "Wah! Now come over wearing this and I will hang you up on my wall you piece of art @karanjohar."For the uninitiated, Karan made a statement on the red carpet of Met Gala on Tuesday.

The filmmaker was seen in an elaborate black outfit featuring intricate embroidery, regal detailing, and a cape-like silhouette that instantly grabbed attention.As he made his MET Gala debut, Karan Johar penned a note of gratitude on his social media, saying that life really does come full circle in the most unexpected ways.Karan wore an ensemble inspired by Raja Ravi Varma's art designed by Manish Malhotra for the MET Gala theme "Costume Art."

"From loving cinema and costume as a wide-eyed dreamer to standing on the steps of THE Met Gala…life really does come full circle in the most unexpected ways.

This moment wasn't just about fashion for me," Karan wrote."About taking the legacy of Raja Ravi Varma and letting it live again… this time, not on canvas, but in motion. To representing India and our culture, our art and our storytelling on the global 'steps'. Thirty years of friendship and collaboration with Manish Malhotra and still creating firsts together – so grateful to you and your team for this core memory."

For the uninitiated, Twinkle and Karan have known each other for decades.Both belong to Bollywood families, with Karan Johar being the son of filmmaker Yash Johar and Twinkle the daughter of late superstar Rajesh Khanna.Karan, in an episode of the reality show Koffee with Karan, the filmmaker had admitted to having a crush on Twinkle while growing up.